● वर्ष-3
● अंक-224
रायपुर, रविवार
28 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› चेहरे पर यह चीजें भूलकर भी ना लगाएं

कांग्रेस ने छग को अत्याचार और अपराध का गढ़ बना दिया थाः साय

सुबह से लेकर रात तक हाय पैसा-हाय पैसा करते थे कांग्रेसी ● जनता की मांग का मोदी जी ने रखा ख्याल, बनाया पहला आदिवासी मुख्यमंत्री

रायपुर/वाड्रफनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज बलरामपुर के वाड्रफनगर में चुनावी सभा ली। जहाँ उन्होंने कांग्रेस और भूपेश बघेल की बखिया उधेड़ दी। कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए कितनी दुर्भाग्य की बात है कि प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने हमारे बेटे-बेटियों को जुआ-सट्टा का लत लगाया। महादेव सट्टा एप को निर्बाध रूप से चलाने के लिए 508 करोड़ रूपये प्रोटेक्शन मनी लेने का आरोप उन पर लगा और एफआईआर भी दर्ज हुआ। पिछले पांच वर्षों में कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को अत्याचार, भ्रष्टाचार और अपराध का गढ़ बना दिया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव में वादे तो बड़े-बड़े किये थे पर एक भी पूरा नहीं किया। इसके उलट पूरी कांग्रेस को लगा कि अभी सरकार में बैठे हैं तो कहीं से बस पैसा मिल जाए। सिर्फ हाय पैसा-हाय पैसा यही किया। दारु के दूकान में दो कैश काउंटर बना दिये, एक कैश काउंटर का हिसाब सरकार के पास था और एक कैश काउंटर का हिसाब सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी के पास था।

कांग्रेस सरकार ने न केवल रेत और डीएमएफ घोटाला किया, बल्कि अपनी महत्वाकांक्षी योजना नरवा गरवा घुरवा बाड़ी का गोबर भी खा गए। विष्णु देव साय ने कहा कि आज कितने ही कांग्रेसी नेताओं के ऊपर न केवल एफआईआर है बल्कि बहुत से जेल की चक्की पीस रहे हैं। बड़े-बड़े अधिकारी जिन्होंने भ्रष्टाचार में सरकार का सहयोग किया उन्हें डेढ़-डेढ़ साल से जमानत नहीं मिल रही है। ऐसी कांग्रेस को छत्तीसगढ़ में खाता भी नहीं खोलने देना है।

श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनता की मांग थी कि प्रदेश में एक आदिवासी को मुख्यमंत्री बनाया जाए। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने यह मांग भी पूरी कर दी है। एक आदिवासी के बेटे को छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री का दायित्व सौंपा है। इसलिए हम सबका भी फर्ज है कि आगामी 7 मई को कमल छाप पर बटन दबाकर मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने में अपना महती सहयोग प्रदान करें।

विष्णु देव साय ने अपने सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि आज 4 महीने उनकी सरकार को हुए हैं। उनकी सरकार ने मोदी की गारंटी के बड़े-बड़े वादे पूरे किये हैं। शपथ लेने के दूसरे ही दिन 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति उन्होंने दी। 12 लाख किसानों को 2 साल का बकाया बोनस दिया। 21 क्विंटल प्रति एकड़ धान खरीद कर 3100 रूपए क्विंटल धान की कीमत दी। श्री साय ने कहा कि न केवल समर्थन मूल्य के अंतर की राशि एकमुश्त उनकी सरकार ने किसानों के खाते में ट्रान्सफर किये वरन महिला शक्ति के लिए लागू उनकी योजना महतारी वंदन योजना के दूसरे महीने की राशि भी उनके खातों में ट्रान्सफर कर दी है। हर महीने के पहले सप्ताह को किश्त की राशि दे दी जाएगी, ये भरोसा मुख्यमंत्री ने महिलाओं को दिलाया।

उन्होंने कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना की शुरुआत भी हो चुकी है, जिससे कि प्रदेश के रामभक्त अयोध्या में भांचा राम के दर्शन का लाभ पा रहे हैं। 5500 रूपये प्रति मानक बोरा तेंदूपत्ता खरीदने के भी आदेश दे दिए हैं और खरीदी के लिए हमनें 15 दिनों का समय भी तय कर दिया है। चरण पादुका योजना की भी पुनः शुरुआत होगी। साथ ही उन्होंने मोदी की गारंटी में जो बचे वादे हैं उनको भी सांय-सांय पूरा करने की बात कही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए सीएम साय ने कहा कि ये चुनाव देश के देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। एक चायवाले, गरीब के बेटे मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों के लिए दिन-रात काम करते हैं। 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। वो देश के गांव, गरीब, मजदूर, किसान सबकी चिंता करते हैं। मोदी जी ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास को मूलमंत्र मानते हुए सबका विकास किया, सबको समृद्ध बनाया। उन्होंने कहा कि ये चुनाव मोदी जी के नेतृत्व में 2029 तक भारत को विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति और 2047 तक विकसित भारत बनाने का चुनाव है।

उन्होंने जनता से आगामी 7 मई को कमल छाप पर बटन दबाकर भाजपा प्रत्याशी चिंतामणि महाराज को सांसद बनाने का आग्रह किया।

जनसभा में कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम, लोकसभा प्रत्याशी चिंतामणि महाराज, विधायक गण राजेश अग्रवाल, शकुंतला सिंह पोर्ते, उद्देश्वरी पैंकरा, जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल एवं बाबूलाल अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर क्षेत्र में 76.24 प्रतिशत हुए मतदान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. रीना बाबा साहेब कंगाले ने शनिवार को राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर में मतदान के अंतिम आंकड़े जारी किए हैं।

तीनों क्षेत्रों में औसतन 76.24 प्रतिशत वोटिंग हुई है। यह पिछले साल के मुकाबले लगभग एक से डेढ़ प्रतिशत तक ज्यादा है। वोटिंग में सर्वाधिक वृद्धि कांकेर में हुई है, जबकि महासमुंद में सबसे कम है। जारी आंकड़ों के मुताबिक राजनांदगांव लोकसभा में 77.47 प्रतिशत वोट, महासमुंद लोकसभा में 75.02 प्रतिशत वोट, कांकेर लोकसभा में 76.23 प्रतिशत मतदान हुए।

राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र में निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले आम चुनाव की तुलना में इस बार मतदाताओं की संख्या 1 लाख 52 हजार बढ़ गई। लेकिन बूथ तक पहुंचे लोगों की संख्या कितनी बढ़ी-घटी, इसे भी आंकड़ों से ही जानिए। पिछले चुनाव में इस सीट पर 13 लाख 4 हजार (76.04 प्रतिशत) लोगों ने वोट दिया था। इस बार 14 लाख 46 हजार (77.42 प्रतिशत) लोगों ने वोट दिया। अर्थात, वोट देने वाले लोगों की संख्या 1 लाख 41 हजार ही बढ़ी। इस तरह, पांच साल में जितने मतदाता बढ़े, उनमें से 11 हजार कम लोगों ने वोट किया।

महासमुंद लोकसभा क्षेत्र में निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार मतदाताओं की संख्या 1 लाख 25 हजार बढ़ गई। लेकिन बूथ तक पहुंचे लोगों की संख्या कितनी बढ़ी-घटी, इसे भी आंकड़ों से ही जानिए। पिछले चुनाव में इस सीट पर 12 लाख 19 हजार (74.51 प्रतिशत) लोगों ने वोट दिया था। इस बार 13 लाख 22 हजार (75.02 प्रतिशत) लोगों ने वोट दिया। अर्थात, वोट देने वाले लोगों की संख्या 1 लाख 02 हजार ही बढ़ी। इस तरह, पांच साल में जितने मतदाता बढ़े, उनमें से इस सीट पर 23 हजार कम लोगों ने वोट किया।

कांकेर लोकसभा क्षेत्र में निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले आम चुनाव की तुलना में इस बार मतदाताओं की संख्या 99 हजार बढ़ गई। बूथ तक पहुंचे लोगों की संख्या कितनी बढ़ी-घटी, इसे भी आंकड़ों से ही जानिए। पिछले चुनाव में इस सीट पर 11 लाख 54 हजार (74.27 प्रतिशत) लोगों ने वोट दिया था। इस बार 12 लाख 61 हजार (76.23 प्रतिशत) लोगों ने वोट दिया। अर्थात, वोट देने वाले लोगों की संख्या 1 लाख 06 हजार बढ़ गई।

प्रमुख समाचार

उत्तराखंड में अग्नि का तांडव, कहीं राख है तो कहीं धुआं-धुआं

देहरादून। गर्मी शुरू होते ही उत्तराखंड के जंगल धधकने लगे हैं। उत्तराखंड के जंगलों में फैली आग का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तक लगभग 689.89 हेक्टेयर जंगल प्रभावित हो चुका है। वन विभाग व दमकल के प्रयास के बाद भी जंगल की बेकाबू आग पर काबू पाने के लिए अब वायु सेना को लगाया गया है। कुमाऊं से लेकर गढ़वाल तक आग ही आग है। आग से पहाड़ धुआं-धुआं हो रहे हैं। तेज हवाओं के कारण आग पर काबू पाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। जंगलों को आग से बचाने की तैयारी में जुटे वन विभाग की तैयारियां धरी की धरी रह गई है। पिछले 24 घंटों में गढ़वाल मंडल में कोई भी घटना नहीं हुआ है। जबकि कुमाऊं में वनाग्नि की 26 तो वन्यजीव में पांच घटनाएं हुई हैं और 33.34 हेक्टेयर वन प्रभावित हुए हैं। आगजनी में 39 हजार 440 रुपये की आर्थिक क्षति के साथ दो लोग घायल हो गए हैं।

सलमान के दुश्मनों पर बड़ा एक्शन! मकोका धाराएं लगाई

मुंबई। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा ने सलमान खान फायरिंग मामले में सख्त महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) की धाराएं लगाई हैं। अपराध शाखा के अधिकारी पहले ही मामले में दो शूटरों सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर चुके हैं और गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके भाई अनमोल बिश्नोई को मामले में वांछित आरोपी के रूप में नामित किया है। संयुक्त पुलिस आयुक्त लख्मी गौतम ने बताया कि हमने मामले में आरोपी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उसके गिरोह के सदस्यों के खिलाफ मकोका की संबंधित धाराएं लागू की हैं। मामला अब आगे की जांच के लिए एसीपी रैंक के अधिकारी को स्थानांतरित किया जाएगा। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने कहा कि इससे मामला मजबूत होगा और उचित कानूनी मूल्यांकन के बाद इसे मामले में जोड़ा गया है। मकोका लगने के बाद मामले में गिरफ्तार आरोपी लंबे समय तक सलाखों के पीछे रहेंगे और उन्हें आसानी से जमानत नहीं मिलेगी. अपराध शाखा के एक अधिकारी ने कहा, जांच अधिकारी को अधिक पुलिस हिरासत और आरोपपत्र दाखिल करने के लिए छह महीने का समय भी मिलेगा।

पूनम का टिकट कटा, 26/11 केस के वकील पर लगाया दांव

मुंबई। बीजेपी ने 27 अप्रैल को लोकसभा चुनाव 2024 के लिए उत्तर मध्य मुंबई निर्वाचन क्षेत्र के लिए अपने उम्मीदवार की घोषणा की। जिसमें उन्होंने वरिष्ठ वकील उज्जवल निकम को टिकट देने की घोषणा की है। यानी बीजेपी ने यहां की मौजूदा सांसद पूनम महाजन का टिकट काट दिया है। मशहूर वकील उज्जवल निकम होंगे मुंबई उत्तर मध्य सीट से बीजेपी उम्मीदवार होंगे। बीजेपी का फोकस मिशन 400 पर है। इसलिए बीजेपी अपने हर उम्मीदवार को परखने पर फोकस कर रही है। इसीलिए दिग्गज वकील उज्ज्वल निकम ने इस मुंबई उत्तर-मध्य सीट से दो बार की सांसद पूनम महाजन का टिकट काट दिया है। पहले चर्चा थी कि बीजेपी ने इसी सीट के लिए अभिनेत्री माधुरी दीक्षित से संपर्क किया है। उधर, इस बात की भी चर्चा जोरों पर थी कि बीजेपी विधायक आशीष शेलार इस सीट से चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं। लेकिन उज्जवल निकम ने इन सभी को पछाड़ दिया है। एक विशेष लोक अभियोजक के रूप में निकम ने 26/11 मुंबई हमले, 1993 मुंबई सिलसिलेवार विस्फोट मामला, संजय दत्त के खिलाफ मामले जैसे कई हाई-प्रोफाइल मामलों में सरकार का प्रतिनिधित्व किया।

आज हम नरेंद्र मोदी की वजह से जिंदा हैं: फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भारत के कोविड-19 टीकाकरण अभियान का नेतृत्व करने के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की और देश भर में अनगिनत लोगों की जान बचाने का श्रेय उन्हें दिया। आज हम जिंदा हैं क्योंकि मोदी ने हमें वैक्सीन दी। फडणवीस ने पश्चिमी महाराष्ट्र के सांगली में एक रैली में कहा कि अगर हमने वैक्सीन नहीं ली होती तो हम आज इस रैली को देखने के लिए यहां नहीं होते। यह मोदी ही थे जिन्होंने हमारे जीवन की रक्षा की। वरिष्ठ भाजपा नेता ने जोर देकर कहा कि पीएम मोदी ने टीकों को सुरक्षित करने और उनके व्यापक वितरण को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि कुछ ही देशों ने वैक्सीन का आविष्कार किया था। उनका मानना था कि भारत कोविड टीकों के रूप में (उनसे) सहायता मांगने आएगा। कोविड-19 टीकों पर भारत की आत्मनिर्भरता को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि मोदीजी वैज्ञानिकों को एक साथ लाए, उन्हें आवश्यक संसाधन प्रदान किए और देश में एक कोविड वैक्सीन के निर्माण की सुविधा प्रदान की।

बीजेपी नेता के घर में बम मिले: ममता बनर्जी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के संदेशखली में सीबीआई द्वारा विदेशी निर्मित रिवाल्वर सहित हथियारों का जखीरा जब्त किए जाने के एक दिन बाद, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सवाल किया कि ये हथियार कहां से आए और कहा कि यह संभव है कि केंद्रीय एजेंसियां इन्हें ला सकती हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि आप एनआईए, सीबीआई, एनएसजी और अन्य एजेंसियों को ऐसे भेजते हैं जैसे कोई युद्ध हो रहा हो, भले ही चॉकलेट बम फट जाए। और यह राज्य पुलिस को सूचित किये बिना किया गया. कोई नहीं जानता कि क्या मिला है, कहाँ से आया है, कैसे आया है। संभव है कि उन्होंने इन्हें अपनी गाड़ी में ले जाकर दिखाया हो। क्योंकि कोई सबूत उपलब्ध नहीं है कि वह वहां थे। उन्होंने आगे दावा किया कि संदेशखाली में एक भाजपा नेता के घर के अंदर बम पाए गए और कहा कि वह सोचते हैं कि बम फेंककर और नौकरियों की पेशकश करके वह चुनाव जीत सकते हैं। सीबीआई ने संदेशखाली में तलाशी के दौरान हथियार और गोला-बारूद जब्त किया, जिसमें तीन विदेशी निर्मित रिवॉल्वर और एक विदेशी निर्मित पिस्तौल, एक भारतीय रिवॉल्वर, एक कोल्ट आधिकारिक जारी पुलिस रिवॉल्वर, एक देशी पिस्तौल और कई गोलियां और मैगजीन शामिल थीं।

नक्सली कार्रवाई पर विपक्ष का हमदर्दी भरा दृष्टिकोण क्यों?

डॉ. रमेश ठाकुर

ये तो जगजाहिर है ही कि कांग्रेस नक्सल आंदोलन के हिंसावादी रवैये की प्रति शुरू से नरम रही है। जबकि, कायदे से देखें तो नक्सलियों ने उनके भी कई नेताओं को मौत के घाट उतारा है। बहरहाल, कांकेर मुठभेड़ को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच जमकर वाकयुद्ध जारी है।

कांकेर (छत्तीसगढ) में पिछले सप्ताह केंद्रीय सुरक्षाकर्मियों ने एक ऑपरेशन के तहत बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार गिया। सूचनाएं थी कि नक्सली चुनाव में गड़बड़ी करने वाले थे। उनका निशाना पोलिंग बूथ थे, उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद बरामद हुए। नक्सलियों पर इस कार्रवाई को लेकर एक दफे फिर कांग्रेस ने प्रामाणिकता पर सवाल उठाए हैं। वाजिब सवाल ये है कि आखिर चुनाव के बीच नक्सल और सुरक्षा बलों के बीच चले इस संघर्ष को राजनीतिक रंग देने में किसका भला होगा? भूपेश बघेल तो मुठभेड़ को फर्जी भी बता रहे हैं। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी बिना सोचे समझे नक्सलियों से हमदर्दी जताई है। हालांकि, विरोध होने पर अब दोनों अपने बयानों को लेकर लीपापोती करने में लगे हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने इससे पूर्व भी नक्सलियों को शहीद बताकर उनके प्रति हमदर्दी जताई थी।

ये तो जगजाहिर है ही कि कांग्रेस नक्सल आंदोलन के हिंसावादी रवैये की प्रति शुरू से नरम रही है। जबकि, कायदे से देखें तो नक्सलियों ने उनके भी कई नेताओं को मौत के घाट उतारा है। बहरहाल, कांकेर मुठभेड़ को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच जमकर वाकयुद्ध जारी है। पर, नक्सलवाद की समस्या चुनाव तक ही सीमित नहीं रहने वाली? क्योंकि देश विगत 70 वर्षों से नक्सल आतंकवाद झेलता आया है। अब समय की मांग इसे जड़ से खत्म किया जाए। केंद्र की योजना फिलहाल इसी ओर अग्रसर भी है। अभी तक हजारों नक्सली मारे गए हैं जिनमें बड़ी संख्या में हमारे जवान भी शहीद हुए हैं। इसलिए इस समस्या को राजनीतिक चश्मे से देखने कतई औचित्य नहीं? इस समस्या को जड़ से मिटाने की राष्ट्रीय नीति के प्रति सभी को एक समान विचार रखना चाहिए। केंद्र सरकार ने गत दस वर्षों में नक्सल उन्मूलन की नीति पर एक निरंतरता बनाया हुआ है जिसके बेहतरीन परिणाम भी मिले हैं। नक्सल आंकड़ों पर गौर करें तो 2004-14 के यूपीए के दस सालों के नक्सली हमलों या मुठभेड़ों में 1,750 सुरक्षा बलों के जवानों की शहादत हुई थी, लेकिन 2014-23 में करीब 72 फीसदी तक कमी आई। इस दौरान 485 सुरक्षा बलों के जवानों की जाने गई। इसी अवधि में नागरिकों की मौत की संख्या भी 68 प्रतिशत घटकर 4,285 से 1,383 हुई। कांग्रेस सरकार अपने वक्त में ये तय नहीं कर पाई थी कि वह आर्मड वाम विद्रोह के खिलाफ केंद्रीय नीति किस तरह की रखे। कांग्रेस के नेताओं में इस पर एकमत था ही नहीं। प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह उच्च-स्तरीय सुरक्षा सम्मेलनों में तो यह कहते रहे कि नक्सलवाद देश के लिए खतरा हैं। पर, गृहमंत्री के रूप में चिदंबरम ने सशस्त्र विद्रोह के प्रति कोई आक्रामक नीति कभी बनाई ही नहीं? मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह नक्सलवाद के मूल कारणों को ढूंढने के अपने सिद्धांत बना लिए और उसी की वकालत करते रहे। सन्-2009 में यूपीए सरकार ने ऑपरेशन 'ग्रीन हंट' शुरू किया था। तब कहा गया था कि सरकार नक्सलियों को पूरी तरह खत्म कर देगी। सीआरपीएफ को इसके लिए खास तरह के टास्क दिए गए, यहां तक की भारतीय सेना को भी लगाया गया। लेकिन, ऑपरेशन 'ग्रीन हंट' सुरक्षा बलों के लिए ही काल बन गया। अप्रैल-2010 में नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में एक ही दिन 76 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या कर दी। घरेलू मोर्चे पर यह ऑपरेशन 'ब्लूस्टार' के बाद सुरक्षा बलों की सबसे ज्यादा मौतों की यह घटना बन गई। यूपीए में तीन तीन गृह मंत्री बनाए गए, शिवराज पाटिल, चिदंबरम और सुशील शिंदे। नक्सलवाद को लेकर तीनों की अपनी अलग-अलग राय थी। यूपीए सरकार में ही हिंसक नक्सलियों को गुमराह और नेक इरादे वाले लोगों के रूप में वर्णन किया गया। यूपीए सरकार ने ही मलकानगिरी के कलेक्टर विनील कृष्णा के बदले में आठ माओवादियों को रिहा किया। उसी दौरान माओवादी समर्थकों का एक पढ़ा लिखा वर्ग भी तैयार हुआ, जिन्हें आज अर्बन नक्सली कहा जाता है। फिलहाल केंद्र सरकार अब ये दावा करती है कि उसने हिंसक वाम आंदोलन और उग्रवाद खिलाफ जोरदार अभियान छेड़ा है। नक्सली वामपंथी उग्रवाद को किसी भी तरह की रियायत नहीं दी जाएगी। 2015 में मोदी सरकार ने आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ 'राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना' शुरू की थी जिसमें हिंसा के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की बात कही गई थी। सरकार ने उसी समय से किसी भी तरह की हिंसा से निपटने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों का आधुनिकीकरण करना शुरू कर दिया। प्रशिक्षण के लिए विशेष तौर पर फंड जारी किए। इसके साथ ही सरकार ने हिंसा प्रभावित राज्यों की सहायता के लिए विशेष बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजना पर काम शुरू किया। सुरक्षा जरूरतों में आने वाले खर्चों के लिए अलग से धनराशि जारी की।

चिरमिरी में बोले पंडित धीरेंद्र शास्त्री

जिसे जनता चुनती है वो संसद में बैठते हैं और जिसे भगवान चुनता है वो कथा में

■ **नेताओं को केतली के ऊपर कपड़ा बांधकर रखना चाहिए, वरना विनाश हो जाता है**

कोरिया। चिरमिरी के गोदरीपारा स्थित लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में शुक्रवार को आयोजित आध्यात्मिक प्रवचन में बागेश्वर धाम वाले पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने भक्तों को भाव विभोर कर दिया। पंडित शास्त्री ने कहा कि छत्तीसगढिया़ सबले बढिया़, छत्तीसगढ़ राम का है, हनुमान का है, संस्कृति का है और सनातन का है। उन्होंने कहा कि जिसे जनता चुनती है वो संसद में बैठता है और जिसे भगवान चुनता है वो कथा में बैठता है, आप लोग सौभाग्यशाली हैं, जो कथा में बैठे हैं। हम लोगों पर संकट आता है तो रामजी बचाते हैं और जब श्रीराम पर संकट आता है तो हनुमान जी बचाते हैं। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि चाय से ज्यादा केतली गर्म होती है। यह बात नेताओं पर भी लागू होती है, नेताओं को केतली के ऊपर कपड़ा बांधकर रखना चाहिए, वरना नेताओं का विनाश हो जाता है। पंडित शास्त्री ने कहा कि धर्म विरोधियों की बहुत जल्द छत्तीसगढ़ से ठठरी और गठरी बंधने वाली है।

पंडित शास्त्री ने कहा कि चुनाव निपटने के बाद तैयारी करें लें क्योंकि वे यहां पर पांच दिन तक कथा सुनाएंगे और दिव्य दरबार भी लगाएंगे। उन्होंने छत्तीसगढिया़ में भजन की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। छत्तीसढिया भजनज् चोला माटी के हे राम, इखर का भरोसा द दा..इखर का भरोसा। उन्होंने कहा कि यहां छत्तीसगढ़ महतारी है, भारत में गंगा माता हैं, गायत्री माता हैं, गाय माता हैं। उन्होंने कहा कि समंदर में अथाह पानी होता है, लेकिन एक नाव को जब तक नहीं डूबा पाता है, जब तक उसमें पानी नहीं जाता है। उसी प्रकार धर्म परिवर्तन करने वालों की तरफ देखने की जरूरत नहीं है। कथा श्रवण करने के लिए छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता और श्रद्धालुगण मौजूद थे।

मतदान दल को दिया गया अंतिम प्रशिक्षण

बेमेतरा। लोकसभा निर्वाचन- 2024 संसदीय क्षेत्र-7 दुर्ग अन्तर्गत ज़िले की तीनों विधानसभा क्षेत्र में तैयारियों को जहां अंतिम रूप दिया जा रहा है। आज विधानसभा क्षेत्र 68 साजा के ड्यूटी में लगे पीठासीन अधिकारी सहित मतदान दल क्रमांक 1, 2 और 3 मतदान दल के अधिकारी-कर्मचारियों को मास्टर ट्रेनरों ने अंतिम प्रशिक्षण दिया । कलेक्टर एवं ज़िला निर्वाचन अधिकारी श्री रणबीर शर्मा भी प्रशिक्षण केंद्र पहुँचे। दिये जा रहे प्रशिक्षण को देखा। उन्होंने भी मतदान दलों को निर्वाचन संबंधी ज़रूरी टिप्स दिये। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज़िला पंचायत श्री टेकचन्द्र अग्रवाल मौजूद थे। वही निर्वाचन कर्तव्य पर तैनात विधानसभा क्षेत्र 68 साजा के अधिकारी/कर्मचारियों को प्रशिक्षण सुविधा केंद्रों में शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम कन्या विद्यालय और पी.जी कॉलेज रूसा भवन बेमेतरा में डाकमत पत्र से मतदान किया। लोकसभा निर्वाचन-2024 के तृतीय चरण के लिए साजा विधानसभा क्षेत्र के मतदान दल को अंतिम प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि सामग्री कोषांग से मतदान से संबंधित आवश्य सामग्री, आवश्यक समान मिलान करने के बाद बूथ के लिए रवाना किया जाएगा। बूथ पर पहुंचने के बाद मतदान केंद्र पर आवश्यक तैयारियां पूरी करने के बाद सुबह सात बजे से मतदान शुरू करने के पूर्व की सारी महत्वपूर्ण करनी होगी। मतदान के दौरान पीठासीन पदाधिकारी, पी वन, पी टू तथा पी थ्री के कार्य एवं दायित्व की जानकारी दी गई।

ईश्वर पटेल के नेतृत्व में 300 से अधिक ने थामा भाजपा का दामन

■ **मरार पटेल समाज के 85 प्रतिशत जनसंख्या भाजपा समर्थक -पटेल**

अभनपुर। ग्राम पिपरौद में आयोजित भारतीय जनता पार्टी के विशाल आमसभा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, लोकसभा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल, विधायक इंद्र कुमार साहू एवं पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी की उपस्थिति में मरार पटेल समाज के जिलाध्यक्ष ईश्वर पटेल व अभनपुर राज के सचिव धर्मेन्द्र पटेल के नेतृत्व में मरार पटेल समाज के पदाधिकारी एवं करीब 300 सामाजिक जनों ने भाजपा का दामन थामा। इस अवसर पर ईश्वर पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के अगुवाई में पूरे विश्व में भारत का सम्मान बढ़ा है ।

उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि रायपुर लोकसभा क्षेत्र में पटेल समाज के लगभग 19000 से अधिक मतदाता है, हमारे समाज के 85 प्रतिशत लोग भाजपा समर्थक (वोटर) हैं लेकिन आज तक समाज को राजनीतिक महत्व नहीं मिल पाया है। आने वाले समय में मरार समाज से भी शीर्ष नेतृत्व में समाज के लोग पहुंच सके तथा पार्टी में बड़ी जवाबदारी मिले इसके इसका प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से समाज के पदाधिकारी कन्हैया पटेल ,नेतराम पटेल, भारत पटेल ,डॉ. मधुसूदन, पटेल, डॉ कोमल पटेल ,दुर्गेश पटेल , राधेश्याम पटेल ,रामूराम पटेल ,गिरीश पटेल ,नंदकुमार पटेल ,संतोष पटेल ,पंचूराम पटेल देमन पटेल, तातु राम पटेल ,व्यासनाराण पटेल ,कमलेश पटेल, दशरथ पटेल, बलवंत पटेल ,जगन्नाथ पटेल, दुष्यंत पटेल ,नेतुराम पटेल, दौलत पटेल, ज्ञानेंद्र पटेल ,नंदकुमार पटेल, टेकराम पटेल, बुधारू पटेल ,गीतू पटेल ,ओम प्रकाश पटेल ,खेमराज पटेल, राधेश्याम पटेल ,धनेश्वर पटेल ,श्रवण पटेल, योगेंद्र पटेल ,यशवंत पटेल ,सुजीत पटेल,भारत पटेल ,विजय पटेल ,गोपेश्वर पटेल, सुखेंद्र पटेल, सत्य प्रकाश पटेल ,नारायण पटेल ,गवारू पटेल ,खगेश पटेल ,तीरथ पटेल ,खेलन पटेल,सीताराम पटेल ,ईश्वर पटेल ,गंगाराम पटेल राजेंद्र पटेल , राजेश पटेल । ग्राम खोरपा, खिलोरा, बेलर ,कोलर ,भरेगाभाटा, सिवानी ,सलोनी ,रवेली, तूता , भेलवाडीह, खंडवा ,अभनपुर, उपरवारा, सातपारा ठेलकाबांधा ,टोकरो ,हसदा नं. 2 कुर्रा , नवापारा, कोलियरी ,नवागांव ,मंदलोर ,सुंदर केरा, उमरपोटी , चंपारण ,डंगनिया ,डोमा, तामासिवनी सहित विभिन्न ग्रामों के सामाजिक जनो ने भाजपा में शामिल हुए।

दुर्ग में चेम्बर ऑफ कॉमर्स की अनूठी पहल, वोट की स्याही दिखाने पर दुकानदार देंगे डिस्काउंट

दुर्ग। सात मई को दुर्ग लोकसभा सीट पर मतदान होना है। मतदान की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मतदान शत प्रतिशत कराने के लिए चुनाव आयोग भी कोशिशों में लगा है। दुर्ग चेंबर ऑफ कॉमर्स ने भी मतदान प्रतिशत बढ़ाने और लोगों को जागरुक करने का अभियान चला रखा है। चेंबर ऑफ कॉमर्स ने शनिवार को एक बैठक कर ऐलान किया है। चेंबर की ओर से कहा गया है कि जो भी वोटर वोट देने के बाद दुकान पर स्याही लगी उंगली दिखाएगा उसे हम सामान खरीदने पर डिस्काउंट देंगे।

मतदाताओं को प्रोत्साहित करने के लिए ये अभियान चेंबर ऑफ कॉमर्स की ओर से चलाया गया है। उनकी ओर से कहा गया है कि शहर के इंदिरा मार्केट में आकर आप किसी भी चीज की खरीददारी करें। आपको 15 पर्सेंट से लेकर 20 पर्सेंट तक का डिस्काउंट दिया जाएगा। डिस्काउंट पाने के लिए आपको बस वोट देते वक्त जो स्याही लगाई जाती है उसे दिखाना होगा। चेंबर का मकसद है कि लोग बड़ी संख्या में अपने मत के अधिकार का इस्तेमाल करें।

एसडीएम मुकेश राउटे ने कहा दुर्ग नगर निगम के डाटा सेंटर में इंदिरा मार्केट के व्यापारिक संगठनों की बैठक थी। सभी दुकानदारों ने एक मत से मतदान प्रतिशत बढ़ाने और वोट करने का संकल्प लिया। दुकानदारों ने ये भी तय किया है कि वो वोटिंग पर्सेंटेज बढ़ाने के लिए मतदान कर वोट की स्याही दिखाने पर डिस्काउंट भी वोटरों को देंगे। ये एक अच्छी पहल है। हमारी कोशिश है कि सभी लोग अपने मत के अधिकार का इस्तेमाल करें।

दुर्ग लोकसभा सीट पर 7 मई को मतदान- दुर्ग लोकसभा सीट पर 7 मई को मतदान होना है। तीसरे चरण में छत्तीसगढ़ की बाकी बची सातों सीटों पर वोटिंग होनी है। चुनाव आयोग की लगातार ये कोशिश रही है कि शत प्रतिशत मतदान कराया जाए। लगातार बढ़ रही गर्मी जरूर मतदान में खलल डाल रही है।

मुख्यमंत्री की पहल से पेट की गंभीर बीमारी से जूझ रहे ग्रामीण को मिला निजात

जशपुर। पेट की गंभीर बीमारी से जूझ रहे 25 वर्षीय पालेश्वर राम को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से नया जीवन मिला है। ग्रामीण युवक की जान बचाने के लिए बंजारा समाज ने सीएम का आभार जताया है। पालेश्वर के परिजनों ने बताया कि पालेश्वर बीते एक साल से पेट की गंभीर बीमारी से ग्रसित था। उसके पेट में भयंकर दर्द रहता था, जिससे वह ना तो ठीक से खा पाता था और ना ही सो पाता था। इससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी।

परिजनों ने पालेश्वर को स्थानीय अस्पताल लेकर गए, जहां परीक्षण के बाद चिकित्स्कों ने बड़े अस्पताल के लिए रिफर कर दिया। निजी अस्पताल में जांच के बाद चिकित्स्कों ने ऑपरेशन की आवश्यकता बताई, लेकिन ऑपरेशन का भारी खर्च ने, पालेश्वर के परिजनों के होश उड़ा दिया।

बीते लगभग एक साल से पालेश्वर इसी हालत में घर में ही पड़ा हुआ था। इस बीच पीड़ित पालेश्वर के परिजनों ने सीएम कैम्प बगिया पहुंच कर ष्टरूसाय से पालेश्वर की जान बचाने के लिए, उपचार में सहायता का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री साय के पहल पर रायपुर के नारायणा हॉस्पिटल में पालेश्वर के इलाज की व्यवस्था की गई।

डॉक्टरों ने जांच में पालेश्वर के पेंक्रिया और आंत में समस्या पाया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर नारायणा हॉस्पिटल ने पालेश्वर का सफल ऑपरेशन किया। फिलहाल पालेश्वर स्वास्थ्य लाभ ले रहा है। पालेश्वर के ऑपरेशन का सारा भुगतान आयुष्मान कार्ड के माध्यम से किया गया है।

दंतेवाड़ा में नक्सलियों ने कांग्रेस नेता की हत्या की

दंतेवाड़ा। दंतेवाड़ा जिले के अरनपुर क्षेत्र के गांव पोटली मिर्चीपारा में बीती रात नक्सलियों ने पूर्व जनपद सदस्य और कांग्रेस के नेता रह चुके जोगा पोडियामी की बेरहमी से हत्या कर दी। घटना के बाद से परिवार में जहां शोक की लहर छा गई, वहीं इलाके में दहशत का माहौल है। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंच गई है। जहां परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली जा रही है।

बताया जा रहा है कि मृतक जोगा पोडियामी विगत कई वर्षों से कांग्रेस में रहकर कार्य कर रहा था। इन्हीं कार्यों की वजह से वहां की जनता ने उसे जनपद सदस्य भी बनाया था, लेकिन क्षेत्र में लगातार लोगों को मतदान और अन्य कार्यों के लिए जागरूक किये जाने के कारण नक्सलियों के टारगेट पर भी चल रहे थे, शुक्रवार की रात को करीब 20 से अधिक नक्सली जोगा पोडियामी के घर पहुंचे। जहां से उसे घर के बाहर लाकर बेरहमी से उसकी हत्या कर दी गई। सूत्रों से यह भी जानकारी मिली है कि विधानसभा चुनाव के समय भी और अब लोकसभा चुनाव के दौरान भी नक्सलियों ने उन्हें इन सब से दूरी बनाए रखने की बात कही थी, लेकिन इन सबके बाद भी जोगा पोडियामी क्षेत्र के लोगों को मतदान करने के लिए हमेशा से प्रेरित कर रहे थे। जिसके चलते नक्सलियों के टारगेट में थे, नक्सलियों ने इसी बात को ध्यान में रखते हुए बीती रात जोगा पोडियामी के घर में जाकर उसकी निर्मम हत्या कर दी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

पाकुरभाट में स्ट्रांग रूम किया गया सील, सुरक्षा बल तैनात

बालोद। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के तहत कांकेर लोकसभा क्षेत्र अंतर्गत बालोद जिले में मतदान सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। मतदान के पश्चात सभी मशीनों को आने के बाद कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल और राजनीतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पाकुरभाट स्थित लाईवलीहुड कॉलेज में स्ट्रांग रूम को सील किया गया। स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल तैनात हैं। प्रशासन द्वारा स्ट्रांग रूम को सीसीटीवी की निगरानी में रखा गया है। जिसके लिए मॉनिटरिंग कक्ष बनाया गया है। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री चन्द्रकांत कौशिक सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि मतगणना 04 जून को होगी।

कोरबा में बुजुर्गों और दिव्यांगो ने घर बैठे किया मतदान

कोरबा। लोकतंत्र की मजबूती और अधिक से अधिक मतदान के लिए निर्वाचन आयोग ने होम वोटिंग की सुविधा जरूरतमंद मतदाताओं के लिए शुरू की है। इस कड़ी में कोरबा कोरबा लोकसभा क्षेत्र में शनिवार को बुजुर्ग और दिव्यांग मतदाताओं को घर बैठे वोट कराया गया। मतदान दल दिव्यांग और 85+ बुजुर्ग मतदाताओं के घर पहुंची और उनसे वोट कराया। इस दौरान गोपनीयता का भी पूरा ध्यान रखा गया। दिव्यांग और सीनियर सिटीजन ने बैलेट पेपर से ही मतदान किया। दरअसल, कोरबा में ऐसे जरूरतमंद कुल 127 मतदाता हैं, जिनसे शनिवार और रविवार को मतदान घर पहुंच कर वोटिंग करवाया जाएगा। मतदान करते समय खासतौर पर ऐसे दिव्यांग को जो कि 50 फीसद या उससे भी अधिक आशक्त हैं, उनसे वोट कराया जाएगा। वोटिंग के बाद बुजुर्ग और दिव्यांग वोटरों ने निर्वाचन आयोग को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि, हमें चलने फिरने में परेशानी होती है, यदि सरकार ने इस तरह की सुविधा नहीं शुरू की होती, तो हम संभवत: मतदान बूथ तक नहीं जा पाते।

आमामोरा और ओड़ से मतदान कराकर 16 सदस्यीय दल लौटा

गरियाबंद। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के चुनाव में छत्तीसगढ़ की तीन लोकसभा सीट पर मतदान शुक्रवार को शांतिपूर्वक समाप्त हो गए। वहीं महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के गरियाबंद जिले के नौ संवेदनशील क्षेत्र में से दो मतदान केंद्र आमामोरा और ओड़ से मतदान कराकर 16 सदस्यीय दल 96 घंटे बाद हेलीकाप्टर से सकुशल लौट आए हैं। मतदान दल को रिसीव करने गरियाबंद कलेक्टर दीपक अग्रवाल खुद पुलिस ग्राउंड में बने हेलीपेड में मौजूद रहे। उन्होंने मतदान दल के सदस्यों का फूल देकर स्वागत किया। इसके बाद मतदान दल को बस में बैठकर स्ट्रांग रूम लाया गया, जहां सभी की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम को सील किया गया।

ईसाई धर्म अपनाने से शव दफनाने पर ग्रामीणों की रोक

जगदलपुर। जगदलपुर के परपा थाना क्षेत्र के ग्राम छिंदबहार में रहने वाले ईश्वर की मौत बीमारी की वजह से हो गई, चुकी ईश्वर के परिजन अपने मूल धर्म को छोड़कर ईसाई समुदाय में शामिल हो गए थे। इसलिए गांव के लोग ईश्वर के शव को दफनाने नही दे रहे हैं। जिसके चलते गांव में तनाव की स्थिति है और मामले को सुलझाने में भारी संख्या में पुलिस बल भी तैनात किया गया है। 48 घंटे के बाद भी अब तक मामले का कोई भी हल नही निकल पाया है। जिसके कारण शव अभी भी मेकाज के पीएम घर में रखा हुआ है। जानकारी के मुताबिक 25 अप्रैल को बीमारी के चलते ईश्वर पिता स्व. अर्जून 65 वर्ष निवासी छिंदबहार को बेहतर उपचार के लिए मेकाज में भर्ती किया गया, जहाँ उसकी मौत हो गई। ईश्वर के मौत के बाद उनके परिजनों ने पुलिस को बताया कि वे लोग अपने मूल धर्म को छोड़कर ईसाई समुदाय में शामिल हो गए थे। ईश्वर की मौत की खबर का पता चलते ही गांव के लोग एकजुट हो गए और ईश्वर के शव को गांव में दफनाने से मना कर दिए।

सड़क हादसे के बाद ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले के अरसमेटा मोड़ के पास अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं पत्नी गंभीर रूप से घायल होने पर बिलासपुर इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए पामगढ़ अस्पताल लगाया गया है। अज्ञात वाहन चालक वाहन लेकर फरार है। गुसाए लोगों ने चक्काजाम किया हुआ है। घटना मुलमुला थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार मृतक रामकुमार कश्यप (47) निवासी कोनारगढ़ जोकि एक बाइक में अपनी पत्नी शतरूपा बाई (42) वर्ष, पुत्र चंद्र प्रकाश कश्यप (19) वर्ष और 3 साल की छोटी बच्ची नतनीन के साथ अपने गांव कोनारगढ से अपनी नतनीन के बर्थडे मानने के लिए गांव परसदा जा रहे थे। करीबन 12.30 बजे अरसमेटा मोड़ के पास पहुंचे हुए थे की अज्ञात वाहन ने बाइक को जोरदार ठोकर मारी जिससे बाइक में सवार सभी सड़क के किनारे जा गिरे। वहीं अज्ञात वाहन चालक मौके पर से वाहन को लेकर फरार हो गया।

विधायक मंडावी ने भाजपा नेता पर लाखों के भ्रष्टाचार का लगाया आरोप

■ **अजय सिंह ने विधायक को बताया विकास विरोधी और नक्सली समर्थक**

बीजापुर। कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने भाजपा नेता अजय सिंह पर 49 लाख के भ्रष्टाचार का आरोप लागया है। इस पूरे मामले को लेकर विधायक विक्रम मंडावी ने गुरुवार को जिला प्रशासन से शिकायत भी की है। दरअसल शुक्रवार को बीजापुर कांग्रेस पार्टी के विधायक विक्रम मंडावी ने बीजापुर कांग्रेस भवन में एक प्रेस वार्ता रखी थी, जिसमें विधायक ने भाजपा नेता अजय सिंह पर चिन्नागेलूर में बन रहे 49 लाख के रपटा पर भृष्टाचार का आरोप लगाया है।

विक्रम मंडावी ने कहा, जो रपटा बन रहा है उसकी लंबाई में कमी है, न सही तरीके से इस रपटा का निर्माण किया गया। यह रपटा भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। इसकी शिकायत हमने कलेक्टर से की है। अगर जांच नहीं होगी और दोषियों पर जिला प्रशासन कार्रवाई नहीं करेगी तो हम और हमारी कांग्रेस पार्टी की टीम चिन्नागेलूर के उस स्थल में जाकर धरने पर बैठेंगे।

विधायक के आरोप पर भाजपा नेता अजय सिंह ने तल्ख जबाब देते विधायक को विकास विरोधी और नक्सली समर्थक बताया है। विधायक के आरोप पर जुबानी हमला बोलते अजय ने कहा कि सस्ती लोकप्रियता हासिल करने विधायक अधूरे निर्माण के बावजूद भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहे। चिन्ना गेल्लूर से तर्रेम मार्ग पर तोयानाला में रपटा एवं एपरोच रोड निर्माण कार्य जिला निर्माण समिति से कराया जा रहा है।

अजय ने कहा कि 34 लाख के निर्माण कार्य को विधायक 49 लाख बता रहे हैं। चूंकि संवेदनशील क्षेत्र होने से सुरक्षा नहीं मिलने के चलते कार्य रोका गया था। आधी-अधूरी जानकारी जुटा आरोप लगा रहे हैं, जबकि निर्माण कार्य 80 फीसदी बचा हुआ है। ग्रामीणों द्वारा शिकायत की बात भी झूठी है। विधायक जिसे प्रमाण बता रहे हैं, वो प्रमाण नहीं, अधूरी जानकारी है। उनके पास कांग्रेस नेताओं को कारनामों का पूरा लिखा चिठा है। आचार संहिता हटने के बाद कांग्रेस नेताओं समेत विधायक कार्याकाल में देवगुड़ी से लेकर तमाम कार्यों की जांच जरूर होगी।

मां के पास पहुंचा बिछड़ा सफेद भालू शावक

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। दो दिन पहले अपने परिवार से बिछड़ा सफेद भालू शावक आखिरकार अपनी मां और शावक भाई से मिला। मरवाही वनमंडल विभाग को भालू शावक को उसकी मां भालू से मिलाने में बड़ी सफलता मिली। मरवाही वन मंडल के ष्ठस्नह्र रौनक गोयल ने इसकी पुष्टि की। भालू के इस बच्चे को उसके परिवार से मिलाने और मां भालू को ढूंढने के लिए दो दिन से मरवाही वनमंडल कड़ी मश्क्कत कर रहा था। इस दौरान शुक्रवार रात को मरवाही वनमंडल के जंगल में बिछड़े हुए भालू शावक को उसकी मां के पास छोड़ा गया।

उल्लेखनीय है कि यह सफेद भालू शावक दो दिन पहले अपने परिवार से बिछड़ कर अलग हो गया था। सड़क के किनारे भूख-प्यास से बेचैन इस बच्चे को गांव वाले सड़क पर देख इसे पानी और खिलाने का प्रयास कर रहे थे। वन विभाग को इसकी सूचना मिलते हैं तत्काल इसे रेस्क्यू कर इसका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया और इसे फिर पेण्ड्रा के इंदिरा गार्डन में सुरक्षित रख दिया गया।

इस बीच वन विभाग जहां बच्चा मिला था उसके आसपास के जंगलों में ट्रेप कैमरे लगाकर उसके परिवार को खोजने का प्रयास कर रहा था। इस बीच कल रात को सफेद शावक के बच्चें का परिवार मिलने पर सुरक्षित इसे मां भालू और भाई के पास छोड़ दिया गया।

बताया जा रहा है कि ये काली मादा भालू पहले भी इस क्षेत्र में देखी गयी थी, जिसके दो नन्हें सफेद शावक है। पहले भी इनके वीडियो जमकर वायरल हो चुके हैं। मरवाही क्षेत्र के जंगलों में भालुओं की संख्या सबसे ज्यादा है। इस इलाके को भालू लैंड के नाम से जाना जाता है। इन जंगलों में सफेद भालू का होना दुर्लभ है। ये सफेद भालू जीन्स में परिवर्तन होने के कारण अल्बिनो हो जाते हैं जो कि ध्रुवीय प्रदेश में पाए जाने वाले पोलर बियर से अलग होते है।

संक्षिप्त समाचार

तीन कर्मचारियों पर गिरी प्रशासनिक गाज, कलेक्टर ने किया निलंबित

रायपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर दूसरे चरण के इलेक्शन ड्यूटी में लापरवाही बरतने वाले तीन कर्मचारियों पर प्रशासनिक गाज गिरी है। रायपुर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह ने निर्वाचन ड्यूटी में अनुपस्थित रहे तीन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। इस संबंध में आदेश जारी कर दिये हैं। शासकीय प्राथमिक शाला सोनेसिल्ली में पदस्थ सहायक शिक्षक जानू ध्रुव, कार्यालय उपसंचालक उद्यान में पदस्थ सहायक ग्रेड 3 नितेष तुरकने और कार्यालय आदिम जाति रायपुर में पदस्थ सहायक ग्रेड 3 राकेश सिंह ध्रुर्वे को लोकसभा निर्वाचन ड्यूटी में बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहे। चुनाव ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर तीनों का तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

राकेश सिंह रायपुर रेल मंडल के नये मंडल वाणिज्य प्रबंधक

रायपुर । राकेश सिंह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल के नये मंडल वाणिज्य प्रबंधक बनाये गये हैं। श्री राकेश सिंह दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर और रायपुर मंडलों में अनेक पद पर सेवाए दे चुके है । पूर्व में श्री राकेश सिंह रायपुर मंडल में सहायक परिचालन प्रबंधक, एरिया मैनेजर- भिलाई एवं स्टेशन डायरेक्टर रायपुर के पदों पर कार्यरत थे वे बिलासपुर रेल मंडल में सहायक वाणिज्य प्रबंधक बिलासपुर के पद पर कार्य कर चुके है।

चलती कार में लगी भीषण आग; जान बचाकर भागे लोग, मची अफरा-तफरी

रायपुर। राजधानी रायपुर में चलती कार में आग लग गई। देखते ही देखते आग बढ़ गई और पूरे कार को चपेट में ले लिया। जैसे-तैसे कार में सवार व्यक्ति बाहर निकले। आग लगने की घटना से इलाके में अफरा-तफरी मची। मामला रायपुर के लाखे नगर चौक के पास का बताया जा रहा है। लाखे नगर चौक से गुजरते समय एक चलती कार में आग लग गई। आग कार के समाने हिस्सा में लगी। इसके बाद आग विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार अपनी चपेट में ले लिया। चलती कार में आग लगने से आसपास मौजूद लोगों में भय निर्मित हो गई। जानकारी के अनुसार, कार मारुति कंपनी का है। कार का नंबर सीजी 04 एचजे 7558 बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह घटना बीते रात शुक्रवार की है।

रायपुर में हुआ लोकसभा चुनाव!, आज भी वोट डाल सकेंगे पुलिस ऑफिसर्स

रायपुर। राजधानी रायपुर में 27 और 28 अप्रैल को पुलिस सेनानी पोस्ट बेलेट से मतदान करेंगे। इसके लिए टॉउन हॉल और पुलिस लाइन में मतदान सुविधा केंद्र बनाया गया है। यह मतदान सुविधा केंद्र सुबह 9 से शाम 5 बजे तक खुले रहेंगे। इसके लिए रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने पोस्टल बैलेट मतदान दलों को रवाना किया। कलेक्टर ने पुलिस और नगर सैनिक मतदान दल को रवाना किया है। कलेक्ट्रेक्ट परिसर स्थित टाउन हॉल में मतदान सुविधा केंद्र बनाया गया है। साथ ही पुलिस लाइन स्थित सामुदायिक भवन में मतदाता सुविधा केंद्र बनाया गया है। यहां पर धरसींवा, रायपुर ग्रामीण, रायपुर नगर पश्चिम, रायपुर उत्तर, रायपुर दक्षिण, आरंग, अभनपुर और बलौदाबाजार विधानसभा के मतदाता मतदान कर सकेंगे। उन्होंने मतदान दलों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। साथ ही दल को रवाना करने से पहले गुलाब फुल देकर स्वागत भी किया। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे, नोडल अधिकारी बृजेश सिंह, एसडीएम नंदकुमार चौबे समेत अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे।

आकांक्षा उइके आई प्रथम, 21 हजार रूपए का मिला पुरस्कार

रायपुर। मरीन ड्राइव में स्वीप संध्या के आयोजन पर महिलाओं के द्वारा आयोजित स्वीप कार रैली के पुरस्कारों की घोषणा की गई। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कार रैली में प्रथम आने वाली आकांक्षा उइके को पुरस्कार दिया गया। उन्हें चेक प्रदान किया गया। साथ ही द्वितीय स्थान लता मिश्रा को 11 हजार रूपए व तृतीय स्थान प्रीती फौजदार को 5100 रूपए का चेक प्रदान किया गया। इसी तरह सांत्वना पुरस्कार अनु बंजारे, सुरभि तिवारी, प्रीतम कौर मोटवानी, नमिता साहू, मिनाक्षी बाजपेयी, टिकेश्वरी बाजपेयी, पुष्पा शुक्ला, रितु जैन, किरण देव प्रभा, नीलम सोनी, देवकी साहू, गायत्री साहू, सपना तिवारी, नलनी चंद्राकर, तरून्नुम शेख, आकांक्षा सोनकर, रिचा मजूमदार, अनुरिमा शर्मा, अर्पणा सिसौदिया को दिया गया। साथ ही चार लक्की ड्रॉ भी निकाला गया। जिसमें गाड़ी नंबर 101, 140, 92 और 8 को पुरस्कृत किया गया।

रायपुर में नहीं होगी पेयजल की संकट, एनीकेट के खुलने से जलस्तर 10 इंच बढ़ा

रायपुर। मुर्रा एनीकट को शुक्रवार को खोले जाने से फिल्टर प्लांट के नजदीक एनीकेट में पानी 10 इंच बढ़ गया है। शनिवार सुबह तरीघाट एनीकेट को भी खोल दिया गया। जिसका पानी शाम तक पहुंच जाएगा। सिंचाई विभाग ने मरम्मत के नाम नहर से पानी भेजना अचानक बन्द कर दिया था। जिससे दो दिन पहले खारुन नदी का जलस्तर घटने लगा था। इससे शहर में पानी सप्लाई का खतरा बन गया था। इस पर रायपुर नगर निगम के कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने उच्च स्तर पर चर्चा कर धमतरी के चटोड नहर की साखा नहर को खुलवाया गया।

मुख्यमंत्री ने चारों लोकसभा सीटें जीतने का किया दावा

■ **सीएम साय ने मतदाताओं का जताया आभार, कांग्रेस पर जमकर बरसे**

रायपुर। लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में छत्तीसगढ़ की 3 सीटों राजनांदगांव, महासमुंद, कांकेर में शुक्रवार को मतदान हुए। इसके पहले बस्तर सीट पर मतदान हो चुके हैं। इस पर प्रदेश के सीएम विष्णुदेव साय ने मतदाताओं का आभार जताया है।

सीएम ने साय ने कहा कि द्वितीय चरण का मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि राजनांदगांव, महासमुंद और कांकेर तीनों सीटों पर बीजेपी जीत रही है। वहीं बस्तर सीट पर भी हम कब्जा करेंगे।

सीएम साय ने दावा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की 3 सीटों सहित देश के 88 सीटों पर हुए मतदान में सामने आए रुझानों से पता चल रहा है कि जनता ने मोदी जी के विकसित भारत की संकल्पना में साथ दिया है। उनके अब तक किये गए विकास कार्यों पर जनता ने संतुष्टि की मुहर लगाई है। लोकतंत्र के इस महापर्व में अपनी सहभागिता देकर अपना दायित्व निभाने के लिए लोगों को साधुवाद।

ठगने का काम करती है कांग्रेस

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार ने आदिवासी एवं अनुसूचित बाहुल्य क्षेत्रों के हितों की सदैव चिंता की है। भाजपा की सरकार में अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्रों का विकास तेजी से हुआ है। आज गिरौदपुरी में भव्य जैतखाम का निर्माण और वहां के विकास का काम हमारी भाजपा सरकार ने किया है। मस्तूरी क्षेत्र के सड़कों के विकास के लिए पूर्व की रमन सरकार ने 123 करोड़ रुपए स्वीकृत किये थे। प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना के तहत 34 करोड़ रुपए की स्वीकृति भाजपा सरकार ने ही दी थी। मतलब सड़क, पानी, बिजली की चिंता केवल भाजपा ही करती है। कांग्रेस केवल ठगने का काम करती है।

प्रधानमंत्री पर अनर्गल टिप्पणी कर रहे कांग्रेसी

उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता अपनी निश्चित हार देखकर हताशा में हमारे प्रधानमंत्री पर अनर्गल टिप्पणी कर रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, पीएम मोदी को लाठी से मारने की बात कहते हैं तो कवासी लखमा, मोदी मर जाए कह रहे हैं, जो बहुत ही शर्मनाक है। ऐसे लोगों को जनता करारा जवाब देगी,जीरो पर आउट करेगी। कांग्रेस सरकार में 36 वादे में एक भी वादे ठीक से पूरे नहीं हुए। भूपेश बघेल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अपराधगढ़ बन गया था, भ्रष्टाचार का गढ़ बन गया था। कांग्रेस ने शराब, कोयला, रेत, सरकारी जमीन, डीएमएफ की राशि सब में घोटाला किया। प्रदेश को लूट-लूट कर कंगाल बना दिया। नरवा गरवा घुरवा बारी में घोटाला करके गोबर का पैसा भी खा गए। तभी तो छत्तीसगढ़ की जनता ने 2023 में कांग्रेस को सरकार से आउट कर दिया।

सीएम साय ने चुनाव ड्यूटी से लौट रहे शिक्षक की सड़क हादसे में मौत पर जताया शोक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने चुनाव ड्यूटी से लौट रहे शिक्षक की सड़क दुर्घटना में मौत होने पर दुख व्यक्त किया है। सीएम साय ने अपने शोक संदेश में कहा कि चुनाव दायित्व का निर्वहन कर लौट रहे बालोद जिले के तरौद माध्यमिक शाला के शिक्षक खेलन सिंह पटेल के सड़क दुर्घटना में निधन का दुखद समाचार मिला।

मैं ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को सबल प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं। मेरी संवेदनाएं उनके साथ हैं। उन्होंने कहा कि शासकीय नियमों के अनुरूप मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता समेत सभी सुविधा शीघ्र प्रदान करने के निर्देश दिए है।

पीसीसी चीफ बैज ने दोनों चरण की चारों सीटें जीतने का किया दावा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दूसरे चरण के तीन लोकसभा सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण संपन्न हो गया है। मतदान के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने मतदाताओं का आभार व्यक्त किया है। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले और दूसरे चरण के मतदान के बाद मतदान केंद्रों के बाहर मतदाताओं का रूझान कांग्रेस के प्रति साफ दिख रहा है। भीषण गर्मी में लोग बदलाव करने के लिए घरों से निकल कर वोट डालने पोलिंग बूथ तक पहुंचे।

दीपक बैज ने दावा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में अभी तक हुए चारों लोकसभा सीटों पर कांग्रेस प्रचंड मतों से जीत रही है। उन्होंने राजनांदगांव से भूपेश बघेल, महासमुंद से ताम्रध्वज साहू और कांकेर से बीरेश ठाकुर के जीत का दावा किया। बैज ने कहा कि पहले और दूसरे चरण के बाद कांग्रेस का पूरा फोकस तीसरे चरण की सात सीटों पर है।

पीसीसी चीफ ने पीएम मोदी के कार्यकाल पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री बताएं कि उनके दो कार्यकाल पूरा होने के बाद भी उनके 2014 के वायदों का क्या हुआ? 100 दिन में महंगाई कम करने का वादे कर क्या हुआ? किसानों की आय दोगुनी का क्या हुआ? मोदी यह बताये 10 साल के बाद भी अपने समर्थन मूल्य गारंटी के लिये भारत का किसान दिल्ली की ओर कूच कर रहा है। युवाओं को 2 करोड़ रोजगार क्यों नहीं मिला, पेट्रोल डीजल के दाम 35 रुपये क्यों नहीं हुआ? हर के खाते में 15 लाख क्यों नहीं आया? 2022 तक हर आवासहीनों के मकान के वायदे का क्या हुआ, विदेशों से काला धन लाकर हर नागरिक के खाते में 15 लाख लाने के वादे का क्या हुआ? मोदी बताएं देश के महिलाओं को सुरक्षित वातावरण क्यों नहीं मिल रहा है? प्रधानमंत्री, कांग्रेस को कोसने के बजाय अपने 10 साल के वादों का हिसाब जनता को दे।

क्या, क्यों और कैसे हुई घटना इस बात की पूरी तरीके से होगी जांच: गृहमंत्री

रायपुर। बिरनपुर की घटना पर सीबीआई जाँच को लेकर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि देखिए दो चीजें हैं। घटना क्या हुई, आखिर घटना क्यों हुई और इसके साथ बात आगे कैसे बढ़ी, इसकी जांच होगी। प्रदेश में ऐसा दोबारा होना नहीं चाहिए। सीबीआई इस मामले में पूरी तरीक़े से जाँच करेगी।

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को राजनांदगाँव में रोके जाने को लेकर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि मैंने पता किया है। भूपेश बघेल अंदर जा रहे थे, और उनके साथ सौ और लोग भी अंदर जा रहे थे। इसलिए उन्हें आम लोगों ने पहले रोका। बीजेपी के लोग तो बाद में पहुंचे। उनकी आदत जुमला करने की है। अकेले जाएं ना, इतने लोगों को साथ क्यों जा रहे थे। कांग्रेस के आरोप पर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार पर तो हम पूरी बात करते हैं, महंगाई ज़्यादा है क्या?, अभी नियंत्रित है महंगाई, लेकिन इस तरह से बात कर के वह मुद्दों से भटकाना चाहते हैं। जब भी राम मंदिर की बात आती है, आलू महँगा हो जाता है।

नारायणपुर में कांग्रेस नेता की हत्या पर डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा कि यह बहुत दुखद है। जनता नक्सलियों के साथ बिल्कुल साथ नहीं है। इन हत्याओं के पीछे क्या मानसिकता है, पता लगाना चाहिए। नक्सलियों से बात लेने के लिए हम हमेशा तैयार हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में मतदान को लेकर डिप्टी सीएम ने कहा कि बहुत अच्छा मतदान हुआ है, अच्छी स्थिति है। राजनांदगाँव लोकसभा क्षेत्र से बीजेपी की जीत होगी, बाक़ी दो लोकसभा में भी बीजेपी आगे है।

रेलवे चला रहा पांच समर स्पेशल ट्रेन

रायपुर। दिल्ली, पुरी, मध्यप्रदेश और बिहार रूट पर पांच समर स्पेशल ट्रेन चलाई जाएंगी। यह गाडियां अलग-अलग स्टेशनों से शुरू होकर रायपुर के रास्ते जाएंगी। दरअसल, गर्मी के मौसम में एक्सप्रेस ट्रेनों में भारी भीड़ होने के कारण यात्रियों को कंफर्म बर्थ के लिए जद्दोजहद करना पड़ रहा है। एक-एक महीने पहले से अधिकांश ट्रेनों में वेटिंग के हालात है। रेलवे प्रशासन ने पीक सीजन में यात्रियों की दिक्कतों को ध्यान में रखकर पांच समर स्पेशल ट्रेन चलाने की घोषणा की है।

ये ट्रेनें दिल्ली, पुरी, मप्र और बिहार जाएंगी। इससे काफी हद तक यात्रियों को राहत मिलेगी। समर स्पेशल ट्रेनों में पुरी-निजामुद्दीन-पुरी समर स्पेशल 10 फेरों के लिए, दुर्ग-पटना समर स्पेशल तीन फेरों के लिए, दुर्ग-छपरा-दुर्ग समर स्पेशल तीन फेरों के लिए, जबलपुर-दुर्ग समर स्पेशल नौ फेरों के लिए और पुरी-उधना समर स्पेशल 17 फेरों के लिए दौड़ेंगी।

गर्मी की छुट्टी लगने के साथ ही ट्रेनों में बड़ी संख्या में यात्रियों की आवाजाही बढ़ रही। इसके कारण रायपुर समेत मंडल के सभी स्टेशनों में यात्रियों का दबाव बढ़ा है। यहीं कारण है कि रेलवे प्रशासन यात्री सुविधा मुहैया कराने में जुटा हुआ है।

रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार ट्रेन नंबर 08475/08476 पुरी-निज़ामुद्दीन-पुरी समर स्पेशल 10 फेरों के लिए चलेगी। ट्रेन नंबर 08475 पुरी-निज़ामुद्दीन, पुरी से 19 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक शुक्रवार को तथा और ट्रेन नंबर 08476 निज़ामुद्दीन-पुरी, निज़ामुद्दीन से 20 अप्रैल से 29 जून तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी।

इसी तरह ट्रेन नंबर 08793/08794 दुर्ग-पटना-दुर्ग समर स्पेशल तीन फेरों के लिए चलेगी। ट्रेन नंबर 08793 दुर्ग-पटना, दुर्ग से 19 अप्रैल से तीन मई तक प्रत्येक शुक्रवार को और ट्रेन नंबर 08794 पटना-दुर्ग, पटना से 20 अप्रैल से चार मई तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी।

ट्रेन नंबर 08795/08796 दुर्ग-छपरा-दुर्ग समर स्पेशल तीन फेरों के लिए ट्रेन नंबर 08795 दुर्ग-छपरा, दुर्ग से 15 अप्रैल से 29 अप्रैल तक प्रत्येक सोमवार को और ट्रेन नंबर 08796 छपरा-दुर्ग, छपरा से 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक प्रत्येक मंगलवार को और ट्रेन नंबर 01701/01702 जबलपुर-दुर्ग-जबलपुर समर स्पेशल नौ फेरों के लिए चलेगी।

ट्रेन नंबर 01701 जबलपुर-दुर्ग, जबलपुर से 22 अप्रैल से 17 जून तक प्रत्येक सोमवार को और ट्रेन नंबर 01702 दुर्ग-जबलपुर, दुर्ग से 23 अप्रैल से 18 जून तक प्रत्येक मंगलवार को चलेगी। ट्रेन नंबर 08471/08472 पुरी-उधना-पुरी समर स्पेशल 17 फेरों के लिए चलेगी।

ट्रेन नंबर 08471 पुरी-उधना, पुरी से 25 अप्रैल से 27 जून तक सोमवार व गुरुवार को और ट्रेन नंबर 08472 उधना-पुरी, उधना से 26 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को चलेगी।

भाजपा सरकार में साहस हो तो झीरम की भी सीबीआई जांच करवाये : शुक्ला

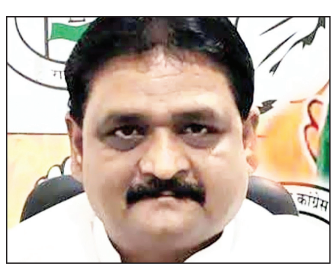

रायपुर। बीरनपुर और पीएससी मामले की सीबीआई जांच पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा को अपने पुलिस पर भरोसा नहीं है या अपने शासन प्रणाली पर भरोसा नहीं है जो सीबीआई जांच करवा रहे है। क्या पुलिस इस मामले की जांच करने में सक्षम नहीं है या साय सरकार का शासन तंत्र कमजोर है।

शुक्ला ने कहा कि जब सीबीआई जांच कराने की बात हो ही रही है। भाजपा में साहस हो तो वह झीरम मामले की सीबीआई जांच करवाये। एनआईए झीरम मामले पर किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची। भूपेश सरकार के द्वारा गठित एसआईटी को जांच नहीं करने दिया गया, न्यायिक जांच भी अधूरी है। ऐसे में झीरम मामले की भी सीबीआई जांच होनी चाहिये।

झीरम मामले की सीबीआई जांच क्यों जरूरी?

एनआईए की जांच में कुछ सामने नहीं आया। एनआईए ने भूपेश सरकार के द्वारा गठित एसआईटी को मामले की फाईल नहीं वापस किया था, इस कारण एसआईटी जांच शुरू नहीं कर पाई थी। एनआईए ने घटना के राजनैतिक षडयंत्रों की जांच नहीं किया था। न्यायिक आयोग की जांच भी लंबित है।

राज्य की एसआईटी जांच शुरू करें

सीबीआई से जांच नहीं करवा सकते तो राज्य के द्वारा गठित एसआईटी से जांच करवाया जाय। सुप्रीम कोर्ट ने एनआईए को राज्य की एसआईटी को फाईल वापस देने का निर्देश दिया है। सर्वोच्च न्यायालय के दिसंबर 2023 के फैसले के बाद एसआईटी की जांच का रास्ता खुल गया है। भाजपा सरकार झीरम मामले की जांच के लिये पूर्ववर्ती सरकार द्वारा गठित एसआईटी की जांच शुरू करवाये।

कांग्रेस सरकार ने बिरनपुर कांड में की एकतरफा कार्रवाई: अरुण साव

रायपुर। उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने बिरनपुर कांड की सीबीआई जांच पर कहा कि साहू समाज ने भुनेश्वर साहू की हत्या को गंभीरता से लिया है। तुष्टिकरण के कारण भुवनेश्वर साहू की हत्या हुई है। कांग्रेस की सरकार ने एकतरफा कार्रवाई की थी। बिरनपुर में हिंदू समाज को डराया और धमकाया गया। सीबीआई जांच के बाद अपराधी सामने आएंगे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने शनिवार को रायपुर निवास में पत्रकारों से चर्चा में बिरनपुर के साथ-साथ पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच पर कहा कि इससे युवाओं के साथ न्याय होगा। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले जेल जाएंगे।

वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के मतदान के दौरान मतदान केंद्र में भाजपा कार्यकर्ताओं के धक्का-मुक्की किए जाने के आरोप पर लगा कि राजनांदगांव में शुरू से ही बघेल को विरोध का सामना करना पड़ा है। उनके कार्यकर्ता ही विरोध कर रहे हैं। पोलिंग बूथ में भी उनको कांग्रेस कार्यकर्ताओं के विरोध का सामना करना पड़ रहा है, ये कांग्रेस के आपसी लड़ाई का मामला है। इससे भाजपा का कोई लेना-देना नहीं है।

उप मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही नक्सलियों के मुद्दे पर कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने नक्सलियों को कुछ हिस्से में समेट दिया था, लेकिन बघेल सरकार ने फिर से नक्सलियों को पोषित किया। कांग्रेस सरकार नक्सलियों की भाषा बोलती थी। लेकिन प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद नक्सलवाद के खिलाफ अभियान चला है। साय सरकार ने पिछले चार महीने में 90 नक्सलियों को मार गिराया है। 125 गिरफ्तार हुए हैं, और 200 से अधिक ने सरेंडर किया है।

तीसरे चरण के चुनावी तैयारियों पर अरुण साव ने कहा कि पहले और दूसरे चरण में भाजपा के पक्ष में मतदान हुआ है। मोदी को तीसरे बार प्रधानमंत्री बनाने जनता ने वोट किया है।

बिरनपुर हत्याकांड में सीबीआई ने शुरू की जांच, 12 आरोपियों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

रायपुर/बेमेतरा। सीबीआई ने छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले के बिरनपुर में हुए सांप्रदायिक हिंसा मामले में नये सिरे से जांच शुरू कर दी है। मामले में सीबीआई ने 12 आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया है। फिलहाल सभी आरोपी जेल में हैं। एफआईआर के बाद सीबीआई की टीम छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर आयेगी। यहां से बेमेतरा जिले के बिरनपुर के लिए रवाना होगी। इस केस में बीजेपी विधायक ईश्वर साहू के बेटे भुवनेश्वर साहू की सांप्रदायिक हिंसा में आठ अप्रैल को बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। इसके तीन दिन बाद 11 अप्रैल को बिरनपुर गांव के ही पिता-पुत्र रहीम मोहम्मद और ईदुल मोहम्मद की लाश मिली थी।

राज्य की विष्णुदेव साय सरकार ने 3 जनवरी 2024 कैबिनेट बैठक में इस मामले की सीबीआई से जांच कराने का निर्णय लिया था। राज्य सरकार की सहमति मिलने के बाद केन्द्र सरकार ने जांच के लिए अधिसूचना जारी कर यह मामला अब सीबीआई के सुपूर्द कर दिया है। केंद्र और राज्य में बीजेपी की सरकार होने से गंभीर प्रकृति के अपराधों की जांच-पड़ताल सीबीआई से कराने का रास्ता साफ हो गया है। इसके बाद सीबीआई में 12 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिरनपुर गांव में कबाड़ी के उकसावे पर 8 अप्रैल 2023 को बच्चों की लड़ाई से उपजे विवाद में मस्जिद में छुपने की कोशिश करने वाले भुवनेश्वर साहू को आरोपियों ने धारदार हथियार से हत्या कर दी थी।

सीबीआई ने इन 12 आरोपियों पर दर्ज की एफआईआर

1. नवाब खान पुत्र सैहतर खान, निवासी ग्राम शक्तिघाट बिरानपुर, थाना साजा, जिला। बेमेतरा, छत्तीसगढ़। 2. जलील खान पुत्र मकसुम खान, निवासी ग्राम शक्तिघाट बिरानपुर, थाना साजा, जिला। बेमेतरा, छत्तीसगढ़। 3. बसीर खान पुत्र बहाल खान, निवासी ग्राम शक्तिघाट बिरानपुर, थाना साजा, जिला। बेमेतरा, छत्तीसगढ़। 4. मुख्तार मो. रशीद पुत्र मो. निवासी ग्राम शक्तिघाट बिरानपुर, थाना साजा, जिला। बेमेतरा, छत्तीसगढ़। 5. सफीक मोहम्मद. पीला पुत्र मो. निवासी ग्राम शक्तिघाट बिरानपुर, थाना साजा, जिला। बेमेतरा, छत्तीसगढ़। 6. अब्दुल खान पुत्र अकबर खान, निवासी ग्राम शक्तिघाट बिरानपुर, थाना साजा, जिला। बेमेतरा, छत्तीसगढ़। 7. अकबर खान पुत्र रमजान खान, निवासी ग्राम शक्तिघाट बिरानपुर, थाना साजा, जिला। बेमेतरा, छत्तीसगढ़। 8. मो. जनाब पुत्र निज़ामुद्दीन खान, निवासी ग्राम शक्तिघाट बिरानपुर, थाना साजा, जिला। बेमेतरा, छत्तीसगढ़। 9. अयूब खान पुत्र सरदार खान, निवासी ग्राम शक्तिघाट बिरानपुर, थाना साजा, जिला। बेमेतरा, छत्तीसगढ़। 10. निज़ामुद्दीन पुत्र करमुद्दीन निवासी ग्राम शक्तिघाट बिरानपुर, थाना साजा, जिला। बेमेतरा, छत्तीसगढ़। 11. रशीद खान पुत्र बहाल खान, निवासी ग्राम शक्तिघाट बिरानपुर, थाना साजा, जिला। बेमेतरा, छत्तीसगढ़। 12. कल्लू खान पुत्र जमाल खान, निवासी ग्राम शक्तिघाट बिरानपुर, थाना साजा, जिला। बेमेतरा, छत्तीसगढ़।

इस घटना की सीबीआई जांच को लेकर प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि घटना क्या हुई और इसकी क्या वजह है, इसकी जांच होगी। घटना कैसे आगे बढ़ी, इसकी भी जांच की जाएगी। प्रदेश में ऐसी घटनाएं दोबारा होनी नहीं चाहिए। सीबीआई इस मामले में हर पहलू की पूरी तरह से जांच करेगी।

क्या था मामला

बेमेतरा जिले के साजा थाना क्षेत्र अंतर्गत 8 अप्रैल 2023 को बिरनपुर गांव में दो बच्चों के बीच विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ गया कि दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प में तब्दील हो गई। इसमें गांव के युवक भुवनेश्वर साहू की हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद विश्व हिन्दू परिषद ने 10 अप्रैल को छत्तीसगढ़ बंद का आव्हान किया था, जिससे यह मामला और गरमा गया। बिरनपुर गांव में आगजनी की भी घटना हुई। इस घटना के ठीक तीन दिन बाद 11 अप्रैल को बिरनपुर गांव के ही दो और लोगों के शव कोरवाय खार में मिले थे। उसी समय बिरनपुर हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग उठी थी। तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने इस मामले की सीबीआई जांच की मांग को खारिज करते हुए पुलिस से जांच का आश्वासन दिया था। भुवनेश्वर साहू हत्या में पहले से ही 12 आरोपी जेल में हैं।

हार की बौखलाहट में भाषा की मर्यादा भूलते राहुल गांधी

बिक्रम उपाध्याय

कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री पद के सबसे बड़े दावेदार राहुल गांधी ने सोलापुर (महाराष्ट्र) में भाषण देते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी डरा हुआ है। वह जानता हैं कि चुनाव उसके हाथ से फिसल रहा है। मोदी जब डरता है तो झूठ बोलता है। यह तू तकार की भाषा किसी प्रधानमंत्री के लिए सिर्फ राजनीतिक गरिमा गिराने वाली बात नहीं है, बल्कि खुद को सुप्रीम और दूसरों को तुच्छ समझने की मानसिकता भी है। राहुल गांधी को हिन्दी ठीक से आती है। वह पिछले 20 साल से हिन्दी प्रदेशों की राजनीति भी कर रहे हैं। भाषा की मर्यादा और लोकाचार का अब तक उनको ज्ञान हो जाना चाहिए। उनके सलाहकारों में मध्य प्रदेश के धुरंधर नेता दिग्विजय सिंह भी रहे हैं जो ओसामा बिन लादेन जैसे कुख्यात आतंकी को भी ओसामा जी कह कर बुलाते रहे हैं। फिर भी राहुल गांधी यदि शिष्टाचार का पालन नहीं करते तो दिक्कत कहीं और है। यह एक बार की बात नहीं है कि वह प्रधनमंत्री मोदी के प्रति अनादर की भाषा का उपयोग कर रहे हैं। अभी कुछ दिन पहले ही उन्होंने अपने एक भाषण में कहा था कि अगर भाजपा तीसरी बार निर्वाचित हुई तो भारत में आग लगा दी जाएगी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस पर सवाल किया कि क्या यह लोकतंत्र की भाषा है? लेकिन राहुल गांधी उसके बाद भी कहां रुके। विपक्ष द्वारा आयोजित रामलीला मैदान की रैली में राहुल गांधी ने कहा- पीएम मोदी ने चुनाव का मैच फिक्स कर दिया और चुनाव से पहले दो मुख्यमंत्रियों को जेल भेज दिया। गांधी परिवार क्या इस मानसिकता में जी रहा है कि उसका जन्म भारत पर शासन करने के लिए हुआ है। या फिर यह कि वह भारतीय संसद और प्रधानमंत्री पद से भी ऊपर है। सिर्फ पीएम मोदी के लिए ही राहुल गांधी ने असम्मान नहीं व्यक्त किया बल्कि यूपीए सरकार के दौरान भी उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर सार्वजनिक रूप से तब के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की कैबिनेट द्वारा पारित अध्यादेश को फाड़कर डस्टबिन में डाल दिया था। अपनी ही सरकार और प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को राहुल गांधी ने शर्मिंदा किया था। कांग्रेसियों के लिए आशा के सबसे बड़े केंद्र राहुल गांधी ने कई बार दिखाया है कि ना तो उनके मन में बड़ों के प्रति सम्मान है और न ही किसी संवैधानिक पद के प्रति उनके मन में भाषा की मर्यादा। उन्होंने संसद के भीतर भी आचरण में बदलाव नहीं किया। बार बार नरेंद्र मोदी का अपमान करने की आदत बना डाली। संसद के भीतर उन्होंने मोदी को निशाना बनाते हुए कहा था कि चौकीदार चोर है। राहुल गांधी मोहब्बत की दुकान खोलने और मोदी से नफरत नहीं करने का दावा तो करते हैं, लेकिन उनका व्यवहार हमेशा नफरती होता है। शायद उन्हें यह लगता है कि सिर्फ मोदी की वजह से वह भारत के प्रधानमंत्री नहीं बन सके हैं इसीलिए वह मोदी पर लगातार हमले करते रहते हैं। उन्हें कोसते हैं और उन उनके खिलाफ जहर उगलते हैं। राहुल गांधी का यह अपरिपक्व व्यवहार उनके ऊपर भी कुछ सवाल खड़े करता है जो खुद को उनका सलाहकार बताते हैं। राहुल गांधी के पास सहायकों और सलाहकारों की फौज है। फिर भी कोई उन्हें उचित सलाह नहीं दे पाता। तो क्या मोदी को नीचा दिखाने की ये तमाम घटनाएं कांग्रेस की नीति का हिस्सा हैं? क्या फिर सर्जिकल स्ट्राइक पर सवाल, डोकलाम घटना के दौरान गुप्त रूप से चीनी दूत से मुलाकात, राफेल सौदे के बहाने मोदी को चोर कहने का वाकया भी उसी रणनीति का हिस्सा रहे हैं? हालाँकि काँग्रेस में ही राहुल गांधी को अयोग्य मानते हुए कई वरिष्ठ नेता पार्टी छोड़ चुके हैं। वे यह आरोप भी लगा चुके हैं कि राहुल उन्हीं को पसंद करते हैं, जो उनकी चमचागीरी करते हैं या उनकी नकारात्मक राजनीति में उनका साथ देते हैं। राहुल गांधी सरकार की नीतियों का पूरा अध्ययन नहीं करते और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बचकाना बयान देते हैं। विगत कुछ वर्षों से गांधी-नेहरु परिवार अपना राजनीतिक आकर्षण खो रहा है। इसलिए अब यह परिवार मोदी से असहमत मतदाताओं के साथ एकजुट होने की आखिरी कोशिश में है। शायद इसीलिए राहुल गांधी घोर हताशा में असंसदीय भाषा का सहारा ले रहे हैं। नरेंद्र मोदी के खिलाफ ऐसी अभद्र और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करके संभवतः वो अपने मुस्लिम मतदाताओं को खुश करना चाहते हैं लेकिन यहां यह ध्यान रखने की जरूरत है कि हर क्रिया की प्रतिक्रिया भी होती है। अगर मोदी के खिलाफ अभद्र भाषा से राहुल के मुस्लिम समर्थक खुश होते हैं तो मोदी के हिन्दू समर्थक अपने नेता के पीछे एकजुट भी होते हैं।

ईवीएम पर अराजकता फैलाने की कोशिश नाकाम

अजय सेतिया

सुप्रीमकोर्ट की दो जजों की बेंच ने बैलट बॉक्स के जरिए चुनाव करवाने या सभी बूथों पर वीवीपेट (वोटर वेरिफिकेशन पेपर ऑडिट ट्रेल) लगा कर सभी वीवीपेट पर्चियों की गिनती करवाने की दोनों याचिकाएं खारिज कर दी हैं। याचिका में मांग की गई थी कि वीवीपेट की पर्ची वोटर को उसके हाथ में थमानी चाहिए, जिसे वह बैलट बॉक्स में डाले। सुप्रीमकोर्ट ने सभी बूथों पर वीवीपेट लगाने और पर्ची वोटर को थमाने की मांग भी ठुकरा दी।

आज जो भारतीय जनता पार्टी वोटिंग मशीनों की जोरदार वकालत करती दिखाई देती है, उसने भी 2009 का चुनाव हारने के बाद वोटिंग मशीनों पर सवाल उठाए थे। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस 2014 का चुनाव हारने के बाद लगातार वोटिंग मशीनों से चुनाव पर सवाल उठाती रही है।

हालांकि सुप्रीमकोर्ट के फैसलों और राजनीतिक दलों की मांग पर 2014 में पहली बार आठ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में वीवीपेट भी लगाई गई थी, जिसने ईवीएम मशीनों के सुरक्षित होने की पुष्टि की थी। इसके बाद वीवीपेट को हर विधानसभा क्षेत्र के चार बूथों पर लगाया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक मशीनों की निर्माता कंपनियों इलेक्ट्रॉनिक कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड हैदराबाद और भारत इलेक्ट्रॉनिक लिमिटेड बेंगलुरु ने बार बार कहा है कि उनकी बनाई इलेक्ट्रॉनिक मशीने पूरी तरह विश्वसनीय और सुरक्षित हैं।

चुनाव आयोग और निर्माता कंपनियां हर आशंका का निवारण करती रही, जैसे मशीनों को न हैक किया जा सकता है, न उनमें कोई छेड़छाड़ की जा सकती है। ईवीएम में रेडियो फ्रिक्वेंसी ट्रांसमिशन डिवाईस की कोई सुविधा नहीं है कि कोई गड़बड़ी की जा सके। इसके बावजूद विभिन्न राजनीतिक दल इस पर सवाल उठाते रहे।

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों का ट्रायल अस्सी के दशक में शुरू हो गया था, जिसका इस्तेमाल सबसे पहले 1982 में केरल की परूर विधानसभा सीट पर 50 मतदान केन्द्रों पर हुआ था। इस पर जब कई कानूनी सवाल उठाए गए तो सुप्रीमकोर्ट ने उस चुनाव को खारिज कर दिया था। 1989 में संसद से जन प्रतिनिधित्व क़ानून में संशोधन करके ईवीएम के इस्तेमाल का रास्ता खोला गया। 1993 में खुद कांग्रेस सरकार ने नोटिफिकेशन जारी किया। इसके बाद भी 1998 में ईवीएम पर राजनीतिक सहमति बनी, तब मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ की 25 विधानसभा सीटों पर पहली बार ईवीएम का इस्तेमाल हुआ था।

2014 के बाद से विपक्षी दल, खासकर कांग्रेस वोटिंग मशीनों के जरिए चुनाव करवाने की प्रक्रिया बंद करके बैलट बॉक्स से चुनाव करवाने की पुरानी प्रक्रिया शुरू करने की मांग कर रहे हैं। कांग्रेस ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को इस मुद्दे पर राजनीतिक और कानूनी लड़ाई लड़ने का जिम्मा सौंपा हुआ था। इंडी एलायंस बनने के बाद दिल्ली में शरद पवार के घर पर हुई कोर कमेटी की बैठक में दिग्विजय सिंह की रहनुमाई में एक कमेटी बनी थी, जिसने चुनाव आयोग से मुलाक़ात कर अपनी आशंकाएं एक बार फिर उठाने का फैसला किया था। लेकिन चुनाव आयोग ने उन्हें मिलने का वक्त नहीं दिया तो विपक्ष ने इसे एक राजनीतिक मुद्दा बना लिया था।

सुप्रीमकोर्ट में दो तरह की याचिकाएं दाखिल की गई थीं। एक याचिका तो यह थी कि वोटिंग मशीनों का इस्तेमाल ही बंद किया जाए और दुबारा बैलट बॉक्स के जमाने में लौटा जाए, जैसे अभी भी अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपियन देशों में चुनाव होते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि दुनिया भर के देशों में ईवीएम से चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है, कई देशों में इसे प्रयोग के तौर पर शुरू किया गया है।

सुप्रीमकोर्ट में ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल सिर्फ राजनीतिक दल ही नहीं, बल्कि एडीआर जैसे एनजीओ संगठन भी उठा रहे हैं। एडीआर ने ही अपनी याचिका में सभी वोटिंग मशीनों के साथ वीवीपेट लगा कर उनसे निकली पर्चियों की गिनती भी करने की मांग की थी। सुप्रीमकोर्ट ने दोनों याचिकाएं तो खारिज कर दीं, लेकिन विपक्ष की आशंकाओं को दूर करने के लिए चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हर विधानसभा क्षेत्र के 5 प्रतिशत बूथों पर वीवीपेट मशीनें लगाई जाएँगी। पहली मई 2024 के बाद वीवीपेट मशीनों पर चुनाव निशान लोडिंग यूनिट्स को जस का तस सुरक्षित रखा जाएगा, जिन पर उम्मीदवार या उनका प्रतिनिधि दस्तखत करेगा।

साथ ही, चुनाव नतीजा घोषित होने के 45 दिन बाद तक वोटिंग मशीनों और वीवीपेट के चुनाव निशान लोडिंग यूनिट को सुरक्षित रखा जाएगा। ताकि अगर सबसे ज्यादा वोट हासिल करने वाले पहले तीन उम्मीदवारों में कोई उम्मीदवार सात दिन के भीतर चुनौती देता है, तो ईवीएम मशीन की निर्माता कंपनी के इंजीनियर उन मशीनों की जांच कर सकें। जांच का सारा खर्चा शिकायतकर्ता उम्मीदवार को उठाना होगा, लेकिन अगर उसकी शिकायत सही पाई गई तो खर्चा उसे लौटा दिया जाएगा।

जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता ने 18 अप्रेल को सुनवाई पूरी कर ली थी, लेकिन इन दोनों जजों ने चुनाव आयोग से कुछ तकनीकी सवाल पूछे थे, उनका जवाबी मिलने के बाद 26 अप्रेल को फैसला सुना दिया। क्योंकि 45 दिन तक डाटा सीलबंद सुरक्षित रखने का निर्देश दिया गया है इसका मतलब यह हुआ कि पहले दो चरणों में हुई वोटिंग वाले क्षेत्रों पर चुनाव आयोग का फैसला लागू नहीं हो सकता। सुप्रीमकोर्ट ने वोटिंग मशीन और वीवीपेट पर चुनाव निशान के साथ बारकोड जोड़ने की संभावना पर विचार करने को कहा है।

जस्टिस दत्ता ने अपने अलग से लिखे फैसले में बिना किसी राजनीतिक दल का नाम लिए कहा कि आँख मूंद कर चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाना सही नहीं है, इससे बिना वजह अनुचित संदेह पैदा हो सकता है। कोई ठोस सबूत हो, तभी सवाल उठाए जाने चाहिए। जस्टिस दत्ता ने रचनात्मक सोच की बात भी कही है। जबकि सुनवाई के दौरान एडीआर के वकील प्रशांत भूषण ने अपनी दलीलों के दौरान भारत की चुनाव प्रणाली को ही सवालों के घेरे में खड़ा करने की कोशिश की। समाज के एक वर्ग में यह धारणा बन रही थी कि वोटिंग मशीनों पर सवाल उठा कर देश में अराजकता फैलाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि सुप्रीमकोर्ट ने अपनी जजमेंट में ऐसी आशंका तो पैदा नहीं की, लेकिन जस्टिस दत्ता की टिप्पणी उसी ओर इशारा करती है।

इलेक्ट्रोनिक वोटिंग मशीनों के जरिए चुनावों को लेकर 2014 से ही सवाल उठा रही कांग्रेस इस बीच मध्यप्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश जैसे कई राज्यों में विधानसभा चुनाव जीती, आम आदमी पार्टी भी इन्हीं वोटिंग मशीनों के जरिए हुए मतदान में पंजाब और दो बार दिल्ली में भारी बहुमत से विधानसभा चुनाव जीती है।

इसके बावजूद चुनाव आयोग को चुनौती देते हुए आम आदमी पार्टी ने एक बार दिल्ली विधानसभा में वोटिंग मशीनों में गड़बड़ी की आशंकाओं का प्रदर्शन किया, जिसमें एक डुप्लीकेट वोटिंग मशीन का इस्तेमाल किया गया था। उसके बाद जब चुनाव आयोग ने दिल्ली विधानसभा में डुप्लीकेट मशीन से गड़बड़ी की आशंका दिखाने वाले विधायक (जो अब मंत्री हैं) सौरभ भारद्वाज को आयोग में बुला कर प्रदर्शन करने की चुनौती दी थी, तो वह आयोग के सामने पेश नहीं हुए थे। जो दूसरे दलों के नेता, वकील और इंजीनियर आयोग के सामने पेश हुए, वे ईवीएम में किसी भी गड़बड़ी का प्रदर्शन नहीं कर पाए थे।

चुनाव आयोग ने समय समय पर विपक्ष को बुला कर उनकी आशंकाओं का समाधान करने की कोशिश भी की। लेकिन यह मामला बार बार अदालतों में जाता रहा। समय समय पर कुछ सुधार भी किए गए, जैसे मशीनों के साथ वीवीपेट जोड़े गए, जहां से एक पर्ची निकलती थी, जिससे पता चलता था कि वोट किसे दिया गया। हर निर्वाचन क्षेत्र के कुछ बूथों पर इन मशीनों को लगाया जाने लगा। चुनाव आयोग ने समय समय पर इन वीवीपेट पर्चियों का मशीन के नतीजे से मिलान करके भी देखा। चुनाव आयोग को कोई खामी कहीं नहीं मिली। पिछले लोकसभा चुनाव में चुनाव आयोग ने 4 करोड़ वीवीपेट पर्चियों का मिलान किया, उसे कहीं कोई खामी नहीं मिली थी।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगकुण्डल्युपनिषद् (भाग-7)

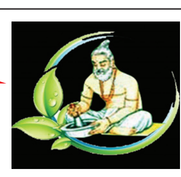

गतांक से आगे...

जहाँ गुल्फ (टखना) रखा जाता है, उसके समीपस्थ कन्द को दबाते हुए, पेट को ऊपर की ओर खींचते हुए, गला एवं हृदय को भी तनाव देते हुए खींचना चाहिए, इस प्रकार प्राण धीरे-धीरे पेट की सन्धियों में प्रवेश कर जाता है, इससे पेट के समस्त विकार दूर हो जाते हैं। इसलिए इस क्रिया को निरन्तर करते रहना चाहिए। पूरक के अन्त में वायु को रोकने के लिए कण्ठ संकोचन क्रिया करते हैं, जिसे जालन्धर बन्ध कहते हैं।

मूलबन्ध के द्वारा अधोभाग में गुदा का संकोचन करके कण्ठ संकोचन अर्थात् जालन्धर बन्ध करे, बीच में (पेट में) उड्डियान बन्ध के द्वारा प्राण वायु को खींचना चाहिए। इस तरह प्राण को सब ओर से रोकने से वह सुषुम्ना नाड़ी में प्रवेश करके ऊर्ध्वगामी होता है।

पूर्व में बतायी गयी विधि से ठीक तरह से आसन पर बैठकर सरस्वती चालन के द्वारा प्राणों का निरोध करना चाहिए। चारों प्रकार के कुम्भक को पहले दिन दस-दस बार किया जाता है, दूसरे दिन पन्द्रह-पन्द्रह बार कुम्भक करे।

प्राणायाम के क्रम में तीसरे दिन बीस-बीस बार अभ्यास करे। इस प्रकार प्रतिदिन पाँच-पाँच संख्या में बढ़ाता चले। कुम्भक का अभ्यास तीनों बन्धों के साथ प्रतिदिन करना चाहिए।

दिन में सोना, रात्रि का जागरण, अतिमैथुन, मल एवं मूत्र के वेग को रोकना, ज्यादा चलना, आसनों का उचित ढंग से अभ्यास न करना, प्राणायाम की क्रिया में बहुत शक्ति लगाना तथा चिन्तित रहना-इन दोषों के कारण साधक शीघ्र रोगी हो जाता है। मुझे योगाभ्यास के द्वारा रोग हो गया है, यदि कोई साधक यह कहकर अभ्यास बन्द कर दे, तो समझना चाहिए कि योगाभ्यास का यह पहला विघ्न है।

क्रमशः ...

जीवन में कभी युद्ध ना हारने वाले महायोद्धा बाजीराव पेशवा

दीपक कुमार त्यागी

पेशवा बाजीराव बल्लाल का जन्म 18 अगस्त सन् 1700 को चित्ताबन कुल के ब्राह्मण परिवार में पिता बालाजी विश्वनाथ और माता राधाबाई के घर में हुआ था। हर-हर महादेव के युद्धघोष के साथ देश में अटक से लेकर कटक तक केसरिया ध्वज लहरा कर हिन्दू स्वराज लाने का जो सपना वीर छत्रपति शिवाजी महाराज ने देखा था, उसको काफी हद तक मराठा साम्राज्य के चौथे पेशवा या प्रधानमंत्री वीर बाजीराव प्रथम ने पूरा किया था। जिस वीर महायोद्धा बाजीराव पेशवा प्रथम के नाम से अंग्रेज शासक थर-थर कांपते थे, मुगल शासक बाजीराव से इतना डरते थे कि उनसे मिलने तक से भी घबराते थे। हिंदुस्तान के इतिहास में पेशवा बाजीराव प्रथम ही अकेले ऐसे महावीर महायोद्धा थे, जिन्होंने अपने जीवन काल में 41 युद्ध लड़े और एक भी युद्ध नहीं हारा, साथ ही वीर महाराणा प्रताप और वीर छत्रपति शिवाजी के बाद बाजीराव पेशवा प्रथम का ही नाम आता है जिन्होंने मुगलों से बहुत लंबे समय तक लगातार लोहा लिया था।

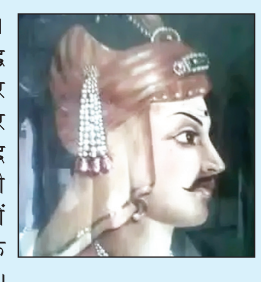

पेशवा बाजीराव बल्लाल भट्ट एक ऐसे महान योद्धा थे। जिन्होंने निजाम, मोहम्मद बंगश से लेकर मुगलों, अंग्रेजों और पुर्तगालियों तक को युद्ध के मैदान में कई-कई बार करारी शिकस्त दी थी, बाजीराव पेशवा के समय में महाराष्ट्र, गुजरात, मालवा, बुंदेलखंड सहित 70 से 80 प्रतिशत भारत पर उनका शासन था। ऐसा रिकॉर्ड वीर छत्रपति शिवाजी तक के नाम पर भी नहीं है। वह जब तक जीवित रहे हमेशा अजेय रहे, उनको कभी भी कोई हरा नहीं पाया।

हालांकि इस महावीर अजेय योद्धा के साथ हमारे देश के इतिहासकारों ने कभी न्याय नहीं किया, उन्होंने एक महान योद्धा को हमेशा गुमनाम नायक बनकर ही रहने दिया, बाजीराव को इतिहास ने उनका तय सम्मान कभी नहीं दिया, देश में फिल्म बाजीराव मस्तानी आने तक तो उनके बारे में बहुत ही कम लोग जानते थे, अधिकांश लोगों ने उसके बाद ही इस महान योद्धा के बारे में जाना और समझा। उस समय जनता के बीच अपराजित हिन्दू सेनानी सम्राट के नाम से प्रसिद्ध इस महान सेनानायक पेशवा बाजीराव प्रथम की आज 28 अप्रैल को पुण्यतिथि है। बाजीराव पेशवा को लोग बाजीराव बल्लाल भट्ट और थोरले बाजीराव के नाम से भी जानते थे। छत्रपति शिवाजी के बाद वह गुरिल्ला युद्ध तकनीक के सबसे बड़े प्रतिपादक थे। उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व, व्यूह रचना एवं कारगर रणकौशल के बलबूते पर मराठा साम्राज्य का देश में बहुत तेजी से सबसे अधिक विस्तार किया था। बाजीराव के समय में भारत की जनता मुगलों के साथ-साथ अंग्रेजों व पुर्तगालियों के अत्याचारों से त्रस्त हो चुकी थी। यह आक्रांता भारत के देवस्थान मंदिरों को तोड़ते, जबरन धर्म परिवर्तन करते, महिलाओं व बच्चों को मारते व उनका भयंकर शोषण करते थे। ऐसे में बाजीराव पेशवा ने उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक ऐसी विजय पताका फहराई कि चारों ओर उनके नाम का डंका बजने लगा। उनकी वीरता को देखकर लोग उन्हें शिवाजी का साक्षात अवतार मानने लगे थे।

पश्चिम एशिया संकट का भारत पर प्रभाव

अनिल त्रिगुणायत

बीते साल अक्तूबर की शुरुआत से पश्चिम एशिया में जो संकट चला आ रहा है, उसमें सुधार के कोई संकेत नहीं हैं। पिछले दिनों इस्राइल और ईरान के बीच युद्ध की स्थिति बन गयी थी। गाजा में इस्राइल की कार्रवाई जारी है। दक्षिणी लेबनान और उससे सटे इस्राइली इलाके भी हिज्बुल्लाह और इस्राइल की बमबारी की चपेट में हैं। लाल सागर में यमन के हूथी लड़ाकों द्वारा अमेरिका, ब्रिटेन, इस्राइल समेत कुछ देशों के जहाजों के आवागमन पर लगायी गयी रोक भी बरकरार है।

वहां भी एक-दूसरे पर मिसाइलों और ड्रोनों से हमले हो रहे हैं तथा लाल सागर से जहाजों के आने-जाने में बड़ी मुश्किल हो रही है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के कारण इस्राइल और ईरान की तनातनी युद्ध में नहीं बदल सकी, लेकिन पश्चिम एशिया में मौजूदा हालात को देखते हुए क्षेत्रीय युद्ध की आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता है। जब तक इस्राइल और हमास की लड़ाई नहीं रुकती है तथा फिलिस्तीन के मसले का ठोस समाधान नहीं होता है, तब तक इस तरह की स्थितियां वहां बनती रहेंगी। यदि इस्राइल और ईरान के बीच लड़ाई होती है, तो इसकी चपेट में समूचा पश्चिम एशिया होगा। वैसे में इसका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ेगा।

दुनिया के तेल और गैस के लगभग 50-60 प्रतिशत भंडार पश्चिम एशिया में हैं। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशियाई देशों से होने वाले आयात पर निर्भर है। हालांकि अभी रूस से भी हम बहुत खरीद कर रहे हैं, लेकिन उस पर भी आर्थिक पाबंदियों का असर है। साथ ही, रूस से होने वाला आयात का एक हिस्सा भी अरब सागर से होकर आता है, जो लड़ाई की स्थिति में प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा भी कुछ कारक हैं, जो रूसी आयात पर असर डाल सकते हैं।

इसलिए पश्चिम एशिया से होने वाला तेल और गैस का परंपरागत आयात हमारी ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। अरब सागर में उथल-पुथल से भारत के आयात और निर्यात को भी बड़ा नुकसान हो सकता है क्योंकि यह हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। एक बात और संज्ञान में आयी है कि जब से लाल सागर में हूथी हमले शुरू हुए हैं, तब से समुद्री लुटेरों की गतिविधियों में भी तेजी आयी है। हिंद महासागर में व्यावसायिक समुद्री जहाजों की रक्षा के लिए भारत ने दस नौसैनिक युद्धपोतों को तैनात किया है। हमारी नौसेना केवल भारत से जाने या यहां आने वाले जहाजों को ही नहीं, बल्कि इस समुद्री मार्ग का उपयोग कर रहे सभी जहाजों को सुरक्षा मुहैया करा रही है। विभिन्न कार्रवाइयों में कई लुटेरे पकड़े भी गये हैं, जिन पर भारत में मुकदमा भी चलाया जा रहा है।

जब तक संबद्ध पक्षों, विशेषकर इस्राइल के नेतृत्व, की समझ में बात नहीं आयेगी कि यह तनाव और उसके नतीजे सभी के लिए नुकसानदेह साबित हो रहे हैं, तब तक कोई उम्मीद नहीं रखी जा सकती है। इस्राइल चाहता है कि वह हमास को पूरी तरह खत्म कर दे। ऐसा होता हुआ दिख नहीं रहा है। लगभग सात महीने की मौजूदा लड़ाई के बाद इस्राइल की अर्थव्यवस्था पर बुरा असर पड़ा है और वह आज पूरी तरह अमेरिका के ऊपर निर्भर है।

मध्य-पूर्व के अन्य देशों में भी एक आंतरिक बेचैनी है। वे भी चाहते हैं कि शांति और स्थिरता बहाल हो। लेकिन, जैसा मैंने पहले कहा, जरूरी यह है कि इस्राइल समझे कि फिलिस्तीन के मसले का समाधान होना चाहिए। पश्चिम एशिया के विभिन्न देशों में हमारे देश के नब्बे लाख से अधिक लोग रहते हैं, जो बड़ी मात्रा में अपनी कमाई भारत भेजते हैं। उनकी सुरक्षा भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण विषय है। युद्ध की स्थिति में उन्हें सुरक्षित बाहर निकालना असंभव सी बात होगी। लीबिया के गृहयुद्ध के दौरान वहां से भारतीयों को निकालने के अपने अनुभव के आधार पर मैं कह सकता हूं कि लाख-डेढ़ लाख लोगों को तो निकाला जा सकता है, पर इतनी बड़ी तादाद के लिए तुरंत व्यवस्था कर पाना बेहद मुश्किल होगा। इस तरह, हमारे लिए दोहरी चुनौती है- एक, हमारे आर्थिक हित और दो, खाड़ी देशों में कार्यरत हमारे लोग।

सामुद्रिक सुरक्षा मुहैया कराने में आज भारत अग्रणी देश के रूप में सामने आया है। पश्चिम एशिया में जो झगड़े हैं, उनके बारे में भारत की हमेशा से यह राय रही है कि आपसी बातचीत और कूटनीति से उनका शांतिपूर्ण समाधान होना चाहिए। लेकिन मेरा मानना है कि अब भारत को थोड़ा आगे आकर अपनी भूमिका निभाने की आवश्यकता है। यह महत्वपूर्ण है कि पश्चिम एशिया के सभी देश, चाहे इस्राइल हो, ईरान हो, फिलिस्तीन हो या खाड़ी के देश हों, भारत को सम्मान की दृष्टि से देखते हैं और उसे एक अच्छा दोस्त मानते हैं। उनकी भी भारत से अधिक योगदान की अपेक्षा है।

देखें, हम जो भी करेंगे, जरूरी नहीं है कि उसमें सफलता मिल जाए, लेकिन जब हम कूटनीति और संवाद की बात करते हैं, तो क्यों नहीं हम कुछ और सक्रिय होकर ऐसी स्थिति पैदा करने में मददगार बनें, जिससे शांति प्रक्रिया को एक आधार मिले। यह मेरी राय है, बाकी सरकार अच्छी तरह से समझती है कि उसकी क्या भूमिका हो सकती है या क्या होनी चाहिए। हमारे लिए पश्चिम एशिया बहुत महत्वपूर्ण है। वहां स्थिति बिगड़ती है, तो ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होगी। हालांकि कुछ समय से हमारे देश में तेल और गैस के दामों में स्थिरता रही है, पर मुद्रास्फीति की चिंताएं बनी हुई हैं, जैसा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने भी रेखांकित किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में अगर भाव बढ़ेंगे, तो हमारे ऊपर भी दबाव बढ़ेगा।

फिर प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और उनकी कमाई का अहम मसला भी है। इसके साथ ही, सामुद्रिक वाणिज्य का प्रश्न भी है। ये सभी मुद्दे हमारे लिए स्थायी चिंता के विषय हैं। इसीलिए, मेरा आग्रह है कि भारत को अपने हितों, पश्चिम एशिया में शांति एवं स्थायित्व तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था को देखते हुए वर्तमान स्थिति में सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। जैसा कि मैंने पहले कहा, पश्चिम एशिया में भारत की बहुत अच्छी साख है। अगर हम कुछ कहेंगे, तो उसे ध्यान से सुना जायेगा। ऐसी कोशिशों का भविष्य जो हो, पर इतना तो तय है कि इससे वैश्विक मंच पर, विशेषकर पश्चिम एशिया में, भारत का प्रभाव बढ़ेगा। ऐसी आशा रखनी चाहिए और कोशिश की जानी चाहिए कि तनाव एक सीमा से आगे न बढ़े, पर ऐसी आशाएं अक्सर टूट जाती हैं।

आज का इतिहास

1932 इंसानों के लिए पीत ज्वर का टीका विकसित करने की घोषणा की गई।

1935 रूस की राजधानी मॉस्को में भूमिगत मेट्रो ट्रेन की शुरुआत हुई।

1944 द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, व्यायाम टाइगर, नॉर्मंडी के आक्रमण के लिए बड़े पैमाने पर पूर्वाभ्यास, जर्मन एस-बोट्स ने मित्र देशों के काफिले पर हमला किया, जिसमें 946 अमेरिकी सैनिक मारे गए।

1949 फिलीपींस की पूर्व प्रथम महिला अरोरा क्यूज़ोन, उनके पोते, और दस बायस्टैंडरों की हत्या फिलीपीन कम्युनिस्ट पार्टी के सैन्य दल ने की थी।

1952 जापान और चीन गणराज्य ने ताईपे की संधि पर हस्ताक्षर किए तात्कालिक रूप से द्वितीय चीन-जापानी युद्ध को समाप्त करने के लिए, लड़ने के सात साल बाद द्वितीय विश्व युद्ध के कारण संघर्ष समाप्त हो गया।

1952 जापान और चीन ने द्वितीय चीन-जापानी युद्ध को आधिकारिक रूप से समाप्त करने के लिए ताइपे की संधि पर हस्ताक्षर किए, द्वितीय विश्व युद्ध के कारण उस संघर्ष में लड़ने के सात साल बाद।

1965 डोमिनिकन गृह युद्ध शुरू होने के चार दिन बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका ने देश पर आक्रमण किया, जिसका लक्ष्य लिंडन जॉनसन ने संभावित दूसरी क्यूबाई क्रांति के रूप में देखा।

1975 दक्षिण वियतनामी सेना के प्रमुख काओ वान विओक, साइगॉन में उत्तरी वियतनामी बंद होने के कारण भाग गए।

1993 कार्लो चैंपियन पूर्व कम्युनिस्टों के साथ इतालवी सरकार बनाती है।

1993 लैम्बविले, गैबॉन में ज़ाम्बियन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है, 30 फुटबॉल खिलाड़ी मर जाते हैं।

1994 पूर्व सीआईए प्रतिवाद अधिकारी और विश्लेषक एल्ड्रिच एम्सलेड ने सोवियत संघ और बाद में रूस को अमेरिकी रहस्य बताने के लिए दोषी ठहराया।

1995 दक्षिण कोरिया में मेट्रो में गैस विस्फोट होने से 103 लोगों की मौत।

1995 दक्षिण कोरियाई मेट्रो में गैस विस्फोट, 103 की मौत

2001 अमेरिकी बिजनेसमैन डेनिस एंथनी पहले अंतरिक्ष पर्यटक बने।

2001 डेनिस टीटो दुनिया का पहला शुल्क देने वाला अंतरिक्ष पर्यटक बन गया, जिसने रूसी सोयूज टीएम -32 अंतरिक्ष यान को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष यान में सवारी की।

राजस्थान के रण में जीत भी मोदी की, हार भी मोदी की

समीर चौगांवकर

2024 लोकसभा चुनाव के लिए दो चरणों में 190 सीटों के लिए मतदान संपन्न हो चुका है। देखा जाए तो दो चरण के बाद कुल लोकसभा सीटों की 35 प्रतिशत सीटों पर मतदान हो गया है जिसमें केरल, तमिलनाडु, उत्तराखंड और राजस्थान राज्यों की सभी सीटों पर मतदान पूरा हो चुका है। 370 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही भाजपा को तमिलनाडु और केरल से भले ही बहुत अधिक उम्मीद न हो लेकिन राजस्थान में उसने 25 की 25 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा था। लेकिन मतदान पूरा हो जाने के बाद राजस्थान से जो समाचार आ रहे हैं वह निश्चित रूप से भाजपा के लिए राहत देने वाले नहीं है।

26 अप्रैल को राजस्थान में दूसरे चरण की 13 सीटों पर शाम 6 बजे तक 64.56 फीसदी मतदान हुआ। इस लिहाज से राजस्थान के दूसरे चरण में पहले चरण से ज्यादा मतदान हुआ है। पहले चरण में राजस्थान में 12 सीटों पर 57.87 फीसदी मतदान हुआ था और दोनो चरणों को मिलाकर कुल 61.60 प्रतिशत मतदान हुआ है। पिछले दो चुनाव 2014 और 2019 में भाजपा ने राजस्थान की सभी 25 सीटें जीत ली थी। भाजपा को कुछ माह पूर्व हुए विधानसभा चुनाव में अच्छे प्रदर्शन के बाद उम्मीद थी कि 2024 के लोकसभा चुनाव में वह तीसरी बार लगातार सभी 25 सीटें जीत जाएगी लेकिन हकीकत में ऐसा होता दिख नहीं रहा है। टिकट वितरण में केन्द्र की मर्जी, वसुंधरा राजे जैसे प्रदेश के नेताओं को पूरी तरह नजरअंदाज करना और जातिगत समीकरण और स्थानीय नेताओं की आपसी खींचतान के बीच हुए मतदान के बाद भाजपा के लिए 4 से 5 सीटों पर कड़ी चुनौती दिख रही है। भाजपा के लिए इस बार राजस्थान में सभी 25 सीटें जीतना लगभग असंभव नजर आ रहा है। राजस्थान में दो चरणों में हुए कम मतदान ने भी भाजपा की चिंता बढ़ा दी है। इस बार राजस्थान में मोदी मैजिक नहीं, जातियां निर्णायक भूमिका निभा रही हैं। राजस्थान की सबसे चर्चित सीट बाड़मेर जहां से निर्दलीय विधायक रवीन्द्र सिंह भाटी निर्दलीय मैदान में थे। भाटी के मैदान में आने से बाड़मेर का चुनाव जाट बनाम अन्य जातियों का चुनाव बन गया। इस सीट से रवीन्द्र सिंह भाटी निर्दलीय होते हुए भी जीत के दावेदार बन चुके हैं।

राजस्थान में इस बार राजपूत, जाट और दलित समाज ने उस तरह भाजपा को पूरा समर्थन नहीं दिया है जैसा पिछले दो लोकसभा चुनावों में मिलता रहा है। पहले चरण की झुंझुनू, चुरू, सीकर, नागौर और दौसा जैसी सीटों पर भाजपा को जातिगत समीकरणों और दलबदलुओं के कारण कड़ी चुनौती मिल रही है। चुरू में भाजपा के सांसद रहे राहुल कस्वां ने टिकट कटने पर कांग्रेस से मैदान में उतरकर भाजपा के उम्मीदवार पैराओलंपियन देवेन्द्र झाझड़िया को मुश्किल में डाल दिया है। नागौर में 2019 में हनुमान बेनीवाल ने भाजपा के साथ गठबंधन में कांग्रेस उम्मीदवार ज्योति मिर्धा को हराया था। इस बार मामला उलट गया और हनुमान बेनीवाल कांग्रेस के समर्थन से तो ज्योति मिर्धा भाजपा के टिकट से चुनावी मैदान में थे। राजस्थान में संगठन के स्तर पर भी भाजपा का प्रदर्शन बेहद कमजोर नजर आया। विधानसभा चुनाव के तुरंत बाद और लोकसभा चुनाव के तीन महीने पहले ही प्रदेश संगठन महामंत्री

चंद्रशेखर का तबादला तेलंगाना कर दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी अपनी सीट चित्तौड़गढ़ में बुरी तरह उलझ गए थे जिसके कारण वह प्रदेश में ध्यान नहीं दे सके। प्रदेश विधानसभा चुनाव से वसुधंरा राजे को नजरअंदाज करने का शुरू हुआ सिलसिला लोकसभा चुनाव में भी जारी रहा और वसुंधरा ने अपने बेटे की सीट झालावाड़ तक अपने आप को सीमित कर लिया था।

भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व को भरोसा था कि मुख्यमंत्री भजनलाल ब्राह्मण मतदाताओं को, दीया कुमारी राजपूत मतदाताओं को और उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा दलित आदिवासी को साध लेंगे, लेकिन ऐसा करने में तीनों असफल रहे। पिछले दो लोकसभा चुनाव मे राजस्थान की 25 में से 22 सीटों पर जीत का मार्जिन बहुत अधिक था। इन सीटों पर इस बार मतदान कम हुआ है और जातिगत आधार पर हुआ है, जो मोदी के लिए चिंता की बात हो सकती है। राज्य में भाजपा की जीत का मार्जिन कम होने के साथ इस बार कुछ सीटें हाथ से निकल सकती हैं। सचिन पायलट के प्रभाव वाली दौसा सीट पर भी भाजपा फंसी है। मीणा और दलित बाहुल्य करौली धौलपुर सीट पर वसुंधरा की अनदेखी करने का असर दिखा है और कांग्रेस लड़ाई में दिख रही है। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला की सीट कोटा बूंदी में भाजपा के बागी और कांग्रेस से चुनाव लड़ रहे प्रहलाद गुंजल ने ओम बिड़ला को कड़ी टक्कर दी है। प्रहलाद गुंजल वसुंधरा के बेहद करीबी रहे हैं और कहा जा रहा है कि वसुधंरा की अनदेखी होते देखकर ही गुंजल ने चुनावी मैदान में ओम बिड़ला को चुनौती दी है।

भाजपा के लिए पिछले लोकसभा चुनाव में सबसे ज्यादा मार्जिन 6 लाख 12 हजार से जीतने वाली सीट भीलवाड़ा थी। कांग्रेस ने यहां से सीपी जोशी को उतारा है। सीपी जोशी की हार तय है लेकिन मार्जिन जरूर कम कर देंगे। बांसवाड़ा सीट पर कांग्रेस की गहलोत सरकार में मंत्री रहे महेन्द्रजीत मालवीय को दलबदल करवा कर भाजपा ने अपनी टिकट दी थी लेकिन उनकी मुश्किल भारतीय आदिवासी पार्टी ने बढ़ा दी है। कांग्रेस ने इस सीट पर भारतीय आदिवासी पार्टी को समर्थन देने की घोषणा की थी। हालांकि कांग्रेस के प्रत्याशी ने पार्टी निर्देश के बाद भी यहां से अपना नामांकन वापस नहीं लिया और वह भी मैदान में डटा रहा। अजमेर सीट पर कम मतदान ने भी भाजपा के लिए मुश्किल खड़ी कर दी है। जोधपुर सीट से केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और अलवर से केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव की जीत की संभावना है। जालौर सिरोही सीट पर पूर्व सीएम अशोक गहलोत की प्रतिष्ठा दांव पर है। उनके बेटे वैभव गहलोत इस सीट से मैदान में है। 2019 में वैभव गहलोत जोधपुर से हार गए थे। इस बार सीट बदलने पर देखते हैं कि किस्मत भी बदलती है या इस बार भी उन्हें हार का सामना करना पड़ता है। हालांकि अशोक गहलोत ने बसपा उम्मीदवार को बेटे के समर्थन में बिठाकर जातिगत समीकरणों को भी साधने की पूरी कोशिश की है। राजस्थान की 25 सीटों में से भाजपा श्रीगंगानगर, बीकानेर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर, अजमेर, पाली, जोधपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ, राजसमंद, भीलवाडा, कोटा, झालावाड़ बांरा, टोंक, सवाई माधोपुर में मजबूत है, वहीं कांग्रेस झुंझुनू, चुरू, सीकर, करौली धौलपुर, दौसा, नागौर, बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर सिरोही, बांसवाड़ा डूंगरपुर में भाजपा को कड़ी चुनौती दे रही है। राजस्थान विधानसभा चुनाव जिस तरह से प्रधानमंत्री मोदी ने अपने कंधों पर उठा रखा था, उसी तरह लोकसभा चुनाव भी मोदी ने अपने कंधों पर ले लिया था। लोकसभा चुनाव की घोषणा होने से पहले मोदी राजस्थान में 4 सभाएं कर चुके थे जबकि चुनाव की घोषणा होने के बाद सभी सीटों पर मतदान होने तक मोदी राजस्थान में कुल 8 चुनावी रैलियां कर चुके थे। अपनी रैलियों के जरिए मोदी ने राजस्थान की लगभग 23 लोकसभा सीटों को कवर किया है।

भैरो सिंह शेखावत के बाद भाजपा का चेहरा बनकर उभरी वसुंधरा राजे का अपने बेटे की सीट तक सीमित हो जाना मोदी शाह के लिए एक बड़ी चुनौती थी। आंतरिक खींचतान, टिकटों को लेकर असंतोष और कार्यकर्ताओं में कम उत्साह से हुए चुनाव के बाद भी अगर भाजपा राजस्थान की 25 सीटें जीतने में कामयाब हो जाती है तो इसका पूरा श्रेय मोदी को ही जाएगा। लेकिन अगर इन सीटों में कमी आती है तो इसका जिम्मा भी मोदी के कंधों पर ही डाला जाएगा। राजस्थान में जीत भी मोदी की होगी और हार भी हुई तो मोदी की ही होगी।

ओवैसी बंधुओं के गले की हड्डी बनी रजाकार मूवी

विष्णु शर्मा

26 अप्रैल को देश के जिन लोकसभा क्षेत्रों में मतदान हुआ उसमें हैदराबाद भी है। यहां से असदुद्दीन ओवैसी चुनावी मैदान में हैं जबकि उनके सामने बीजेपी ने एक समाजसेवी माधवी लता को मैदान में उतारा है। असदुद्दीन ओवैसी और उनके भाई अकबरुद्दीन एक प्रकार से हैदराबाद की उग्र पहचान बन गये हैं जो विवादित बयान देकर चर्चा में बने रहते हैं। ऐसे ही विवादित बयानों में एक बार अकबरुद्दीन ओवैसी ने कहा था कि हमारी मजलिस हिंदुस्तान की तोपों के सामने अपने सीनों को पेश करने वाले रजाकारों की जमात है। जिनको रजाकारों का इतिहास पता था उन्होंने विरोध किया, लेकिन बाकी हिंदुस्तान या नई पीढ़ी को कोई लेना देना नहीं था। फिर बड़े भाई असदुद्दीन ओवैसी ने अमेरिका में जाकर ये बयान दिया कि रजाकार तो पाकिस्तान चले गए, वफादार भारत में रह गए। लेकिन जब रजाकार मूवी का टीजर आया तो ना उनको पसंद आया और ना उनकी सहयोगी पार्टी बीआरएस की के. कविता को। औवैसी ने कहा, आजकल कल्पना पर आधारित फिल्मों को बनाने का चलन है, तथ्यों पर आधारित नहीं। हिंदू मुस्लिम नफरत को फैलाने के लिए फिल्में बनाई जा रही हैं। आखिर रजाकार मूवी ओवैसी के लिए गले की हड्डी क्यों बन गई है? क्यों एक तरफ उनके भाई उनकी पार्टी के कोर वोटर्स यानी मुस्लिमों को रिझाने, जोश दिलाने या कहें तो भड़काने के लिए खुद को, पार्टी को रजाकारों की जमात बताते हैं लेकिन यही लोग रजाकार मूवी देखने की अपील करने के बजाय उसका विरोध करते हैं। मतलब रजाकारों का इतिहास ओवैसी भाईयों से न निगलते बन रहा है और न उगलते। जो नहीं जानते, उनके लिए इसके पीछे की वजह जानना वाकई में दिलचस्प होगा। जबकि इस मूवी में कहीं भी ओवैसी, उनके किसी खानदानी या उनकी पार्टी का जिक्र तक नहीं किया गया है, फिर क्यों वो नाराज हैं? दरअसल पांच भाषाओं तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, तमिल और हिंदी में रिलीज हुई मूवी रजाकार ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के पितृ पुरुष की करतूतों की कहानी है। इस पितृ पुरुष का नाम है कासिम रिजवी, जो रजाकार मूवी में मुख्य खलनायक है। ये वो कासिम रिजवी ही था, जिसने अपनी राजनीतिक पार्टी को औवैसी भाइयों के दादा अब्दुल वाहिद ओवैसी को तब सौंपा था, जब भारत सरकार की शर्त के मुताबिक उसे हिंदुस्तान छोड़कर पाकिस्तान में बसना था। ओवैसी के दादा लातूर (महाराष्ट्र) से आए थे, वकील थे और तब लातूर निजाम के अधिकार क्षेत्र में ही था। उस वक्त उस पार्टी का नाम था मजलिस ए इत्तिहादुल मुसलमीन यानी एमआईएम। लेकिन ये पार्टी कासिम रिजवी की करतूतों की वजह से इतनी बदनाम हो चुकी थी कि औवैसी के दादा ने इसमें ऑल इंडिया जोड़कर नया नाम दे दिया और पार्टी का नाम हो गया एआईएमआईएम। जब पार्टी आधुनिक दौर में आई और उसकी वेबसाइट बनी तो पार्टी के इतिहास से कासिम रिजवी का ही नहीं रजाकारों और उसके पूरे दौर का जिक्र ही गायब कर दिया गया। लिखा गया है कि 1944 के बाद से पार्टी निष्क्रिय पड़ी थी, जिसे अब्दुल वाहिद औवैसी ने 1958 में कमान संभाल कर फिर से खड़ा किया। अब समझिए ये करने की जरुरत क्यों पड़ी? दरअसल एमआईएम को 1927 में खड़ी करने वाले थे नवाब महमूद नवाज खान किलेदार, जो आजादी के बाद हैदराबाद को अलग देश बनाने की हिमायत करते थे। 1938 में बहादुर यार जंग ने पार्टी की कमान संभाली लेकिन 1944 में बहादुर यार जंग की मौत अब भी संदेह के घेरे में है। लोग कहते हैं कि कासिम रिजवी ने ही बहादुर यार जंग को जहर दे दिया था। कासिम लखनऊ में पैदा हुआ था और अलीगढ़ मुस्लिम यूनीवर्सिटी से वकालत करने के बाद कासिम रिजवी लातूर चला गया था, जहां कभी उसके श्वसुर डिप्टी एसपी रहे थे। वहां उसने एमआईएम की सदस्यता ले ली और कहा जाता है कि अपनी पूरी सम्पत्ति पार्टी के नाम करने का ऐलान करके मुस्लिमों के बीच अपनी जगह बना ली। पार्टी के अंदर ही उसने अपना एक नया संगठन खड़ा किया, अपने विरोधियों को अपने अतिवाद से परास्त किया और एक दिन पार्टी का मुखिया बन बैठा। फिर उसने निजाम की करीबी हासिल कर अपनी एक निजी आर्मी खड़ी की रजाकार। इसका सामान्य सा अर्थ इस्लाम के लिए खड़ा रहनेवाला मुजाहिद होता है। असल में कासिम रिजवी ने रजाकारों की यह फौज धर्म परिवर्तन के लिए तैयार की थी। वो हैदराबाद राज्य, जो उन दिनों आज के कई राज्यों के बराबर क्षेत्रफल वाला था, रिजवी उसको हिंदु बाहुल्य से मुस्लिम बाहुल्य बनाना चाहता था। ताकि हिंदुस्तानी सेना से लड़ने के लिए उसके पास लाखों हाथ हों। इन रजाकारों ने कर वसूली से लेकर सजा देने तक एक तरह से पूरे हैदराबाद पर अपना धीरे धीरे कब्जा कर लिया था। जो कोई खिलाफ खड़ा होता, उसे ये रजाकार बर्बाद कर देते, यहां तक कि कुछ मुसलमानों को भी।

नक्सली कार्रवाई पर विपक्ष का हमदर्दी भरा दृष्टिकोण क्यों?

डॉ. रमेश ठाकुर

कांकेर (छत्तीसगढ) में पिछले सप्ताह केंद्रीय सुरक्षाकर्मियों ने एक ऑपरेशन के तहत बड़ी संख्या में नक्सलियों को मार गिया। सूचनाएं थी कि नक्सली चुनाव में गड़बड़ी करने वाले थे। उनका निशाना पोलिंग बूथ थे, उनके पास से बड़ी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद बरामद हुए। नक्सलियों पर इस कार्रवाई को लेकर एक दफे फिर कांग्रेस ने प्रामाणिकता पर सवाल उठाए हैं। वाजिब सवाल ये है कि आखिर चुनाव के बीच नक्सल और सुरक्षा बलों के बीच चले इस संघर्ष को राजनीतिक रंग देने में किसका भला होगा? भूपेश बघेल तो मुठभेड़ को फर्जी भी बता रहे हैं। वहीं, कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने भी बिना सोचे समझे नक्सलियों से हमदर्दी जताई है। हालांकि, विरोध होने पर अब दोनों अपने बयानों को लेकर लीपापोती करने में लगे हैं। कुछ विपक्षी नेताओं ने इससे पूर्व भी नक्सलियों को शहीद बताकर उनके प्रति हमदर्दी जताई थी।

ये तो जगजाहिर है ही कि कांग्रेस नक्सल आंदोलन के हिंसावादी रवैये की प्रति शुरू से नरम रही है। जबकि, कायदे से देखें तो नक्सलियों ने उनके भी कई नेताओं को मौत के घाट उतारा है। बहरहाल, कांकेर मुठभेड़ को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ पार्टी के बीच जमकर वाकयुद्ध जारी है। पर, नक्सलवाद की समस्या चुनाव तक ही सीमित नहीं रहने वाली? क्योंकि देश विगत 70 वर्षों से नक्सल आतंकवाद झेलता आया है। अब समय की मांग इसे जड़ से खत्म किया जाए। केंद्र की योजना फिलहाल इसी ओर अग्रसर भी है। अभी तक हजारों नक्सली मारे गए हैं जिनमें बड़ी संख्या में हमारे जवान भी शहीद हुए हैं। इसलिए इस समस्या को राजनीतिक चश्मे से देखने कतई औचित्य नहीं? इस समस्या को जड़ से मिटाने की राष्ट्रीय नीति के प्रति सभी को एक समान विचार रखना चाहिए। केंद्र सरकार ने गत दस वर्षों में नक्सल उन्मूलन की नीति पर एक निरंतरता बनाया हुआ है जिसके बेहतरीन परिणाम भी मिले हैं। नक्सल आंकड़ों पर गौर करें तो 2004-14 के यूपीए के दस सालों के नक्सली हमलों या मुठभेड़ों में 1,750 सुरक्षा बलों के जवानों की शहादत हुईं थी, लेकिन 2014-23 में करीब 72 फीसदी तक कमी आई। इस दौरान 485 सुरक्षा बलों के जवानों की जाने गई। इसी अवधि में नागरिकों की मौत की संख्या भी 68 प्रतिशत घटकर 4,285 से 1,383 हुई। कांग्रेस सरकार अपने वक्त में ये तय नहीं कर पाई थी कि वह आर्मड वाम विद्रोह के खिलाफ केंद्रीय नीति किस तरह की रखे। कांग्रेस के नेताओं में इस पर एकमत था ही नहीं। प्रधानमंत्री के रूप में मनमोहन सिंह उच्च-स्तरीय सुरक्षा सम्मेलनों में तो यह कहते रहे कि

नक्सलवाद देश के लिए खतरा हैं। पर, गृहमंत्री के रूप में चिदंबरम ने सशस्त्र विद्रोह के प्रति कोई आक्रामक नीति कभी बनाई ही नहीं? मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री रहे दिग्विजय सिंह नक्सलवाद के मूल कारणों को ढूंढने के अपने सिद्धांत बना लिए और उसी की वकालत करते रहे।

सन-2009 में यूपीए सरकार ने ऑपरेशन 'ग्रीन हंट' शुरू किया था। तब कहा गया था कि सरकार नक्सलियों को पूरी तरह खत्म कर देगी। सीआरपीएफ को इसके लिए खास तरह के टास्क दिए गए, यहां तक की भारतीय सेना को भी लगाया गया। लेकिन, ऑपरेशन 'ग्रीन हंट' सुरक्षा बलों के लिए ही काल बन गया। अप्रैल-2010 में नक्सलियों ने दंतेवाड़ा में एक ही दिन 76 सीआरपीएफ के जवानों की हत्या कर दी। घरेलू मोर्चे पर यह ऑपरेशन 'ब्लूस्टार' के बाद सुरक्षा बलों की सबसे ज्यादा मौतों की यह घटना बन गई। यूपीए में तीन तीन गृह मंत्री बनाए गए, शिवराज पाटिल, चिदंबरम और सुशील शिंदे। नक्सलवाद को लेकर तीनों की अपनी अलग-अलग राय थी। यूपीए सरकार में ही हिंसक नक्सलियों को गुमराह और नेक इरादे वाले लोगों के रूप में वर्णन किया गया। यूपीए सरकार ने ही मलकानगिरी के कलेक्टर विनील कृष्णा के बदले में आठ माओवादियों को रिहा किया। उसी दौरान माओवादी समर्थकों का एक पढ़ा लिखा वर्ग भी तैयार हुआ, जिन्हें आज अर्बन नक्सली कहा जाता है।

फिलहाल केंद्र सरकार अब ये दावा करती है कि उसने हिंसक वाम आंदोलन और उग्रवाद खिलाफ जोरदार अभियान छेड़ा है। नक्सली वामपंथी उग्रवाद को किसी भी तरह की रियायत नहीं दी जाएगी। 2015 में मोदी सरकार ने आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ 'राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना' शुरू की थी जिसमें हिंसा के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की बात कही गई थी। सरकार ने उसी समय से किसी भी तरह की हिंसा से निपटने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों का आधुनिकीकरण करना शुरू कर दिया। प्रशिक्षण के लिए विशेष तौर पर फंड जारी किए। इसके साथ ही सरकार ने हिंसा प्रभावित राज्यों की सहायता के लिए विशेष बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की योजना पर काम शुरू किया। सुरक्षा जरूरतों में आने वाले खर्चों के लिए अलग से धनराशि जारी की। इतना ही नहीं इस पूरे काम की निगरानी करने के लिए सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल में अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय में एक अलग डिवीजन बना दिया है। इसे वामपंथी उग्रवाद प्रभाग का नाम दिया गया।

वामपंथी उग्रवादियों का मुकाबला करने और राज्य पुलिस बलों की क्षमता को बढ़ाने के लिए राज्यों में इंडिया रिजर्व बटालियन का भी गठन किया गया। लगातार ऑपरेशन से माओवादियों और नक्सलियों के पांव उखर गए हैं। हिंसा और अपराधों के आकड़े में लगातार कमी आई है। वर्ष 2014 से 2023 के बीच में वामपंथी उग्रवाद से संबंधित हिंसा में 52 फीसदी से अधिक की कमी आई है। इस तरह कुल मौतों में भी 69 फीसदी की कमी आई है। सुरक्षा बलों के हताहतों की संख्या इस समय काफी कम है। यह एक बड़ी उपलब्धि रही है। ये तभी संभव हुआ जब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्र और राज्यों के बीच एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण का मार्ग प्रशस्त किया, जिसके चलते ही विगत वर्षों में उग्रवादी गुटों के कई सदस्य सरकार के सामने आत्मसमर्पण करने को भी मजबूर हुए।

केंद्र सरकार मोदी ने कई मर्तबा वामपंथी उग्रवादियों को हिंसा छोड़ने और बातचीत करने का प्रस्ताव दिया था। उनके लिए केंद्र ने कई विकास परियोजनाएं भी शुरू करने की बात कही। जिनमें वामपंथी उग्रवाद से ग्रस्त क्षेत्रों में 17,600 किमी सड़कों को मंजूरी देना। केंद्र ने राज्यों को नियमित निगरानी के लिए हेलीकॉप्टर और मानव रहित हवाई वाहन उपलब्ध करवाना। सुरक्षा इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने के लिए स्पेशल फंड्स जारी किए। इस मद में करीब 971 करोड़ रुपये की परियोजनाएं मंजूरी भी हुईं। इन परियोजनाओं में 250 किलेबंद पुलिस स्टेशन स्थापित करने का काम शुरू भी हुआ। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क आवश्यकता योजना को केंद्र सरकार ने आठ राज्यों आंध्र प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा और उत्तर प्रदेश के 34 जिलों में लागू किया है। इस योजना में 5,362 किमी सड़कों का निर्माण हो भी चुका है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में मोबाइल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए सरकार ने अगस्त 2014 में इन क्षेत्रों में मोबाइल टावरों की स्थापना को भी मंजूरी दी। अब तक 4885 मोबाइल टावर लगाए गए हैं। दूसरे चरण में 2,542 मोबाइल टावर और लगाए जा रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि सरकार ने वामपंथी उग्रवाद के पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे को 2017 में 5 लाख से बढ़ाकर 20 लाख कर दिए हैं और अब इसमें बढ़ोतरी करके 40 लाख कर दिए हैं। लेकिन नक्सली फिर भी नहीं मान रहे। तभी हार कर अब उनके खिलाफ 'पुलिस टेक्नोलॉजी मिशन' शुरू हुआ है। ताकी इनपर अंतिम प्रहार किया जाए। कांकेर मुठभेड़ उसी का हिस्सा है।

एक-तिहाई सीटों पर मतदान, हवा का रुख पहचानना मुश्किल

अमिताभ श्रीवास्तव

महाराष्ट्र की एक-तिहाई लोकसभा सीटों के लिए मतदान होने के बावजूद राजनीतिक दलों के लिए चुनाव की दिशा और दशा को समझना मुश्किल होता जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस नेता राहुल गांधी से लेकर पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तक अपने-अपने उम्मीदवारों के लिए पसीना बहा चुके हैं, लेकिन किसी के चेहरे पर आत्मविश्वास की झलक दिखाई नहीं दे रही है। एक तरफ जहां चुनावी नीरसता को लेकर मौसम की मार और शादी-ब्याह के गर्म मौसम की बात की जा रही है, तो दूसरी तरफ राजनीति के समीकरणों को लेकर मतदाताओं के बीच बढ़ती अस्पष्टता अदृश्य समस्या बनती जा रही है।राज्य में पांच चरणों में होने जा रहे लोकसभा चुनाव के मतदान के क्रम में दो चरणों में मतदान हो चुका है।

विदर्भ का चुनाव पूरा हो गया है और मराठवाड़ा में शुरुआत हो चुकी है। अगले चरण में मराठवाड़ा के कुछ स्थानों के साथ दक्षिण और पश्चिम महाराष्ट्र के इलाकों में मतदान होगा, जिसके बाद चौथे-पांचवें चरण में मराठवाड़ा, उत्तर महाराष्ट्र, खान्देश तथा मुंबई की सीटों के लिए मतदान होगा। ध्यान देने योग्य यह है कि सभी भागों में चुनावी मुद्दों से अधिक चर्चा दलों के टूटने और बिखरने की है। राजनीतिक दल भी गद्दार और वफादार के बीच संघर्ष पैदा कर मतदाताओं के बीच भ्रम की स्थिति पैदा कर रहे हैं। मजेदार बात यह है कि जिन दलों और नेताओं को गद्दार कहा जा रहा है, उन्हीं के पास उनके पुराने दलों के असली चुनाव चिह्न हैं। इस स्थिति में मतदाता के समक्ष समस्या यह है कि वह चिह्न के प्रति निष्ठा दिखाए या फिर

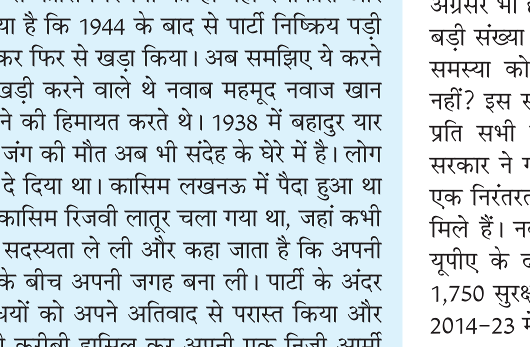

एकनिष्ठ नेताओं के साथ अपना रिश्ता कायम रखे।

यदि चुनाव चिह्न को देखकर मत डाले जाते हैं तो टूट-फूट की कोई कीमत नहीं रह जाती है और विश्वसनीयता को देखकर वोट डाले जाते हैं तो वोटिंग मशीन पर भ्रम को दूर कर पाना आसान नहीं है। यही कारण है कि पहचान को लेकर पैदा हुई नई स्थिति में चुनाव किसी अन्य मुद्दे पर केंद्रित नहीं हो पा रहा है। हालांकि विपक्ष की भरपूर कोशिश है कि वह दस साल के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शासन के खिलाफ सरकार विरोधी माहौल को तैयार कर पाए। किंतु विपक्षी गठबंधन के दो दलों के समक्ष दलीय पहचान का संकट है। उनके पास नेता हैं, किंतु चिह्न पुराने नहीं हैं। वे सरकार के खिलाफ बोलने की क्षमता रखते हैं, लेकिन खुद की परेशानियों के हल उनके पास नहीं हैं। उनके पास केवल एक ही उम्मीद सहानुभूति की है, जिसकी बदौलत मतदान का आकलन किसी के पास नहीं है। इसलिए सहानुभूति पर आश्रित रहने से काम नहीं चल सकता। चुनाव को लेकर मुद्दों की बात की जाए तो महाराष्ट्र में जातिगत आरक्षण की मांग, किसानों के समक्ष ऋण का संकट, बेमौसमी बरसात से फसलों का नुकसान, लंबे समय से राज्य में किसी बड़े उद्योग का नहीं आना, अनेक इलाकों में पानी की कमी के साथ राष्ट्रीय मुद्दे, बेरोजगारी और महंगाई अपनी जगह हैं। प्याज, गन्ना, कपास, सोयाबीन, तुअर जैसी फसलें दामों को लेकर लगातार फंस रही हैं।

फिलहाल दलों के समक्ष समूचा संघर्ष खुद के अस्तित्व को बनाए रखने का है। उसी में जोड़-तोड़ की राजनीति चुनाव की पहचान बन चुकी है, जिससे मतदाता के मन पर किसी तरह की छाप नहीं छूट पा रही है। वह बार-बार भ्रम की अवस्था में चला जा रहा है। अप्रैल माह की 19 तारीख से आरंभ हुए मतदान के बाद 26 अप्रैल को दूसरा चरण हुआ है। फिर भी दोनों ही दौर के मतदान में मतदाता के मन की बात का अंदाज सामने नहीं आया है। यहां तक कि कोई भी राजनीतिक दल खुलकर अपने पक्ष में माहौल का दावा तक नहीं कर पाया है, जिसका कारण आत्मविश्वास और सही अनुमान दोनों का अभाव है, जिसे राजनीतिक दलों ने फूट से गंवाया है। चूंकि दलों के टूटने का आधार राजनीतिक महत्वाकांक्षा था। इसलिए चुनाव के समय उसका चरम पर आना भी स्वाभाविक है। इसी से सीटों के बंटवारे को लेकर सभी दलों में खासी रस्साकशी हुई। यहां तक कि कई दलों के मुंबई सहित कुछ सीटों पर अभी-भी उम्मीदवार तय नहीं हो पाए हैं। इस स्थिति में प्रत्याशी के तय होने पर ही चुनावी दिशा तय हो पा रही है, जो आगे चलकर व्यक्ति विशेष के ऊपर केंद्रित हो जा रही है। ऐसे में राजनीतिक दलों के लिए चुनावी मुद्दों का गौण हो जाना परिस्थिति के अनुरूप ही है। यही वजह है कि सामने बने चुनावी समीकरणों से चुनावी रुख का अंदाज या मतदाता के मन में बनी राजनीतिक तस्वीर का अनुमान लगा पाना आसान नहीं हो पा रहा है। आने वाले दिनों में तीसरे, चौथे और पांचवें चरण के लिए राज्य में मतदान होगा।

कहां गए मतदाता?

अक्षय शुक्ला

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की वोटिंग के दौरान आई कई तस्वीरें उम्मीद जगाती है कि अब भी बड़ी संख्या में लोग अपने मताधिकार की अहमियत जानते हैं। भीषण गर्मी के बावजूद कड़ी धूप में लंबी कतार में लगे वोटर्स को देख अच्छा लगा। रेगिस्तानी गर्मी वाले राजस्थान के जोधपुर में तो एक ही परिवार की पांच पीढ़ी के 70 लोग एक साथ मतदान करने पहुंचे। नोएडा में भी कुछ सोसायटीज़ के बाहर सुबह से लोग लंबी लाइनों में खड़े दिखे। लोकतंत्र के महापर्व के प्रति ऐसा उत्साह हालांकि हर जगह देखने को नहीं मिला। पहले चरण की तरह इस बार भी पूर्वोत्तर ने ही बाज़ी मारी, जबकि हिंदी बेल्ट में काफी कम मतदान प्रतिशत देखने को मिला। पहले फेज़ में वोटिंग के आंकड़ों ने सभी राजनीतिक दलों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी थीं। पीएम ने एक जनसभा में कहा भी कि किसी को भी दें, पर वोट ज़रूर दें। चुनाव आयोग भी लगातार अपील कर रहा है। लोगों को दूर न जाना पड़े, इसका ख्याल रखते हुए इस बार पोलिंग बूथ की संख्या बढ़ाने के साथ ही वहां पर लोगों की सुविधा के काफी इंतज़ाम भी किए गए हैं। कई रेस्तरां ग्राहकों को खाने-पीने पर डिस्काउंट दे रहे तो कुछ अस्पताल हेल्थ चेकअप पर। मतदान प्रतिशत देखकर लगता है कि इन प्रयासों का बहुत असर नहीं हुआ।हालांकि, आग लगे, तभी कुआं खोदने की हमारी पुरानी आदत भी इसके लिए कम ज़िम्मेदार नहीं। कई लोग वोटिंग वाले दिन जागते दिखे। सोसायटी के वट्सऐप ग्रुप में बहुत से लोग मतदान शुरू होने के बाद पूछ रहे थे कि वोटर लिस्ट में नाम है कि नहीं कैसे पता चलेगा, स्लिप कहां मिलेगी। जबकि पिछले कई महीनों से लगातार इस संबंध में खबरें भी छप रही हैं और विज्ञापन भी। बीएलओ हर सोसायटी और सेक्टर में कैंप लगा रहे थे। सभी आरडब्लूए अपने सेक्टर और सोसायटियों में लगातार बताते रहे कि वोटर लिस्ट में अपना नाम चेक कर लें ताकि मतदान के दिन परेशानी न हो। लेकिन कई लोग आदतन अंतिम दिन जाग रहे थे। ऐसे बहुत से लोग वोटिंग बूथ पर परेशान दिखे कि हमारा नाम ही लिस्ट में नहीं है या कहीं दूसरे बूथ पर है। ये सब पहले से ही चेक कर लिया गया होता तो वोटिंग वाले दिन यूं चक्कर नहीं लगाने पड़ते। इसके अलावा, ऐसे भी बहुत से लोग हैं, जिनके नाम तो वोटर लिस्ट में हैं, लेकिन वे कभी वोट देने के लिए घर से निकलते ही नहीं। चुनाव के समय यह दलील देना कि सारे नेता एक जैसे हैं, इसलिए वोट नहीं देना, फिर पांच साल तक सरकार को कोसना कि ये नहीं किया, वो नहीं किया। शिकायत करने का हक तभी है, जब अपना फर्ज़ निभाया हो। इसी तरह एक वर्ग इसलिए घर से नहीं निकलता कि वोट दें या न दें, पसंद की पार्टी तो चुनाव जीत ही जाएगी। दूसरा इसलिए नहीं निकलता कि वोट देने का क्या फायदा, जिसे चाहते हैं, उस नेता के जीतने की तो उम्मीद ही नहीं। इस तरह की सभी सोच गलत हैं। कोई पसंद हो, न हो, जीतने की उम्मीद हो या न हो, वोट ज़रूर दें।

चेहरे पर यह चीजें भूलकर भी ना लगाएं

चेहरे की अलग-अलग प्रॉब्लम्स को दूर करने और उसकी खूबसूरती बढ़ाने के लिए लोग कई तरह की चीजों को अप्लाई करते हैं। लेकिन आपको यह समझने की जरूरत होती है कि आपका चेहरा एक्सपेरिमेंट करने के लिए नहीं है। कई बार आप प्रॉब्लम्स को दूर करने के लिए अपने फेस पर कुछ अप्लाई करते हैं लेकिन समस्या और भी ज्यादा बढ़ जाती है।

होगा सिर्फ नुकसान

जैसे बालों को धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, वैसे ही यह आपके चेहरे के लिए भी उचित नहीं है। गर्म पानी का सीधे चेहरे पर इस्तेमाल करने से आपकी त्वचा में नमी कम हो जाएगी, जिससे वह रूखी और बेजान हो जाएगी। इससे जलन भी हो सकती है।

चेहरे की अलग-अलग प्रॉब्लम्स को दूर करने और उसकी खूबसूरती बढ़ाने के लिए लोग कई तरह की चीजों को अप्लाई करते हैं। लेकिन आपको यह समझने की जरूरत होती है कि आपका चेहरा एक्सपेरिमेंट करने के लिए नहीं है। कई बार आप प्रॉब्लम्स को दूर करने के लिए अपने फेस पर कुछ अप्लाई करते हैं लेकिन समस्या और भी ज्यादा बढ़ जाती है। इसलिए किसी भी चीज को बेहद सोच-समझकर स्किन पर अप्लाई करना चाहिए। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसी ही चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आपको अपनी स्किन पर लगाने से बचना चाहिए-

बॉडी लोशन

कई बार जब फेस क्रीम खत्म हो जाती है, तो लोग बॉडी लोशन को ही चेहरे पर अप्लाई कर लेते हैं। हालांकि, चेहरे की नाजुक त्वचा पर इसका इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। चूंकि बॉडी लोशन अधिक गाढ़ा और चिकना होता है, इसलिए इसकी तैलीय बनावट चेहरे की त्वचा के छिद्रों को बंद कर सकती है और आपको ब्रेकआउट्स व मुंहासों की समस्या हो सकती है। इसके अलावा, बॉडी लोशन में कृत्रिम सुगंध होती है। इनसे एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है।

गर्म पानी

जैसे बालों को धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, वैसे ही यह आपके चेहरे के लिए भी उचित नहीं है। गर्म पानी का सीधे चेहरे पर इस्तेमाल करने से आपकी त्वचा में नमी कम हो जाएगी, जिससे वह रूखी और बेजान हो जाएगी। इससे जलन भी हो सकती है।

नींबू

विटामिन सी से भरपूर नींबू सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। लेकिन नींबू के टुकड़े या नींबू के रस को सीधे चेहरे पर लगाने से फायदे से ज्यादा नुकसान हो सकता है। नींबू में पाया जाने वाला केमिकल आपकी स्किन को रोशनी के प्रति सेंसेटिव बनाता है। इसलिए, नींबू का उपयोग करने के बाद धूप में बाहर जाने से आपकी त्वचा में जलन हो सकती है। इससे केमिकल बर्न भी हो सकता है। बेहतर होगा कि आप इसे किसी अन्य इंग्रीडिएंट में मिक्स करके अप्लाई करें। साथ ही, रात में इसका इस्तेमाल करें।

टूथपेस्ट

अधिकतर लोग ब्लैकहेड्स से निजात पाने के लिए टूथपेस्ट का इस्तेमाल करते हैं। जबकि इसे फेस पर लगाने से बचना चाहिए। अपने चेहरे पर टूथपेस्ट का इस्तेमाल करने से जलन और यहां तक कि संक्रमण भी हो सकता है। यदि आपने पहले अपने मुंहासों पर टूथपेस्ट का इस्तेमाल किया है, तो आपने देखा होगा कि उपयोग के बाद वे लाल हो जाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि टूथपेस्ट में ऐसे कई तत्व होते हैं, जो आपकी त्वचा को परेशान कर सकते हैं।

* मिताली जैन

त्वचा को चमकदार बनाएंगे नींबू फेस पैक्स, जानिए इन्हें बनाने का तरीक़ा

त्वचा को साफ़ और चमकदार बनाने के लिए नींबू बेहद कारगर है। इससे फेस पैक्स बनाना आसान है। ये असरदार हैं और त्वचा में कसावट भी लाते हैं।

चेहरे पर सामान्यत हर रोज़ किसी न किसी उत्पाद का इस्तेमाल किया ही जाता है, फिर मॉइश्चराइज़र हो या अन्य कोई क्रीम व फाउंडेशन। ऐसे में त्वचा पर इनकी परतें जमती जाती हैं जो दिखाई नहीं पड़तीं। नींबू में विटामिन-सी और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो त्वचा को साफ़ करने के साथ ही उम्र बढ़ने के संकेतों को भी कम करते हैं।

एक किसे हुए खीरे में कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाएं। इस पैक को चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट बाद ठंडे पानी से धो दें। त्वचा साफ़ व चमकदार नज़र आएगी। इस पैक को हर रोज़ इस्तेमाल कर सकते हैं।

टमाटर के गूदे में आधा नींबू का रस और एक चम्मच दही मिलाएं। इस पैक को चेहरे पर लगाएं और 15-20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो दें। इससे त्वचा से टैनिंग भी निकल जाएगी। इस पैक को हफ्ते में दो-तीन बार लगा सकते हैं।

एक चम्मच नींबू के रस में एक चम्मच शहद और एक चम्मच दूध पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक सूखने दें। फिर ठंडे पानी से धो दें। इस पैक को रोज़ाना इस्तेमाल कर चमकदार त्वचा पा सकते हैं।

आधा कप पपीते का गूदा, एक चम्मच शहद, आधा नींबू का रस और एक छोटा चम्मच चंदन पाउडर मिलाएं। इस पैक को चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद धो दें। हर दूसरे दिन इस पैक का इस्तेमाल कर सकते हैं।

एक अंडे की ज़र्दी में एक नींबू का रस मिलाकर चेहरे और गर्दन पर पैक की तरह लगाएं। फिर 30 मिनट बाद सामान्य पानी से धो दें। सप्ताह में कम से कम एक बार इस पैक का इस्तेमाल करें। इससे त्वचा साफ़ होगी और खिल उठेगी।

दो बड़े चम्मच नारियल पानी में कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें। नींबू और नारियल पानी त्वचा को चमकदार बनाते हैं और पोषण देते हैं। इस पैक को हफ्ते में दो से तीन बार लगा सकते हैं।

आधा नींबू का रस लें और उसमें दो बड़े चम्मच एलोवेरा का गूदा (पिसा हुआ) और एक चम्मच शहद को अच्छी तरह से मिलाएं। इस पैक को 10-15 मिनट चेहरे पर लगाएं और गुनगुने पानी से धो लें। इस पैक को सप्ताह में दो-तीन बार लगाएं।

[भविष्यफल]

मेष
मेष राशि वालों के लिए आज रुपये-पैसे के मामले में शुभ योग बने हुए हैं और आज आपके लिए उच्च पद की प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष
आज आपकी संपत्ति में वृद्धि होगी। भाग्य साथ देगा। परिवार में सुख शान्ति के योग हैं। किसी बुजुर्ग से धन प्राप्ति हो सकती है।

मिथुन
आपको नौकरी में उच्च पद की प्राप्ति के योग बने हुए हैं। आपको संतान की ओर से किसी मामले में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क
आज आपको किसी जरूरी कार्य से यात्रा पर जाना पड़ सकता है। संतान सुख में वृद्धि होगी और आज आपको किसी जरूरी काम के लिए शहर के बाहर जाना पड़ सकता है।

सिंह
आज आपके मन में प्रसन्नता रहेगी। जरूरी कार्य को पूरा करने की वजह से व्यस्तता रहेगी। अभिन्न मित्रों के सहयोग से व्यवसाय के नए स्त्रोत बनेंगे।

कन्या
कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी और आय में वृद्धि होगी। आपकी बौद्धिक कार्यों और लेखन से भी अच्छी आय होगी।

तुला
आज हर मामले में बहुत संभलकर कार्य करने की जरूरत है। आज आप दूसरे लोगों के वजह से किसी मामले में असहज हो जाएंगे।

वृश्चिक
आज शुभ योग बन रहे हैं और आज आपकी किस्मत चमकने वाली है। आपको कहीं से रुका धन मिल सकता है।

धनु
आज आर्थिक मामलों में शुभ योग बन रहे हैं और आपके भाग्य में वृद्धि होने से मन में प्रसन्?नता रहेगी।

मकर
आज मान प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही है। ग्रहों के शुभ प्रभाव से आपको उत्तम संपत्ति की प्राप्ति होगी। आपके भाग्य का उदय होगी।

कुंभ
आज का दिन सफलता से भरा होगा और कार्यक्षेत्र में आपकी जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। आपकी आय में वृद्धि होगी।

मीन
आज का दिन मिश्रित रूप से फालकारक रहेगा। संपत्ति के सुधार व रख रखाव में खर्च बढ़ेगा। आज दिन में कुछ निकट के मित्रों व रिश्तेदारों का आगमन हो सकता है।

मैक्सी ड्रेस के साथ स्टाइल करें ये फुटवेयर्स

आपको मौके के हिसाब से मैक्सी ड्रेस कैरी करनी चाहिए जैसे कैजुअल, ट्रिप या फ्रेंड्स के साथ गैदरिंग में आप सॉलिड कलर मैक्सी या फ्लोरल पैटर्न को चुन सकते हैं। वहीं, फुटवेयर भी सोच-समझकर सेलेक्ट करें

मैक्सी ड्रेस काफी कम्फर्टेबल लगती है। वहीं, कम्फर्ट के अलावा यह स्टाइलिश भी लगती है। आप मैक्सी ड्रेस को कहीं भी पहन सकते हैं। कैजुअल लुक से लेकर पार्टी वेयर तक मैक्सी ड्रेस बहुत ही अच्छी लगती है। आपको मौके के हिसाब से मैक्सी ड्रेस कैरी करनी चाहिए जैसे कैजुअल, ट्रिप या फ्रेंड्स के साथ गैदरिंग में आप सॉलिड कलर मैक्सी या फ्लोरल पैटर्न को चुन सकते हैं। वहीं, पार्टी के लिए सीक्वेन, सैटिन पैटर्न वाली मैक्सी ड्रेसेस परफेक्ट ऑप्शन्स हैं। आज हम आपको बता रहे हैं कि आप मैक्सी ड्रेस के साथ कौन-से फुटवेयर पहन सकते हैं।

लॉफर्स

आपको अगर कम्फर्ट के साथ स्टाइल भी चाहिए, तो आप मैक्सी ड्रेस के साथ लॉफर्स पहन सकते हैं। बस, आपको याद रखना है कि लॉफर्स आपकी ड्रेस के साथ मैच करते हुए हो।

वेजेस

आपकी हाइट अगर कम है और आपको हाइट शो करनी है, तो आप वेजेस पहन सकते हैं। पैरों के लिए वेजेस हील बहुत आरामदायक होती हैं। वेजेस हील आपको चलते समय बैलेंस बनाने में हेल्पफुल रहेंगे।

बैली

बैली फुटवियर एक ही समय में कम्फर्टेबल, फैशनेबल और डेली यूज वाले होते हैं। आप बैलेरिनास के कई स्टाइल्स अपनी ड्रेस के हिसाब से पसंद कर सकते हैं। स्पार्कलिंग वाले फुटवियर भी पहन सकती हैं।

स्नीकर्स

आपका काम अगर भागदौड़ वाला है, तो आप मैक्सी ड्रेस को स्नीकर्स के साथ मैच कर सकते हैं। आपको लाइट, हैवी स्पोर्टी टाइप के कई स्नीकर्स मिल जाएंगे।

हील्स

आपको अगर पार्टी के मूड में हैं, तो मैक्सी ड्रेस के साथ हील्स पहन सकते हैं। यह आपके मैक्सी लुक को इनहैंस करने के लिए काफी है। आप ग्लॉसी पैटर्न हील्स ट्राई कर सकते हैं।

बालों को शैम्पू करने से पहले शहनाज हुसैन के टिप्स

बालों की समस्या तो हर मौसम में लगी रहती है। लेकिन खासकर वरसात के बाद बालों की समस्या बढ़ जाती है जब बाल धो तब बाल झड़ने लगते हैं। जब बालों में ऑलिंग करो तब बाल टूटने लगते हैं। इससे आप ये मतलब निकाल सकते हैं कि मौसम बदलते ही बालों की समस्या शुरू हो जाती है।

सुन्दर दिखने के लिए मेक अप, गहनों, सौन्दर्य प्रसाधनों के अलाबा बालों की देखभाल भी जरूरी मानीं जाती हैं । सुन्दर और घने बालों के लिए महिलाएं तेल मालिश, महंगे शैम्पू, स्पा ट्रीटमेंट जैसे कितने ही जतन करती रहती हैं । अधिकतर महिलाएं शैम्पू करने के सही तरीके की उलझन में रहती हैं । बालों को शैम्पू करने से पहले अच्छी तरह गीला करना चाहिए । सूखे बालों में शैम्पू लगाने से फायदे की बजाय नुकसान हो सकता है ।कई बार शैम्पू करने के बाद भी बाल उलझे रहते हैं तो ऐसे में आप को शैम्पू या कंडीशनर बदलने पर बिचार करना चाहिए । बालों में शैम्पू लगाने के बाद दो तीन मिनट तक बालों की मसाज करें तथा उसके बाद ही ताजे ठन्डे पानी से धोएं । शैम्पू का प्रयोग खोपड़ी पर आहिस्ता आहिस्ता मालिश करके करना चाहिए । शैम्पू करने से एक घण्टा पहले

बालों में तेल मालिश करें । सिर में तेल मालिश से खोपड़ी में रक्त का संचार होगा जिससे आप के बालों को मजबूती मिलेगी । बालों को गर्म पानी से कतई न धोयें इससे आप के बल रूखे हो जायेंगे ।हमेशा सही मात्रा में ही शैम्पू का प्रयोग करें क्योंकि शैम्पू का ज्यादा इस्तेमाल भी बालों को खराब कर देगा । इसके लिए जरूरी है कि शैंपू करने से एक घंटा पहले बालों में मालिश करें ताकि बालों को पोषण मिल सके। शैम्पू को थोड़े से पानी में घोलकर लगाने से बेहतर परिणाम मिलेंगे तथा बह अन्दर तक पहुंचकर सफाई कर सकेगा । आपके ऑयली बाल हो या ड्राय । हमेशा से इस बात का ख्याल रखें कि मार्केट में आपको कई ऐसे शैम्पू मिल जाएंगे जो केमिकल्स से बने शैम्पू आपके बालों के नैचुरल ऑयल को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे आपके स्कैल्प का एसिड.ऐल्कालाइन सन्तुलन बिगड़ता है और नतीजा होता है टूटते और डैमेज्ड बाल। ऑयली हेयर के लिए हिना और ड्राय के लिए आंवला वाले शैम्पू चुनें। ये सवाल हर किसी के मन में उठता है। किसी ने आपको हफ्ते में दो बार तो कोई तीन बार इसे धोने की सलाह दी होगी पर अलग.अलग हेयर टाइप की ज़रूरत अलग होती है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

प्रधानमंत्री को हम नहीं डरा रहे वह सभी को डरा रहे हैं : खड़गे

गुवाहाटी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने निशाना साधा है। खड़गे शनिवार को असम में थे। यहां प्रेस वार्ता के दौरान जब मीडिया ने उनसे पूछा कि पीएम मोदी कह रहे हैं कि उन्हें डराने की कोशिश बंद कर दो। इस सवाल के जवाब में खड़गे ने कहा कि हम पीएम मोदी को डराने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। वह हर किसी को डरा रहे हैं। सीबीआई, ईडी के साथ तो वह डरा रहे हैं हम कहां डरा रहे हैं। हम तो यह मानते हैं कि लोकतंत्र में कोई भी चुना हुआ नेता अच्छा नेतृत्व कर सकता है। 10 साल में क्या आपने कभी सुना है कि मनमोहन सिंह ने किसी का मंगलसूत्र छीनने की कोशिश की। कभी उन्होंने अपने कार्यकाल में किसी के लिए बुरा चीज निकाला। एक स्टेटमेंट वो देते हैं तो दुनिया में वह स्टेटमेंट छपती है। खड़गे ने कहा कि क्या हमारे घोषणापत्र में मुसलमानों के लिए अलग से कुछ भी उल्लेख है। हमारी 5 न्याय, 25 गारंटी सबके लिए समान है। आप ध्रुवीकरण करना और बांटना चाहते हैं। जो लोग बांटना चाहते हैं, उन्हें एक दिन पछताना पड़ेगा।

मोदी हैं तो नौकरी मिलना मुश्किल है : तेजस्वी

पटना। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी

यादव ने शनिवार को मीडिया से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जोरदार निशाना साधा है। तेजस्वी ने कहा कि अभी दो चरण के मतदान के बाद बीजेपी और एनडीए वाले डिप्रेशन में हैं। उन्होंने कहा कि देश के किसान, नौजवान, महिला, छात्र, व्यापारी और कर्मचारी जान चुके है कि मोदी है तो नौकरी मिलना मुश्किल है, मोदी है तो बेरोज़गारी हटना मुश्किल है, मोदी है तो महंगाई कम होना मुश्किल है, मोदी है तो मुद्दों पर बात होना मुश्किल है, मोदी है तो स्कूल-अस्पताल पर चर्चा मुश्किल है,मोदी है तो किसानों की आय दुगुनी होना मुश्किल है। तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री कल दो जगह बिहार में थे। एक बार भी उन्होंने अपने 10 वर्षों की किसी एक भी उपलब्धि का ज़िक्र नहीं किया। कोई उपलब्धि होगी तो ना ज़िक्र करेंगे। यह भी नहीं बताया कि उनके 40 में से 39 सांसदों ने 5 वर्षों में क्या किया।

सोरेन को अदालत ने अंतरिम जमानत देने से किया इनकार

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन

को एक बार फिर झटका लगा है। रांची की विशेष पीएमएलए अदालत ने भूमि घोटाले के एक मामले में उन्हें अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। बता दें, हेमंत सोरेन के पिता और झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के भाई राम सोरेन का शनिवार सुबह निधन हो गया। वह लंबे अरसे से बीमार चल रहे थे। बताया जाता है कि वह रांची में ही रहते थे। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने चाचा के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए अदालत से 13 दिनों की अंतरिम जमानत मांगी थी। हालांकि, सुनवाई करते हुए अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया। बता दें कि हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 31 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। उन पर जमीन से जुड़े घोटाले के मामले में धन शोधन का आरोप है। पूर्व सीएम फिलहाल रांची की बिरसा मुंडा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं।

शाहजहांपुर लोकसभा सीट पर सपा ने बदले उम्मीदवार

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) में बदलाव

जारी है। अभी तक अखिलेश यादव ने 10 सीट पर प्रत्याशी को बदल दिए हैं। मेरठ, बागपत, नोएडा, बदायूं, मिश्रिख, बिजनौर, सुल्तानपुर, मुरादाबाद, कन्नौज और शाहजहांपुर लोकसभा सीट पर प्रत्याशी को बदल दिया है। समाजवादी पार्टी (सपा) ने शाहजहांपुर लोकसभा सीट से अपना उम्मीदवार बदलते हुए अब ज्योत्सना गोंड को मौका दिया है। एक निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि सपा की ओर से 22 अप्रैल को राजेश कश्यप ने अपना नामांकन दाखिल किया था, लेकिन अंतिम समय में 24 अप्रैल को सपा की ओर से ज्योत्सना गोंड ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया जिसके चलते राजेश कश्यप का नामांकन जांच के बाद निरस्त कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि जब सपा की ओर से दूसरे प्रत्याशी (ज्योत्सना) को अधिकृत किया गया तब पूर्व में नामांकन करने वाले प्रत्याशी राजेश कश्यप निर्दलीय हो गये।

जगन मोहन रेड्डी ने जारी किया वाईएसआरसीपी का घोषणापत्र

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस

जगन मोहन रेड्डी ने शनिवार को राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए ताडेपल्ली में पार्टी के मुख्यालय में वाईएसआरसीपी घोषणापत्र जारी किया। वाईएस जगन ने कहा कि वाईएसआरसीपी ने पिछले 58 महीनों से घोषणापत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। जगन ने चंद्रबाबू नायडू को आदतन अपराधी बताया। उन्होंने कहा कि नायडू एक ऐसे घोषणा पत्र के जरिए लोगों को गुमराह कर रहे हैं जिसे क्रियान्वित करना व्यावहारिक रूप से असंभव है। उन्होंने गर्व से घोषणा की कि पिछले चुनाव में किए गए 99त्न वादे पूरे कर दिए गए हैं, जो घोषणापत्र की अखंडता और व्यवहार्यता के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान पर ध्यान देने के साथ घोषणापत्र में बड़ी बहनों, दादा-दादी, किसानों, श्रमिकों, युवाओं और छात्रों के कल्याण को प्राथमिकता दी गई है।

गुजरात के पोरबंद में केंद्रीय गृहमंत्री बोले- मोदी को तीसरी बार बनाएं पीएम

आतंकवाद और नक्सलवाद को जड़ से करेंगे खत्मः शाह

पोरबंदर। गुजरात में चुनाव प्रचार तेज हो गया है, जहां लोकसभा चुनाव 2024 के तीसरे चरण (7 मई) को मतदान होना है। राज्य में मतदान से पहले शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पोरबंदर में एक चुनावी रैली में एक सम्मोहक भाषण दिया। वह बीजेपी उम्मीदवार और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के लिए प्रचार कर रहे थे। अपने संबोधन के दौरान शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दोबारा चुने जाने पर जोर देते हुए बीजेपी के लिए तीसरे कार्यकाल की वकालत की। केंद्रीय गृह मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि अगर नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बने रहे तो वह देश से आतंकवाद और नक्सलवाद को खत्म कर देंगे और भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

अपने भाषण में, राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में मोदी के निर्णायक कार्यों पर प्रकाश डालते हुए, शाह ने मोदी के कार्यकाल के तहत आतंकवादी हमलों के लिए त्वरित और दृढ़ प्रतिक्रिया की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, जब पाकिस्तान ने पुलवामा और उरी में आतंकवादी हमले किए, तो वह भूल गया कि मोदी प्रधान मंत्री थे। 10 दिनों के भीतर, पीएम मोदी ने पाकिस्तान की धरती पर आतंकवादियों को खत्म करने के लिए सर्जिकल और एयर स्ट्राइक की। आगे बोलते हुए शाह ने कांग्रेस पार्टी और उसके नेता राहुल गांधी पर भी तीखा हमला बोला। शाह ने कहा कि जब कश्मीर घाटी से अनुच्छेद 370 हटाया गया, तो कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस महत्वपूर्ण कदम का विरोध करते हुए कहा कि इससे कश्मीर में खून की नदी बह जाएगी।

उन्होंने दावा किया कि पिछले पांच साल में खून की नदी तो दूर, किसी ने वहां पत्थर फेंकने की भी हिम्मत नहीं की। पीएम मोदी ने देश से आतंकवाद और नक्सलवाद को खत्म करने का काम किया। जब मनमोहन सिंह देश के प्रधान मंत्री थे, तो कोई भी पाकिस्तान से देश में प्रवेश कर सकता था और बम विस्फोट कर सकता था। इसके अलावा, राष्ट्रीय सुरक्षा के अलावा, शाह ने कांग्रेस शासन की तुलना में भाजपा के पिछले 10 वर्षों के शासन पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंच पर भारत की आर्थिक स्थिति को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है।

राजकोट में शाह ने कहा कि कश्मीर हमारा है, लेकिन

कांग्रेस के लोग और (मल्लिकार्जुन) खड़गे कह रहे हैं कि गुजरात और राजस्थान का कश्मीर से क्या लेना-देना है। राहुल गांधी ने कहा कि अगर धारा 370 हटाई गई तो कश्मीर में खून की नदियां बहेंगी। लेकिन, पांच साल में एक भी पत्थर नहीं फेंका गया...कांग्रेस सरकार के समय बम विस्फोट होते थे। लेकिन, उरी और पुलवामा हमले के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से आतंकवाद को खत्म कर दिया। पीएम मोदी ने दस साल में भारतीय अर्थव्यवस्था को 11वें से 5वें स्थान पर पहुंचा दिया।

औवेसी को केवल दो ही मुद्दों मजहब और बीफ पर बात करनी हैः माधवी

हैदराबाद। प्रमुख असदुद्दीन औवेसी को हैदराबाद लोकसभा सीट से चुनौती दे रहीं भाजपा उम्मीदवार माधवी लता ने कहा है कि वो अपने घोषणा पत्र के बारे में कभी बात नहीं करते। माधवी लता ने कहा कि ओवैसी को सिर्फ मजहब और बीफ पर बोलना आता है। हैदराबाद लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार माधवी लता ने कहा, ...चुनाव आयोग को इस पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए... हैरानी की बात है कि ये सारे शब्द पढ़े-लिखे बैरिस्टर के मुंह से निकल रहे हैं... एक ऐसा नेता जो कभी घोषणापत्र की बात नहीं करेगा। उन्हें(असदुद्दीन औवेसी) 5 सालों में क्या करना है इस बारे में उन्होंने 40 सालों में कुछ नहीं कहा। उन्हें सिर्फ लोगों से दो ही मुद्दों पर बात करनी है। पहली मजहब, दूसरी बीफ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार के. माधवी लता हैदराबाद के मौजूदा सांसद असदुद्दीन ओवैसी खिलाफ मजबूती से चुनाव लड़ रही हैं। शास्त्रीय नर्तकी और उद्यमी लता (49) 13 मई को होने वाले आम चुनाव में ओवैसी को उनके गढ़ में चुनौती देने के लिए तैयार हैं।

कांग्रेस के न्याय पत्र पर फिर बरसे योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर से कांग्रेस के न्याय पत्र पर निशाना साधा है। लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए योगी ने कहा कि आपने देखा होगा कि पहले चरण के मतदान से पहले हमने विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा और गरीब कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए देश की जनता के सामने अपनी बात रखी। इस दौरान कांग्रेस का घोषणापत्र न्याय पत्र के रूप में सामने आया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह कांग्रेस का न्याय पत्र हो सकता है, लेकिन यह देश के साथ अन्याय है। योगी ने आरोप लगाता हुए कहा कि घोषणापत्र में उन्होंने कहा है कि अल्पसंख्यक समुदाय को उनकी रुचि के अनुसार खाने की आजादी दी जाएगी और पर्सनल लॉ लागू करने की पहल भी कांग्रेस करेगी। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इस देश का बहुसंख्यक हिंदू समाज गोमांस से पूरी तरह परहेज करता है और मैं उनके लिए गाय को मां के समान मानता हूं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र देश के साथ अन्याय का पत्र है, देश के साथ गद्दारी है। यह घोषणापत्र पूरे देश के लिए एक चेतावनी है कि जब वे सत्ता से दूर हैं तो देश और देश की जनता के प्रति उनका दृष्टिकोण क्या है। भाजपा नेता ने दावा किया कि हमने यूपीए सरकार के दौरान भी ऐसा देखा है और आज जब वे सत्ता से दूर हैं तब भी वे उसी मानसिकता के साथ काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि अगले 5 चरणों के चुनाव के लिए हमें कांग्रेस के इस घोषणापत्र को ध्यान में रखते हुए ही अपना निर्णय लेना चाहिए। उत्तर प्रदेश भाजपा के एक बयान में आदित्यनाथ के हवाले से कहा गया ये बेशर्म लोग गौमांस (गाय का मांस) खाने का अधिकार देने का वादा करते हैं, जबकि हमारे ग्रंथ गाय को माता कहते हैं। वे गायों को कसाई के हाथों में सौंपना चाहते हैं। क्या भारत इसे कभी स्वीकार करेगा?

कांग्रेस ने लगाया भाजपा पर आरोप

2जी स्पेक्ट्रम मामले में दिखा भाजपा का पाखंड

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने 2जी स्पेक्ट्रम के मामले के फैसले में 'संशोधन की मांग करते हुए' केंद्र सरकार द्वारा उच्चतम न्यायालय का रुख किए जाने को लेकर शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ''पाखंड की कोई सीमा नहीं है'' क्योंकि उसने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) के तहत 2जी स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन को ''घोटाला'' बताया था और अब नरेन्द्र मोदी सरकार बिना नीलामी के ''स्पेक्ट्रम देने'' की अनुमति मांग रही है। केंद्र ने 12 साल से अधिक समय बाद गत सोमवार को 2जी स्पेक्ट्रम मामले से जुड़े फैसले में संशोधन का अनुरोध करते हुए सोमवार को उच्चतम न्यायालय का रुख किया।

हालांकि, एक शीर्ष सूत्र ने बाद में कहा कि सरकार 2012 के उच्चतम न्यायालय के फैसले को बदलने की कोशिश नहीं कर रही है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा था कि देश के प्राकृतिक संसाधनों को स्थानांतरित करते समय सरकार नीलामी का मार्ग अपनाने के लिए बाध्य है। इसने दो फरवरी 2012 के अपने फैसले में जनवरी 2008 में दूरसंचार मंत्री के रूप में ए. राजा के कार्यकाल के दौरान विभिन्न कंपनियों को दिए गए 2जी स्पेक्ट्रम लाइसेंस रद्द कर दिए थे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, ''मोदी सरकार और भ्रष्ट जनता पार्टी के पाखंड की कोई सीमा नहीं है।

मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के दौरान, उसकी तरफ से यही रोना रोया जाता था कि 2जी स्पेक्ट्रम का आवंटन एक 'घोटाला' है।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''अब, वे इसके विपरीत तर्क दे रहे हैं, वे नीलामी के बिना, जिसे चाहें उसे स्पेक्ट्रम देने की अनुमति के लिए उच्चतम न्यायालय में गए हैं।''

रमेश ने दावा किया, ''बेशक, यह मोदी शासन पहले से ही सार्वजनिक संसाधनों को प्रधानमंत्री के पूंजीपति मित्रों को सौंप रहा है, हवाई अड्डों को एक कंपनी को सौंप दिया गया है, कोयला खदानों को

फर्जी नीलामी में दे दिया गया है, और यहां तक ??कि सैटेलाइट स्पेक्ट्रम भी सौंप दिया गया है।'' उन्होंने कहा कि चार जून को भारत के मतदाता इस 'संगठित लूट' वाली पार्टी को बाहर का रास्ता दिखा देंगे। लोकसभा चुनाव की मतगणना चार जून को होगी।

ईवीएम ऑर्डर पर कांग्रेस ने थप्पड़ वाला तंज कसा

सुप्रीम कोर्ट द्वारा सभी वीवीपैट पर्चियों का ईवीएम के जरिए डाले गए वोटों से मिलान करने के निर्देश देने की मांग वाली याचिका खारिज करने के एक दिन बाद, कांग्रेस ने कहा कि वह याचिका में पक्षकार नहीं है। नरेंद्र मोदी की इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कि फैसला विपक्ष पर एक करारा तमाचा था। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री को चुनावी बांड मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा थप्पड़ की याद दिलाई। एक्स पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस वीवीपैट पर याचिका में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से एक पार्टी नहीं थी, जिसे आज सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। पीएम मोदी की करारा तमाचा वाली टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, कुछ हफ्ते पहले सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार से भरी चुनावी बांड योजना को न सिर्फ अवैध घोषित करके पीएम को करारा तमाचा मारा था- बल्कि तमाचा भी।

खेल
प्रमुख समाचार

तीरंदाजी विश्व कप में भारतीय महिला कंपाउंड टीम ने जीता स्वर्ण

शंघाई। भारतीय पुरूष और महिला कंपाउंड

टीमों ने तीरंदाजी विश्व कप के पहले चरण में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीते। शंघाई में चल रहे तीरंदाजी विश्व कप में महिलाओं की कंपाउंड टीम स्पर्धा में इटली को 236-225 से हराकर अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। शीर्ष वरीयता प्राप्त ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की टीम ने 24 तीरों में से केवल चार अंक गंवाकर छठी वरीयता प्राप्त इटली को अच्छे अंतर से हरा दिया और सीजन के शुरुआती वैश्विक शोपीस में अपना खाता खोला।

छह-छह तीरों के पहले तीन प्रयास में, ज्योति, अदिति और परनीत केवल दो बार परफेक्ट 10 से चूकीं। इन तीनों ने शुरुआत में ही मार्सेला तोनिओली, इरेने फ्रांचिनी और एलिसा रोनेर की इटली की तिकड़ी पर 178-171 की अच्छी बढ़त ले ली थी। अंत में भारतीय खिलाड़ियों ने दो अंक गंवाए, लेकिन इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ा और उन्होंने 11 अंकों के अंतर से स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया।

पुरूष टीम में अभिषेक वर्मा, प्रियांश और प्रथमेश एफ ने नीदरलैंड को 238-231 से मात दी। नीदरलैंड की टीम में माइक शोलेसर, सिल पीटर और स्टेफ विलेम्स थे। चौथी वरीयता प्राप्त पुरूष टीम ने 60 स्कोर करके परफेक्ट शुरूआत की और अगले दो सेट में दो ही अंक गंवाए। इसके बाद फाइनल सेट में परफेक्ट 60 स्कोर करके जीत दर्ज की।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान
प्रमुख समाचार

मानसून के बाद खाद्य पदार्थों की कीमतों में आएगी नरमी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने हाल ही जारी अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में बताया है कि सरकार को मानसून के बाद खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी आने की उम्मीद है, क्यों कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस बार सामान्य से अधिक मानसून का अनुमान जताया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सामान्य से अधिक बारिश से फसलों का अधिक उत्पादन होगा। वित्त मंत्रालय की मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा, खाद्य कीमतों में और नरमी आने वाली है क्योंकि आईएमडी ने मानसून के मौसम के दौरान सामान्य से अधिक बारिश की भविष्यवाणी की है। इससे वर्षा जल का बेहतर वितरण और उच्च उत्पादन होने की संभावना है। भारत में खाद्य मुद्रास्फीति फरवरी के 8.7 प्रतिशत से घटकर मार्च में 8.5 प्रतिशत रह गई है। खाद्य मुद्रास्फीति का उच्च स्तर मुख्य रूप से सब्जियों और दालों की बढ़ी कीमतों के कारण है।

महिंद्रा लाइफस्पेस का मुनाफा गिरकर 98 करोड़ रुपये हुआ

नईदिल्ली। महिंद्रा समूह की रियल एस्टेट और बुनियादी ढांचा विकास इकाई महिंद्रा लाइफस्पेस डेवलपर्स लिमिटेड का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष (2023-24) में मामूली घटकर 97.89 लाख रुपये रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी का शुद्ध लाभ 101.43 करोड़ रुपये रहा था। शेयर बाजार को दी जानकारी के अनुसार, कंपनी की कुल आमदनी बीते वित्त वर्ष में घटकर 279.12 करोड़ रुपये रह गई, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 659.56 करोड़ रुपये थी। बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ बढ़कर 71.15 करोड़ रुपये हो गया, जो मार्च, 2023 तिमाही में सिर्फ 55 लाख रुपये था। कंपनी की कुल आमदनी मार्च तिमाही में घटकर 54.60 करोड़ रुपये रह गई, जो मार्च, 2023 तिमाही में 270.26 करोड़ रुपये थी।

एचसीएल टेक का मार्च तिमाही का शुद्ध लाभ 3,986 करोड़ रु.

नयी दिल्ली। भारत की तीसरी सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज का बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 3,986 करोड़ रुपये पर सपाट रहा। एचसीएल ने शुक्रवार को बताया कि हालांकि पिछली तिमाही की तुलना में कंपनी का शुद्ध लाभ 8.4 प्रतिशत घट गया। यह गिरावट दुनियाभर में आईटी व्यय कम होने के बीच कर्मचारी मद में लागत बढ़ने के कारण आई। मार्च तिमाही के लिए कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 3,986 करोड़ रुपये रहा, जबकि 2022-23 की मार्च तिमाही में यह 3,983 करोड़ रुपये था। एचसीएल टेक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि तिमाही आधार पर कंपनी का शुद्ध लाभ 8.4 प्रतिशत घट गया। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष के लिए स्थिर मुद्रा के आधार पर राजस्व में तीन से पांच प्रतिशत की वृद्धि और कर पूर्व आय (ईबीआईटी) मार्जिन 18-19 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान जताया है।

मीडिया कंपनी एनडीटीवी को मार्च तिमाही में शुद्ध घाटा

नयी दिल्ली। अडाणी समूह की मीडिया कंपनी एनडीटीवी लिमिटेड को वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 8.74 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ। एक साल पहले की समान तिमाही में उसे 1.35 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। हालांकि कंपनी का राजस्व मार्च 2024 को समाप्त तिमाही में 59 प्रतिशत बढ़ गया। डिजिटल मौजूदगी बढ़ने से कंपनी को राजस्व बढ़ाने में मदद मिली। एनडीटीवी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसे मार्च तिमाही में 8.74 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ। हालांकि अक्टूबर-दिसंबर, 2023 तिमाही के 10.13 करोड़ रुपये की तुलना में बीती तिमाही में कंपनी के घाटे में कमी आई है। एनडीटीवी की आलोच्य अवधि में परिचालन आय 66.96 करोड़ रुपये से बढ़कर 106.52 करोड़ रुपये हो गई।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर को छू सकता है

प्रह्लाद सबनानी

वर्ष 1991 में भारत के पास केवल 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार बच गया था जो केवल 15 दिनों के आयात के लिए ही पर्याप्त था। वहीं, आज भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगभग 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है एवं यह पूरे एक वर्ष भर के आयात के लिए पर्याप्त है। आज भारत विदेशी मुद्रा भंडार के मामले में चीन, जापान, स्विजरलैंड के बाद विश्व का चौथा सबसे बड़ा देश बन गया है। कोरोना महामारी के बाद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 7,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से कम हुआ था, परंतु वर्ष 2022 के बाद से यह अब लगातार उतनी ही तेज गति से आगे भी बढ़ रहा है। और, अब तो यह उम्मीद की जा रही है कि आगे आने वाले समय में यह एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को भी पार कर जाएगा। भारत में वित्तीय एवं बैंकिंग क्षेत्र में लागू किए गए सुधार कार्यक्रमों के बाद से पिछले 33 वर्षों में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार बढ़ता रहा है। यह वर्ष 2004 में 14,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था, वर्ष 2014 में 32,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं वर्ष 2024 में 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। भारत के पड़ौसी देशों का विदेशी मुद्रा भंडार बहुत कम है, जैसे बंगलादेश के पास 2,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है, नेपाल के पास 1,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर, पाकिस्तान के पास 800 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं श्रीलंका के पास 450 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। अतः भारत समय समय पर अपने पड़ौसी देशों (पाकिस्तान को छोड़कर) की इस संदर्भ में लाइन आफ क्रेडिट उपलब्ध कराकर

मदद करता रहता है।

हाल ही के समय में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार के बढ़ने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल हैं, भारत में लगातार बढ़ता प्रत्यक्ष विदेशी निवेश। केंद्र सरकार द्वारा चालू किए गए आर्थिक सुधार कार्यक्रमों के चलते भारत में अब व्यापार करना बहुत आसान हुआ है अतः विदेशी बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित कर रही हैं, जिसके लिए वे भारत में भारी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश ला रही हैं। दूसरे, भारतीय मूल के नागरिक जो विदेश में जाकर बस गए हैं अथवा वे वहां पर रोजगार प्राप्त करने के उद्देश्य से गए हैं, वे इन देशों में अपनी बचत की राशि को भारत भेज रहे हैं। यह राशि पूरे विश्व में किसी भी देश में भेजने वाली राशि में सबसे अधिक है। वर्ष 2023-24 में विदेशों में बसे भारतीय मूल के नागरिकों ने 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी थी। दूसरे स्थान पर मेक्सिको रहा था जहां पर 6,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी और तीसरे स्थान पर चीन रहा था, जहां 5,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी। कितना बड़ा अंतर है प्रथम एवं द्वितीय स्थान के देशों में। तीसरा, कारण है कि अब भारत से वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात तेजी से बढ़ रहे हैं जबकि विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं के आयात कम हो रहे हैं। और, अब तो भारत रक्षा के क्षेत्र में भी हवाई जहाज एवं अन्य रक्षा सामग्री का निर्यात करने लगा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में रक्षा के क्षेत्र में 21,083 करोड़ रुपए का निर्यात भारत द्वारा किया गया था, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 में निर्यात की गई राशि 15,920 करोड़ रुपए से 32.5 प्रतिशत अधिक था। विश्व में अब विभिन्न देश अपने विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने के उद्देश्य से अपने के पास स्वर्ण के भंडार भी बढ़ाते जा रहे हैं। आज पूरे विश्व में अमेरिका के पास सबसे अधिक 8133 मेट्रिक टन स्वर्ण के भंडार है, इस संदर्भ में जर्मनी, 3352 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ, दूसरे स्थान पर एवं इटली 2451 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ तीसरे स्थान पर है। फ्रान्स (2437 मेट्रिक टन), रूस (2329 मेट्रिक टन), चीन (2245 मेट्रिक टन), स्विजरलैंड (1040 मेट्रिक टन) एवं जापान (846 मेट्रिक टन) के बाद भारत, 812 मेट्रिक टन स्वर्ण भंडार के साथ विश्व में 9वें स्थान पर है।

कांग्रेस है लोकतंत्र की हत्यारी – विष्णु देव साय

रायपुर/पटना/लवन। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कोरिया जिले के पटना में आयोजित चुनावी सभा में कांग्रेस पर बड़ा आरोप लगाया। मुख्यमंत्री बोले कि आपातकाल में कांग्रेस ने लोकतंत्र की हत्या करने का काम किया, संविधान में 80 बार संशोधन किया। वही कांग्रेस तीसरी बार मोदी सरकार बनते ही आरक्षण खत्म हो जाने, संविधान से छेड़छाड़ करने का आरोप लगा रही है। कांग्रेस का यह आरोप निराधार है। जबकि लोकतंत्र की हत्या करने का काम कांग्रेस ने किया है।

श्री साय ने कहा कि कांग्रेस ने अपने पांच साल के शासनकाल में प्रदेश को लूटने का काम किया। अपराध और भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया। कोरबा की एक कलेक्टर ने डीएमएफ की राशि में खूब घोटाला किया। जो आज जेल में चक्की पीस रही है। ठीक इसके विपरीत हमारी भाजपा सरकार ने मात्र 3 महीने में मोदी की गारंटी के सभी प्रमुख वादों को प्राथमिकता से पूरा किया। आज किसान, महतारी, आदिवासी सभी हमारी योजनाओं से लाभान्वित हैं। इसलिए डबल इंजन की सरकार बनाना है, ये आशीर्वाद आप सभी से मांगने आया हूँ।

सरोज पांडेय की जमकर तारीफ की–मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि सरोज पांडेय महापौर, विधायक, सांसद, महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष, पार्टी की केंद्रीय महामंत्री और राज्यसभा सांसद जैसे बड़े-बड़े पदों पर रहीं। एक बार में महापौर-विधायक-सांसद बनने का रिकॉर्ड भी उनके ही नाम है। ऐसी प्रखर वक्ता और योग्य नेत्री को आगामी 7 मई को कमल छाप पर बटन दबाकर भारी मतों से विजयी बनाना है, दिल्ली भेजना है। जैसे छत्तीसगढ़ में जनहित का सब काम सांय-सांय हो रहा है, वैसे ही कोरबा लोकसभा के विकास का काम सांय-सांय होगा।

जनसभा में लोकसभा प्रत्याशी सरोज पांडेय, विधायक गण भैयालाल राजवाड़े, राजेश अग्रवाल, जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल, भाजपा नेता शैलेश शिवहरे सहित अन्य पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इधर जांजगीर-चांपा लोकसभा के लवन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि ये चुनाव देश के देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का चुनाव है। एक चायवाले, गरीब के बेटे मोदी जी 140 करोड़ देशवासियों के लिए दिन-रात काम करते हैं। 24 घंटे में 18 घंटे काम करते हैं। वो देश के गांव, गरीब, मजदूर, किसान सबकी चिंता करते हैं। मोदी जी ने सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास को मूलमंत्र मानते हुए सबका विकास किया, सबको समृद्ध बनाया। उन्होंने कहा कि ये चुनाव मोदी जी के नेतृत्व में 2029 तक भारत को विश्व की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति और 2047 तक विकसित भारत बनाने का चुनाव है। श्री साय ने कहा कि मोदी जी ने देशवासियों को कोरोना का इंजेक्शन मुफ्त में देने का काम किया। 18 हजार गांवों में बिजली पहुंचाई। गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत गरीबों को मुफ्त में चावल दिया जा रहा है। जनहित के सभी बड़े-बड़े काम मोदी जी ने किये हैं। इसलिए उनको तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए आगामी 7 मई को कमल छाप पर बटन दबाकर बहन कमलेश जांगड़े को जिताना होगा और सांसद बनाकर दिल्ली भेजना होगा, यही आशीर्वाद आप सभी से मांगने आया हूँ। सीएम साय ने कहा कि बस्तर सहित कांकेर, राजनांदगांव, महासमुंद में जमकर मतदान हुआ है। जो इस बात का संकेत है कि चारों लोकसभा सीट में भाजपा की जीत हो रही है, इसलिए आप सभी जांजगीर की सीट भी जिताइये। ये आग्रह मैं आप सभी से करने आया हूँ। जनसभा में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा, लोकसभा प्रत्याशी कमलेश जांगड़े, जिलाध्यक्ष सनम जांगड़े, भाजपा नेता धनीराम धीवर सहित अन्य पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

बीरनपुर हत्याकांड पर कांग्रेस की प्रतिक्रिया पर भाजपा का पलटवार

रायपुर। कांग्रेस के संचार प्रमुख द्वारा बीरनपुर में भुवनेश्वर साहू के हत्या की सीबीआई जांच पर दी प्रतिक्रिया पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने पलटवार करते हुए कहा कि बीरनपुर में साहू समाज के बेटे भुवनेश्वर साहू की निर्मम हत्या की सीबीआई जांच पर कांग्रेस स्वागत करने के बजाए इसकी निंदा करने और तर्क कुर्तक करने पर उतर आई है, जो यह दर्शाता है कि कांग्रेस साहू समाज और पिछड़े-दलितों और आदिवासियों से किस कदर घृणा करती है। आज कांग्रेस बीरनपुर हत्याकांड और पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच से घबराई और बौखलाई हुई है,क्योंकि पता है कि सीबीआई जांच होने से कांग्रेस का असली चेहरा जनता के सामने आ जाएगा। क्योंकि बीरनपुर कांड में कांग्रेस सरकार के दौरान जिस तरीके मामले को रफादफा करने की कोशिश की गई,उससे यह सबको पता है कि बीरनपुर कांड में कांग्रेस का तुष्टीकरण का स्वरूप स्पष्ट दिखता है,इसलिए बीरनपुर कांड के दोषियों को कांग्रेस की सरकार बचाने में लगी हुई थी।

केदार गुप्ता ने कहा कि बीरनपुर में कांड में कांग्रेस की तुष्टीकरण की शह थी, जिससे साहू समाज के बेटे की हत्या कर दी गई। और दूसरी ओर पीएससी भर्ती घोटाले को अंजाम देकर कांग्रेस के नेताओं ने युवाओं के हक पर डाका डाला और आज कांग्रेस सत्ता खो चुकी है। भूपेश के कर्म के चलते ही कांग्रेस का सर्वनाश हो चुका है। इसलिए इनके नेता अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। ये यही कांग्रेसी है जो साहू समाज के गरीब का बेटे पीएम मोदी जी से इतनी नफरत है कि उनका सिर फोड़ने की बात करते हैं। केदार गुप्ता ने कहा भूपेश और कांग्रेसियों ने अपने सगे-संबंधियों को डिप्टी कलेक्टर बनाने के साथ ही बाकी बचे पदों के लिए कांग्रेस ने पूरी मंडी सजाई थी, एक-एक पोस्ट को 50 लाख से 1 करोड़ रुपए में बेच डाले। इसका भी जवाब कांग्रेस को देना चाहिए, इसके कौन जिम्मेदार था। लेकिन कांग्रेस की असलियत अब सीबीआई जांच के शुरू होने से जनता के सामने आ जाएगा कि बीरनपुर कांड और पीएससी घोटाले में किसकी भूमिका थी। सारे दोषियों को जेल की हवा खाना ही होगा। भाजपा ने बीरनपुर हत्याकांड और पीएससी भर्ती घोटाले के लिए सदन से सड़क तक संघर्ष किया था। केदार गुप्ता ने कहा-साथ ही भुवनेश्वर साहू के पिता को भाजपा ने विधायक बनाया ताकि वे साहू समाज ही नहीं अन्य वर्गों के न्याय के लिए भी न्याय की लड़ाई लड़ते रहें। लेकिन कांग्रेस ने साहू समाज के प्रति हमेशा सतौला व्यवहार किया है।

गुप्ता ने कांग्रेस पर दागे सवाल

1. भूपेश बघेल के जेब से पांच साल सत्ता में रहते हुए झीरमकांड का सबूत क्यों नहीं निकला। अगर भूपेश बघेल अपने जेब से सबूत निकाल दें तो सीबीआई भी हो जाएगी ?
2. इसके पहले भूपेश बघेल बताएं झीरमकांड का वह कौन सा सबूत है, जिसे निकालने वे पांच साल तक डरते रहे। झीरमकांड को अंजाम दिलवाने वाले उनके खास माओवादी रूपी कांग्रेसी तो कहीं जिम्मेदार तो नहीं थे?
3. जब झीरमकांड में उनके नेता मारे गए थे, तो उस कांग्रेस विधायक कवासी लखमा कैसे घटना होने से पहले ही मोटर साइकिल से भाग गए थे। इस सवाल को चरणदास महंत ने भी अस्पताल में कवासी लखमा से पूछा था कि तू जानता तो वहां से क्यों लेकर गया था, ऐसा विडियो आज भी ओटीटी प्लेटफार्म में ट्रेंड कर रहा है। भाजपा ने कहा भूपेश को पता ही कि अगर जेब से झीरमकांड का सबूत उनके जेब से निकला तो कहीं उनके ही नेता चपेट में आ जाएंगे। इसका असली सच क्या है जनता जानना चाहती है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष द्वारा मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी पर बोले किरण देव

लोकसभा चुनावों के दोनों चरणों में बुरी तरह पिछड़ी कांग्रेस बुरी तरह निराश

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की ताजा टिप्पणी को कांग्रेसियों की असंतुलित मनोदशा, हताशा और कांग्रेस टिकट कट जाने से उपजी कुंठा का राजनीतिक प्रलाप बताया है। श्री देव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की मानसिक स्थिति को खराब बताने वाले कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बैज दरअसल कांग्रेस के तमाम लोगों की मनोदशा को रेखांकित कर रहे हैं, जिसके नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत अपने ही प्रत्याशियों को लठैत बताकर प्रधानमंत्री श्री मोदी का सिर फोड़ने की बात करते हैं तो कभी कांग्रेस प्रत्याशी कवासी लखमा कवासी जीतेगा, मोदी मरेगा कहकर अपने राजनीतिक चरित्र का प्रदर्शन करते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कांग्रेस ने सनातन संस्कृति, हिन्दुत्व और भगवान राम के प्रति अपनी घृणा का हर कदम पर प्रदर्शन किया है, जिस कांग्रेस ने राममंदिर निर्माण में हर बार रोड़े अटकाकर इस मसले को भटकाने व लटकाने काम किया, जिस कांग्रेस ने प्रभु श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का न्योता ठुकराकर भगवान राम के ननिहाल व माँ शबरी की धरती छत्तीसगढ़ की आस्था व भावनाओं का घोर अपमान किया, उस कांग्रेस द्वारा तुष्टीकरण के एजेंडे पर चलकर देश के संसाधनों पर पहला हक संप्रदाय विशेष का बताने वाली कांग्रेस के राजनीतिक चरित्र को जनता अच्छी तरह परख चुकी है और इसीलिए हर तरीके के हथकण्डे अपनाने के बावजूद कांग्रेस लोकसभा चुनाव के लिए सम्पन्न हुए दो चरणों मतदान में बुरी तरह पिछड़ चुकी है। श्री देव ने कहा कि अंतर्कलह से जूझते कांग्रेस नेताओं में कुछ टिकट काटे जाने की कुंठा और कुछ जबरिया टिकट थोपे जाने से क्षुब्ध होकर हार की हताशा में कब, कहाँ, क्या और क्यों बोल रहे हैं, उन्हें खुद इसका भान नहीं रह गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि लोकसभा चुनाव हेतु मतदान के दो चरणों में देश, सहित छत्तीसगढ़ में भाजपा को मिली ऐतिहासिक बढ़त एवं कांग्रेस नेताओं द्वारा कांग्रेस छोड़े जाने से कांग्रेसी खुद अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। इस बार कांग्रेस का कोई हथकण्डा काम नहीं कर रहा है, इसलिए भी वे ऊलजलूल बयान देकर चुनावी वातावरण को विषाक्त करने में लगे हुए हैं। श्री देव ने कहा कि दरअसल कांग्रेस की तुष्टीकरण की राजनीति भी अब पूरी तरह बेनकाब हो चुकी है और जनता अब कांग्रेस से घृणा करने लगी है। कांग्रेस के चुनाव घोषणा पत्र में किए गए झूठे वादों की तो पोल कांग्रेसी खुद ही खोल रहे हैं। महिलाओं से फार्म भरवाए जाने को फर्जी बताते हुए बस्तर के जिला कांग्रेस अध्यक्ष का लिखा पत्र इसका प्रमाण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी पर जनता-जनार्दन को अटूट विश्वास है, जो पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के रूप में व्यक्त हुआ और इस लोकसभा चुनाव में भारी संख्या में मतदान करके जनता-जनार्दन ने कांग्रेस के खिलाफ अपने आक्रोश के रूप में ईवीएम में दर्ज कर दिया है।

छत्तीसगढ़/राजधानी प्रमुख समाचार

मुख्यमंत्री साय की पहल से पेट की गंभीर बीमारी से जूझ रहे ग्रामीण को मिला नया जीवन

जशपुर नगर। पेट की गंभीर बीमारी से जूझ रहे पालेश्वर राम (25 वर्ष) को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से नया जीवन मिला है. पालेश्वर के स्वजनों ने बताया कि पालेश्वर बीते एक साल से पेट की गंभीर बीमारी से ग्रसित था. उसके पेट मे भयंकर दर्द रहा करता था, जिससे वह ना तो ठीक से खा पाता था और ना ही सो पाता था. इससे उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी. परिजनों ने पालेश्वर को स्थानीय अस्पताल लेकर गए. जहां, परीक्षण के बाद चिकित्स्कों ने बड़े अस्पताल के लिए रेफर कर दिया.निजी अस्पताल मे जांच के बाद चिकित्स्कों ने आपरेशन की आवश्यकता बताई. लेकिन, आपरेशन का भारी खर्च ने, पालेश्वर के परिजनों के होश उड़ा दिया. बीते लगभग एक साल से पालेश्वर, इसी हालत मे घर मे ही पड़ा हुआ था. इस बीच, पीड़ित पालेश्वर के स्वजनों ने सीएम कैम्प बगिया पहुंच कर, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से पालेश्वर की जान बचाने के लिए, उपचार मे सहायता का अनुरोध किया. मुख्यमंत्री साय के पहल पर रायपुर के नारायणा हॉस्पिटल मे पालेश्वर के इलाज की व्यवस्था की गई. डॉक्टरो ने जांच मे पालेश्वर के पेंक्रिया और आंत मे समस्या पाया. मुख्यमंत्री विष्णु साय के निर्देश पर, नारायणा हॉस्पिटल ने पालेश्वर का सफल आपरेशन किया.

रायपुर में नहीं होगी पेयजल की संकट, मुर्रा एनीकेट के खुलने से जलस्तर 10 इंच बढ़ा

रायपुर। मुर्रा एनीकट को शुक्रवार को खोले जाने से फिल्टर प्लांट के नजदीक एनीकेट में पानी 10 इंच बढ़ गया है। शनिवार सुबह तरीघाट एनीकेट को भी खोल दिया गया। जिसका पानी शाम तक पहुंच जाएगा। सिंचाई विभाग ने मरम्मत के नाम नहर से पानी भेजना अचानक बन्द कर दिया था। जिससे दो दिन पहले खारुन नदी का जलस्तर घटने लगा था। इससे शहर में पानी सप्लाई का खतरा बन गया था। इस पर रायपुर नगर निगम के कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने उच्च स्तर पर चर्चा कर धमतरी के चटोड नहर की साखा नहर को खुलवाया गया। खारुन नदी में ही काठाडीह और मुर्रा एनीकेट को कल खुलवा दिया गया। मुर्रा एनीकेट में पानी संघरण की बड़ी क्षमता है। इस एनीकेट के खुल जाने से फिल्टर प्लांट वाले एनीकेट का जलस्तर आज सुबह 10 इंच तक बढ़ गया। सिंचाई विभाग ने सूचना दी कि तरीघाट के एनीकेट को आज सुबह 8 बजे खोल दिया गया। जिससे आज शाम रात तक पर्याप्त मात्रा में मिलने लगेगा। वहीं कल तक चटोड नहर की शाखा नहर से भी खारुन नदी में पर्याप्त मात्रा में पानी मिलने लगेगा।

अल्पसंख्यकों को देने का षड्यंत्र कर रही है कांग्रेस?

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार में वरिष्ठ मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस की प्रेस वार्ता पर तीखा प्रहार किया ।उन्होंने कहा की कांग्रेस के नेता केवल गरीबों पर झूठा भाषण देते है एक तरफ तो 60 साल सत्ता में रहते गरीबों का भला नहीं कर पाए दूसरी तरफ गरीबों को राशन,आवास,राशन, नल, गैस,बिजली,शौचालय मिलने पर विरोध करते है। श्री कश्यप ने कहा जब 2014 में मोदी जी प्रधानमंत्री बने तब भारत के लोगो के पास न घर था, न गैस कनेक्शन, न शौचालय,भूख से देश में मौतें होती थी,पानी के लिए महिलाओं को घंटो पैदल चलना पड़ता था । अटल सरकार के देशहित के कई कार्यों के बाद मोदी सरकार ने 10 वर्षो में 60 साल के ये हालात बदल दिए ।गरीबों के लिए अपना पल पल खपा दिया ।गरीब अब स्वाभिमान से जीने लगा है तो कांग्रेस को पीड़ा हो रही है। श्री कश्यप ने कहा आजकल कांग्रेस के छत्तीसगढ़ के और राष्ट्रीय नेता सामाजिक न्याय की बाते करने लगे है कांग्रेस एक तरफ ओबीसी और आदिवासियों का आरक्षण छीनने का षड्यंत्र रच रही है जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार है ऐसा किया भी गया है क्या देश के आदिवासियों का ,ओबीसी का,अनुसूचित जाति का आरक्षण छीन कर अल्पसंख्यकों को देना यही कांग्रेस का सामाजिक न्याय है?

हमें ऐसा विकास चाहिए जिसमें नौकरी हो- प्रवीण चक्रवर्ती

रायपुर। प्रोफेसनल कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय रायपुर में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुये कहा कि हमने पाँच महीने पब्लिक से विचार लेकर ये मैनिफ़ेस्टो बनाया है। सबसे महत्वपूर्ण इसमें आर्थिक न्याय, सामाजिक न्याय की बात है। आर्थिक असमानता बढ़ रही है, मोदी जी कहते है जीड़ीपी बढ़ रही है तो income नहीं बढ़ रही है,वो इसलिए क्यों की नौकरी नहीं है हमें ऐसा विकास चाहिए जिसमें नौकरी हो इस न्याय पत्र में नौकरी की बात है ओर नौकरी बढ़ेगी तभी आमिर गरीब में फासले कम होंगे,हमें अमीरों को गरीब नहीं ग़रीबों को अमीर बनाना है। इस न्याय पत्र में हमने सामाजिक न्याय की बात की है हमारे देश में कितने ओबीसी, एससी, एसटी है हमें पता होना चाहिए। अगर एक अनुमान के मुताबिक़ 70 प्रतिशत इनकी आबादी है तो बड़े-बड़े पदों पर मात्र 10 प्रतिशत ही इनकी संख्या क्यू है। बजट में इनके लिए मात्र 10 प्रतिशत क्यू है। हमारा पहला कदम सरकार बनते ही एसईसीसी करवाना है, इसे पता चलेगा किसके पास कितनी ज़मीन है, पैसे है.कितनी इनकी संख्या है। इसलिए एसईसीसी ज़रूरी है. जिसे राहुल जी X-Ra4 कहते है। इसके लिए आरक्षण 50 प्रतिशत से ज़्यादा करेंगे जैसे तमिलनाडु में है।

वरिष्ठ और दिव्यांग मतदाताओं के घर पहुंचे मतदान अफसर

रायगढ़। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से वरिष्ठ मतदाताओं को उनके मताधिकार के उपयोग के लिए होम वोटिंग कई मायनों में महत्वपूर्ण हैं. लोकतंत्र के पर्व में जहां एक-एक मत की महती भूमिका होती हैं, लेकिन उम्र के इस पड़ाव में जहां चलने-फिरने में दिक्कत होती हैं. मतदान कर पाना संभव प्रतीत नहीं होता. लेकिन अपने मताधिकार का उपयोग न कर पाने की खलल भारत निर्वाचन आयोग ने दूर करते हुए ऐसे 85 से अधिक आयु वर्ग के वरिष्ठ मतदाताओं को घर पहुंच मतदान करने की सुविधा देकर लोकतंत्र में उनकी मत के महत्व को बरकरार रखा हैं. उल्लेखनीय है कि जिले में चारों विधानसभा में शनिवार से होम वोटिंग की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है. इसके तहत मतदान दलों के माध्यम से 85 वर्ष से अधिक आयु वर्ग एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाताओ के घर में पहुंच मतदान कराया. जिले में कुल 135 होम वोटर हैं, जिसमें रायगढ़ में 23, खरसिया में 56, लैलूंगा में 19 तथा धरमजयगढ़ में 37 वोटर शामिल है. होम वोटिंग के लिए आवेदन करने वाले कुल 135 मतदाताओं में से 131 मतदाताओं के निवास में पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान किया. 1 मतदाता का निधन हो चुका है तथा शेष 3 मतदाताओं को पोस्टल बैलेट के माध्यम से मतदान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए उनके निवासगृह में 2 मई को मतदान अधिकारियों की टीम पुनः जाएगी.

लोकसभा चुनाव 2024

मतदाता जागरुकता- शहर की नामी प्रतिष्ठानों में छूट की घोषणा

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह के निर्देशन में 7 मई को सब करें मतदान कैंपेन से कई संस्थाएं स्वमेव जुड़ने लगी है। कई बड़े हॉटल, रिसॉर्ट्स, अस्पताल, अपने ग्राहकों को 7 मई को मतदान के बाद उनके संस्थान आने पर कई तरह की छूट की घोषणा की है।

इन संस्थाओं का मानना है कि भारतीय लोकतंत्र में मतदान न सिर्फ अधिकार, बल्कि एक ऐसा संवैधानिक दायित्व है, जिसके माध्यम से आम मतदाता देश की प्रगति में अपनी बड़ी भूमिका का निर्वहन करता है, इसलिए इन संस्थाओं ने मतदान की जिम्मेदारी निभाने वाले मतदाताओं और उनके परिजनों, मित्रों व परिचितों के लिए अपनी सेवाओं में विशेष ऑफर देकर लोकतंत्र का सम्मान किया जा रहा है। इन संस्थानों ने रायपुर कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह से भेंट कर अपने ऑफर संबंधी पत्र भी उन्हें सौंपा है। लोकसभा निर्वाचन-2024 में मतदान करने वाले नागरिकों के लिए रायपुर शहर के प्रतिष्ठित हॉटल व अस्पतालों ने अपनी सेवाओं से संबंधित छूट की घोषणा की है। यह छूट उन मतदाताओं को मिलेगा, जिनकी अंगुलियों पर नीली स्याही होगी, अर्थात जो 07 मई

2024 को अपने मतदान केन्द्र में जाकर भारतीय लोकतंत्र की उन्नति हेतु अपना मतदान करेंगे। ऐसे कई संस्थानों ने कलेक्टर डॉ. सिंह, नगर निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा, सीईओ जिला पंचायत से भेंट कर जन जागरूकता कार्यक्रम में अपनी सहभागिता की जानकारी दी है।

मे-फेयर लेक रिसॉर्ट -रिसॉर्ट प्रबंधन के अनुसार कार्ट ऑर्डर पर मतदाताओं को 30 प्रतिशत की छूट प्राप्त होगी, 03 बुफे के आर्डर पर एक अतिरिक्त ऑर्डर फ्री की घोषणा की है। यह ऑफर मतदान तिथि 07 मई से 12 मई 2024 तक लागू होगी।

बेबीलॉन इन एवं बेबीलॉन कैपिटल-मतदाताओं को बेबीलॉन इन प्रबंधन द्वारा 07 से 12 मई 2024 तक रूम बुकिंग पर 30 प्रतिशत डिस्काउंट, मॉकटेल पर 25 प्रतिशत डिस्काउंट, फूड ऑर्डर पर 20 प्रतिशत, बुफे में 15 प्रतिशत डिस्काउंट ऑफर के साथ 03 बुफे पर एक बुफे फ्री किए जाने की घोषणा की है। गोल्फ एंड लेक रिसॉर्ट, नया रायपुर-मतदाताओं के लिए फूड ऑर्डर 30 प्रतिशत और रूम टैरिफ पर 15 प्रतिशत छूट की घोषणा की गई है। स्प्री वॉक-तेलीबांधा में संचालित स्प्री वॉक में अपने सभी फूड आउटलेट में 25 प्रतिशत की छूट की घोषणा की है, साथ ही तेलीबांधा घूमने के लिए उपलब्ध कराई जा रही एम्यूजमेंट राइड पर 30 प्रतिशत छूट की घोषणा की गई है। हॉटल के अलावा कई अस्पतालों ने भी नीली स्याही का निशान दिखाने पर अपनी सेवाओं में छूट की घोषणा की है। संजीवनी अस्पताल-07 मई को मतदान पश्चात अस्पताल की ओपीडी में चिकित्सकीय परामर्श के लिए आने वाले मतदाताओं को ओपीडी जांच में निर्धारित अस्पताल दर पर 25 प्रतिशत छूट दी जाएगी। 08 मई से 12 मई तक ओपीडी परामर्श में 50 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके अलावा कोई व्यक्ति यदि मतदान तिथि को भर्ती होता है, तो उसे 07 मई का रूम रेंट नहीं देना होगा। बालाजी हॉस्पिटल-प्रबंधन द्वारा मतदाताओं के लिए 07 मई को ओपीडी शुल्क निःशुल्क किया गया है, 08 मई से 12 मई तक ओपीडी परामर्श में 50 प्रतिशत की छूट होगी.

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.